শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 52 | गुवाहाटी | शनिवार, 16 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दक्षिण-पश्चिम गुवाहाटी जलापूर्ति योजना का 70 फीसदी काम ही पूरा पेज 3
रेल, सड़क, हवाई और जल परिवहन को समग्र दृष्टिकोण से निपटाया जाना... पेज 4
भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : योगी पेज 5
आईएनडीआईए का कुछ पत्रकारों के बहिष्कार का फैसला इंदिरा के ... पेज 8

राज्य में 17 हजार से अधिक शिक्षक पद खाली : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने कहा कि राज्य में 17,000 से अधिक शिक्षण पद खाली हैं, जिनमें से 15,000 से अधिक स्कूल स्तर पर हैं और 1,300 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2021-22 में प्राथमिक स्तर के आंकड़ों की तुलना में उच्च शिक्षा स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में गिरावट का रुख रहा है। कांग्रेस विधायक रेकीबुद्दीन अहमद के एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि विभिन्न स्कूलों में कुल 15,752 शिक्षण पद और 2,830 गैर-शिक्षण पद खाली हैं। एआईयूडीएफ के रफीकुल इस्लाम के एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि हाई स्कूलों और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मुख्य शिक्षकों के 1,686 पद, प्रिंसिपलों के 320 पद और उप-प्रिंसिपलों के 499 पद खाली पड़े हैं। सीपीआई (एम) विधायक मनोरंजन तालुकदार द्वारा कॉलेजों के संबंध में एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के 860 पद और 12 विश्वविद्यालयों में 465 शिक्षण पद रिक्त हैं। पेगु ने कांग्रेस विधायक भरत चंद्र नारा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, असम में प्रारंभिक शिक्षा में सकल नामांकन दर (जीईआर) 109.9 प्रतिशत थी, जिससे पता चलता है कि माध्यमिक विद्यालय में जीईआर 74.5 प्रतिशत था, और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में यह 40.1 प्रतिशत था।

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने वाले नहीं : हिमंत

पटना। बिहार यात्रा पर पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आईएनडीआईए गठबंधन पर हमला बोला। इसके साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री बनने पर भी खास प्रतिक्रिया दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा नालंदा जिले के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित वैशाली उत्सव में भाग लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आईएनडीआईए गठबंधन की भोपाल में होने जा रही रैली को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि रैली तो होगी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होगी। रैली करने में तो कोई तकलीफ नहीं है। उन्होंने आईएनडीआईए के नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि आप जाइए भोपाल को देखिए, खूबसूरती को देखिए, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। अगर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना ही है। राहुल गांधी को सूर्य से चंद्रमा तक जाना पड़ेगा, तभी प्रधानमंत्री वह बन सकते हैं। नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री बनने के सवाल हिमंत विश्व शर्मा ने जवाब दिया कि मैं नीतीश कुमार के साथ एक टेबल पर बैठा। करीब चार घंटे तक हम साथ बैठे। नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री से भी बातचीत की, हम सबसे बात की, लेकिन एक बात मैं बोल सकता हूं कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि शायद कई लोगों का मन था कि प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बन जाऊंगा, लेकिन वो प्रधानमंत्री के उम्मीदवार भी नहीं बन पाएंगे; प्रधानमंत्री बनना तो दूर की बात है। आईएनडीआईए को लेकर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आप *इंडिया अलायंस* तो बोलिए, लेकिन *इंडिया ए अलायंस* बोलने के लिए जयराम रमेश से ही पूछना पड़ेगा कि दोबारा *ए* लगाने की बात आप लोग क्यों भूल गए। उन्होंने कहा कि पहली बात तो यह है कि उन लोगों (आईएनडीआईए के नेताओं) ने मीडिया को बायकॉट किया। मेरा तो मानना है कि आपको तो देश ने ही बॉयकॉट करके रखा है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आपकी जगह कहां है देश में ? हिमंत ने कहा कि मुझे लगता है कि आईएनडीआईए में अंदरूनी कलह चल रही है। मुझे नहीं लगता कि उनके आपसी रिश्ते -शेष पृष्ठ दो पर

जोनमणि मामले में सीबीआई ने संग्रह किए नमूने

नगांव (हि.स.)। सीबीआई की टीम ने महिला पुलिस एसआई जोनमणि राभा के दुर्घटना स्थल की नए सिरे से जांच शुरू की है। सीबीआई सूत्रों द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार सीबीआई की छह सदस्यीय टीम गुरुवार को मौके पर पहुंची और पूरी तरह से परीक्षण किया। सीबीआई की टीम ने जखलाबंधा थाना के तहत सरुभगिया के दुर्घटनास्थल पर नए सिरे से तलाशी ली। कलियाबर और जखलाबंधा पुलिस ने सीबीआई की जांच प्रक्रिया -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में जन्मजात दिल के छेद की दुर्लभ सर्जरी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के एकमात्र मेडिकल कॉलेज अस्पताल टोमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (ट्रिम्स) के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ सर्जरी के माध्यम से 30 साल की एक महिला मरीज के दिल में जन्म से ही मौजूद छेद को बंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि ट्रिम्स के हृदय रोग विशेषज्ञों ने गुरुवार को लोकल एनेस्थीसिया के माध्यम से पहली बार मरीज के एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट (एएसडी) को पहली बार बंद किया। अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्लभ सर्जरी डॉ. रिनचिन दोरजी मेगेजी और डॉ. टोनी एटे ने नर्सों की एक टीम के साथ की। वहीं, सफल सर्जरी के बाद डॉ. टोनी एटे ने इसको राज्य में चिकित्सा विज्ञान में एक नए युग की शुरुआत बताया। -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने लोकप्रियता में बाइडन और सुनक को पछाड़ा

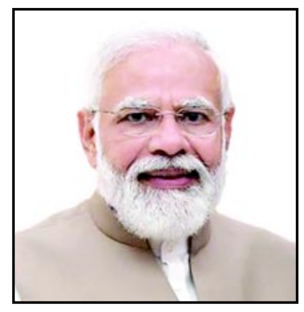

नई दिल्ली। मॉर्निंग कंसल्ट के एक सर्वेक्षण से पता चला है कि 76 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दुनिया के *सबसे लोकप्रिय* नेता के रूप में उभरे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 76 फीसदी की अनुमोदन रेटिंग के साथ फिर से सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। ग्लोबल लीडर अप्रूवल सर्वेक्षण के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी की अप्रूवल रेटिंग सूची में दूसरे स्थान पर काबिज स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति एलेन बर्सेट से 12 प्रतिशत अधिक है। पीएम नरेंद्र मोदी पिछले कुछ सालों से लगातार इस लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 40 फीसदी की अनुमोदन रेटिंग के साथ सूची में सातवें स्थान पर हैं, जो मार्च के बाद से उनकी उच्चतम रेटिंग -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

गांवों में तालाबों, बाजारों दुकानों पर भी टैक्स

गुवाहाटी (हि.स.)। पंचायत संशोधन विधेयक विधानसभा में पारित किए जाने के साथ ही गांवों में कई नए नियम आ जाएंगे। असम पंचायत एक्ट में संशोधन के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में निजी हाट, घाट और तालाबों के लिए लोगों को सरकार को टैक्स देना होगा। अधिनियम में संशोधित धारा 107 के खंड 20 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोई भी निजी हाट, घाट और तालाब पंचायत की अनुमति के बिना संचालित नहीं किए जा सकते हैं। गांव के हाट में चल रहे व्यापार और वाणिज्य के लिए मालिक को पंचायत को -शेष पृष्ठ दो पर

सब्सिडी मामला : विस में विपक्ष के हंगामे के बाद कई बार कार्यवाही स्थगित

गुवाहाटी। सीएम हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी से जुड़ी एक कंपनी को जमीन के एक भूखंड के संबंध में केंद्रीय सब्सिडी मिलने वाली बात पर बवाल थमने की बजाय बढ़ता नजर आ रहा है। इसको लेकर असम विधानसभा शुक्रवार को कई बार स्थगित हुई, क्योंकि विपक्षी विधायकों ने इन आरोपों पर सरकार से जवाब मांगा है। सबसे पहले यह मुद्दा कांग्रेस विधायक कमलाक्ष्य दे पुरकायस्थ ने प्रश्नकाल के दौरान उठाया था। उन्होंने राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन से पूछा था कि क्या कलियाबोर क्षेत्र में भूमि राज्य की *बसुंधरा* योजना के तहत आवंटित की गई थी। कांग्रेस विधायक ने यह भी पूछा कि जमीन आवंटन के लिए कौन से दस्तावेज जमा किए गये थे। स्पीकर बिस्वजीत दैमारी ने कहा कि यह मामला पुरकायस्थ द्वारा सूचीबद्ध मूल प्रश्न से संबंधित नहीं है और मुख्यमंत्री भी सदन में मौजूद नहीं थे। हालांकि, पुरकायस्थ सवाल पर अड़े रहे, जिसके बाद कई मंत्रियों और विपक्षी विधायकों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। यह हंगामा बढ़ने लगा, जिसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। सदन दोबारा शुरू होने पर विपक्ष के नेता कांग्रेस के देबब्रत सैकिया ने शून्यकाल के दौरान मामले पर चर्चा के लिए दिए गए नोटिस की ओर सभापति का ध्यान आकर्षित किया। चूंकि, उपाध्यक्ष नुमल मोमिन ने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कनाडा में पन्नू ने उड़ाई सिख मर्यादा की धज्जियां

नई दिल्ली। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर से भारत के प्रति जहर उगला। मोस्ट वांटेड आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद पन्नू ने हमेशा की तरह गीदड़ भभकी देकर प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और जयशंकर को चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा कि 29 अक्तूबर को सरे में दोबारा खालिस्तान जनमत संग्रह हो रहा है। जहां हमारा साथी मारा गया, वहां आजादी की लड़ाई फिर शुरू होगी। गौरतलब है कि पहले कनाडा के एक स्कूल में खालिस्तान जनमत संग्रह रद्द किया गया और अब सरे में भी यह बुरी तरह विफल हो गया है। इसी से तिलमिलाए आतंकी पन्नू निजी गार्डों के घेरे में कनाडा के अलग-अलग शहरों में घूम रहा है। इतना ही नहीं पंजाब और दिल्ली कोखालिस्तान बनाने की बात करने वाला आतंकी पन्नू खुद ही अपने सुरक्षा गार्डों के माध्यम से सिख मर्यादा की धज्जियां उड़ाते दिखा। दरअसल, आतंकी पन्नू का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उसके निजी गार्ड मर्यादा की तौहीन करते दिखे। कनाडा में एक अरदास में शामिल होने -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में जी-20 की सफलता का डंका

लाहौर (हि.स.)। भारत की राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का डंका पाकिस्तान में भी बज रहा है। पाकिस्तान के लोग भी इस सफल आयोजन की प्रशंसा कर रहे हैं। कराची के एक निवासी ने जी-20 के आयोजन पर भारत की सराहना करते हुए कहा कि जब शीर्ष 20 देशों के प्रमुख किसी देश का दौरा करते हैं, तो यह उस देश के लिए सम्मान की बात है। भारतीय अर्थव्यवस्था को इससे कई लाभ मिलेंगे। एक अन्य स्थानीय युवक ने पाकिस्तान के वैश्विक अलगाव पर दुख व्यक्त -शेष पृष्ठ दो पर

मैतई समूह की असम राइफल्स को वापस बुलाने की मांग

इंफाल। इंफाल घाटी स्थित नागरिक समाज संगठनों के शीर्ष निकाय कोकोमी के प्रतिनिधियों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और राज्य से असम राइफल्स को वापस बुलाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि बल पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। मैतई समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली मणिपुर की एकता के लिए समन्वयक समिति (सीओसीओएमआई) ने एक बयान में कहा कि उनके प्रतिनिधियों ने गुरुवार को राजनाथ सिंह से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने दावा किया कि कुकी समूहों ने मणिपुर संकट के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करके सरकार को शर्मिंदा किया। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

कार्य की सिद्धि के लिए उदारता नहीं बरतनी चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

जजों की नियुक्ति को पारदर्शी बनाएंगे : सीजेआई

नई दिल्ली (हि.स.)। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों की नियुक्ति को लेकर कॉलेजियम सिस्टम की होने वाली आलोचना पर जवाब देते हुए कहा कि मैं आलोचना को सकारात्मक रूप से लेता है। अगर इसे नकारात्मक रूप से लेंगे तो सिस्टम को सुधार नहीं पाएंगे। चीफ जस्टिस रामजेठमलानी मेमोरियल की ओर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता लाने के लिए सेन्टर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग (सीआरपी) का मैकेनिज्म विकसित किया है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

निपाह वायरस : कोझिकोड में पूजा और सार्वजनिक स्थलों पर प्रतिबंध, 950 की होगी जांच

कोझिकोड। केरल में लगातार निपाह वायरस के मामले देखने को मिल रहे है, जिसके बाद प्रशासन अलर्ट पर आ गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को कहा कि 39 वर्षीय एक व्यक्ति में निपाह वायरस की पुष्टि हुई है, जो एक संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से उनमें फैल गया था। राज्य भर में सक्रिय मामलों की संख्या चार हो गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने उन सभी लोगों का परीक्षण करने का निर्णय लिया है, जो संक्रमित व्यक्तियों की संपर्क सूची में हैं। स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के सैंपल टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उसमें निपाह वायरस की पुष्टि हुई, जिससे राज्य में कुल संक्रमित लोगों की संख्या छह हो गई, जिनमें से दो की पहले ही मौत हो चुकी है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मंत्री के कार्यालय ने आज कहा कि संक्रमित व्यक्ति चाहता है कि उसका इलाज निजी अस्पताल में कराया जाए, जहां पहले निपाह संक्रमित व्यक्तियों का अन्य बीमारियों का इलाज किया जाता था। स्थिति का जायजा लेने के लिए आज कोझिकोड कलेक्ट्रेट में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की -शेष पृष्ठ दो पर

एक ही दिन में सात लड़कियों से शादी

कंपाला। आए दिन सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होना एक आम बात हो गई है। लेकिन इस बार हम आपको ऐसी बात बताने जा रहे है, शायद आपके लिए मानना मुश्किल होगा। लेकिन ये बात बिल्कुल सच है कि युगांडा के रहने वाले एक शख्स ने एक दिन में सात अलग-अलग लड़कियों से शादी रचाई है। इनमें से दो सगी बहनें भी है। 43 वर्षीय युगांडा के प्रसिद्ध पारंपरिक चिकित्सक हबीब एनसिकोन का कहना है कि वह और भी पत्नियां रखने की योजना बना रहे है, ताकि वह 100 बच्चों का लक्ष्य हासिल कर सके। उन्होंने अपनी प्रत्येक पत्नी को कारें गिफ्ट में भी और ससुराल वालों को भी उपहार दिए है। आपको बता -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सट्टेबाजी : ईडी की रडार पर 14 बॉलीवुड सितारे

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ, सनी लियोन, नेहा कक्कड़, विशाल ददलानी, भारती सिंह, नुसरत भरूचा जैसे बॉलीवुड सितारे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के जरिए धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रडार पर हैं। महादेव एपीपी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के मामले में ईडी ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित कुल 39 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान सोने के सिक्के और आभूषण के साथ 417 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। लेकिन तलाशी के दौरान ईडी के अधिकारियों को बड़ी मात्रा में कागजात और सबूत मिले हैं। छापेमारी के दौरान प्राप्त कागजात में 14 बॉलीवुड सितारों के नाम भी मिले हैं। अब ईडी के अधिकारी उन बॉलीवुड सितारों पर नजर रख रही है और ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के जरिए धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड की हस्तियों से जुड़ी जानकारियां एकत्रित की जा रही हैं। ईडी के सूत्रों के अनुसार महादेव बुक ऐप के मालिक सौरभ चंद्राकर की शादी फरवरी में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में हुई थी। इसमें बॉलीवुड के सिंगर्स और एक्टर्स को परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया था। ईडी के हाथ यह वीडियो लगी है। ईडी अधिकारियों को कहना है कि हवाला के जरिए करीब 200 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। ईडी के हाथ सनसनीखेज

जानकारी लगी है। *महादेव बेटिंग ऐप* कंपनी के मालिक का नाम रवि उप्पल, सौरभ चंद्राकर है। ईडी उनकी तलाश कर रही है। जैसे-जैसे इस ऑनलाइन धोखाधड़ी गैंग को लेकर जांच आगे बढ़ती जा रही है। बॉलीवुड कनेक्शन और भी गहरा होता जा रहा है। बॉलीवुड के कई टॉप एक्टर्स और सिंगर्स के नाम भी सामने आए हैं। ईडी द्वारा दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, इस साजिश में टाइगर श्रॉफ, नेहा कक्कड़, सनी लियोन, कृष्णा अभिषेक, राहत फतेह अली खान, भारती सिंह, नुसरत भरूचा, आतिफ असलम का नाम सामने आया है। ईडी की रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि वे जल्द ही इस मामले की तहकीकात करेंगे और इस बात की तहकीकात करेंगे कि ये बॉलीवुड के सितारे इस धोखाधड़ी से किस तरह से जुड़े हुए थे। ईडी की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के जरिए बाजार से पैसे निकाले हैं। इसके जरिए कई मशहूर हस्तियों और सरकारी अधिकारियों तक पैसा गया है।

इन बॉलीवुड स्टारों पर ईडी की नजर:
राहत फतेह अली खान, अली असगर, विशाल ददलानी, आतिफ असलम, भारती सिंह, सनी लियोनी, टाइगर श्रॉफ, नेहा कक्कड़, एली अवराम, भाग्यश्री, कृष्णा अभिषेक, पुलकित सम्राट, कृति खरबंदा, नुसरत भरूचा।

इस मामले को ईडी अधिकारी हवाला कारोबार से भी कनेक्शन देख रहे हैं। इस मामले में योगेश पोपट नाम के शख्स का नाम भी आया था। तलाशी के दौरान अधिकारियों को गोविंदा केडिया नाम के शख्स के घर से 18 लाख रुपए नकद, 13 करोड़ रुपए के सोने और चांदी के आभूषण बरामद हुए। बता दें कि ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स बिल्कुल ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स की तरह हैं। मूल रूप से मध्यम आयु वर्ग से लेकर बुजुर्ग तक सट्टेबाजी ऐप्स में निवेश करते थे। उन्हें निशाना बनाया जाता है। कुछ महीने पहले कोलकाता के गार्डनरीच में एक बिजनेसमैन के घर के बिस्तर के नीचे से अरबों रुपए बरामद हुए थे। इस मामले में कारोबारी आमिर खान को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया था। ठीक इसी तरह वह गेमिंग ऐप्स के जरिए पैसे कमाने का प्रलोभन देता था, लेकिन कार्यप्रणाली समान होने के बावजूद, जांचकर्ता यह देख रहे हैं कि क्या दोनों कंपनियों के बीच कोई संबंध है। ईडी अधिकारियों का कहना है कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनी ई-नगेट्स के मालिक के घर पर छापा मारकर उन्होंने जितनी रकम बरामद की है, वह इस रकम के सामने कुछ भी नहीं है। इस बार ईडी के रडार पर महादेव ऐप नाम की ऑनलाइन सट्टेबाजी कंपनी है। मालूम हो कि इस संगठन का मुख्यालय दुबई में है। वहां विभिन्न फर्जी खातों में मनी लॉन्ड्रिंग की।

राणी सती जी मंदिर में सोल्लास भादवा अमावस्या उत्सव मनाया गया

गुवाहाटी (विभास)। अठगांव स्तिथ जगत जननी कलियुग अवतारी जगदम्बा राणी सती जी के मंदिर में हर्ष उल्लास के साथ भादवा अमावस्या उत्सव का आयोजन किया गया। चौदस की रात्रि को कुल देवी के मंदिर में राति जोगा दिया गया जिसमे पारंपरिक रूप से गीत एवम भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अमावस्या के दिन मंदिर प्रतिस्थापक स्वर्गीय मोती लाल जालान एवम स्वर्गीय रमा देवी जालान का स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित कर मंदिर व्यवस्थापक पंकज जालान, पूनम जालान, नीरज जालान, नेहा जालान ने कुटुंब एवम भक्तों के साथ प्रभात पूजा, आरती कर छप्पन भोग अर्पित किया। पूरे दिन भक्तों की लंबी कतार मंदिर में देखने को मिली। दोपहर 2 बजे से प्रसिद्ध मंगल गायिका माधुरी सरावगी एवम महिला भक्तों द्वारा मंगल पाठ किया गया। उत्सव के अवसर पर मंदिर का फूलों से मनोरम श्रृंगार किया गया था।

मीडिया का कार्य शासन के सभी अंगों को सचेत करना है : उपराष्ट्रपति

भोपाल (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में मीडिया का कार्य शासन के सभी अंगों को सचेत करना, सच्चाई, सटीकता एवं निष्पक्षता के साथ जनमानस तक जानकारी देना है। स्वतंत्र प्रेस लोकतांत्रिक राष्ट्र की रीढ़ है। प्रेस की स्वतंत्रता के साथ प्रेस का जिम्मेदार होना भी महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति धनखड़ शुक्रवार को भोपाल में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने उपाधि प्राप्तकर्ता समस्त विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्राप्त ज्ञान का उपयोग सभी विद्यार्थी लोक कल्याण के लिए करेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के बिशनखेड़ी स्थित नवीन परिसर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में जनसम्पर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में विश्वविद्यालय के 2018 से 2023 तक के 23 शोधार्थियों को उपराष्ट्रपति द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

अनंतनाग हमला : पाकिस्तान को सता रहा एयरस्ट्राइक का डर

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को आतंकियों से एनकाउंटर में देश ने सेना के तीन अफसर खो दिए हैं। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी सगंठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। तीन जवानों की शहादत के बाद देश में गम और गुस्सा देखा जा रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ जम्मू-कश्मीर से लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पुतले जलाए जा रहे हैं। भारतीय सेना भी आतंकियों को घेरने के लिए फुल प्रूफ प्लान के साथ घाटी में उतरी है। खबर है कि हमले से जुड़े लश्कर के दोनों आतंकियों को घेर लिया गया है। किसी भी वक्त ऑपरेशन खत्म हो सकता है। अनंतनाग एनकाउंटर से पाकिस्तान भी घबरा गया है। पाकिस्तान को एयरस्ट्राइक को खौफ सता रहा है। खुफिया एजेंसियों के हवाले से खबर है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय टेरर कैंपों में से कुछ कैंप को पीछे की तरफ किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इन टेरर कैंपों को एलओसी के नजदीक बने लांच पैड की तरफ शिफ्ट किया गया है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में टेरर कैंपों में आतंकियों की संख्या बड़ी है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, एलओसी के पास पाकिस्तानी सेना के कैंप के नजदीक कुछ टेरर कैम्प को शिफ्ट किए जाने की जानकारी मिली है। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना के आतंकी कैंपों को शिफ्ट किए जाने के पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि उन्हें भारतीय सेना की कार्रवाई से बचाना है। शिफ्ट हुए टेरर कैंप में कुछ शिविर ऐसे हैं, जो एलओसी से महज कुछ किलोमीटर की दूरी पर हैं। जानकारी मिली है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) एक्टिव है और जम्मू-कश्मीर में सक्रिय अपने आतंकियों पर सुरक्षा बलों पर बड़े हमले करने का दवाब बना रही है। आईएसआई ने इन आतंकियों संगठनों को चेताया था कि अगर वो बड़े हमले करने में कामयाब नहीं होते हैं तो उनको पाकिस्तान से मिलने वाली फंडिंग रोक दी जाएगी। जानकार बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से बड़े आतंकी हमले ना हो पाने से आईएसआई परेशान है। वो अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पा रही है। ऐसे में उन्होंने आतंकियों पर दबाव बनाने की रणनीति बनाई और हमले किए जाने के लिए उकसाना शुरू कर दिया है।

दस लक्षण महापर्व का आयोजन 19 से

गुवाहाटी (विभास)। पितामह भीष्म के जीवन का एक ही पाप था कि उन्होंने समय पर क्रोध नहीं किया। और जटायु के जीवन का एक ही पुण्य था कि उसने समय पर क्रोध किया। परिणाम स्वरूप एक को बड़ों की शरण मिली और दूसरे को प्रभु राम की गोद। अत: क्रोध भी तब पुण्य बन जाता है जब वह धर्म और मर्यादा के लिए किया जाए। और सहनशीलता भी जब पाप बन जाती है जब वह धर्म और मर्यादा को बचा नही पाती है। यह उक्त बातें फैंसी बाजार के भगवान महावीर धर्म स्थल में चातुर्मार्सिक प्रवास के दौरान उपस्थित आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने आज शुक्रवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दरिया बनकर कर किसी को डूबने से बेहतर है कि जरिया बनकर किसी को बचाया जाए। श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल)ने बताया कि आचार्य श्री के सान्निध्य में पर्वाधिराज दसलक्षण महापर्व 19 से 28 सितंबर तक धर्मप्रभावना के साथ उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर 17 सितंबर को फैंन्सी बजार स्थित श्री दि.जैन मंदिर एवं भगवान महावीर धर्मस्थल में आयोजित बड़ी प्रक्षाल कार्यक्रम के तहत मंदिर की चारों वेदियों एवं धर्म स्थल में शांतिधारा पश्चात श्रीजी का मार्जिन कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। पंचायत के मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी ने बताया की इस अवसर पर आगामी 19 सितंबर को प्रात: भगवान महावीर धर्मस्थल से आचार्य श्री ससंघ के सन्निधि में एक शोभायात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चा धर्म स्थल में झंडा रोहण के साथ दसलक्षण महापर्व एवं मौन संस्कार साधना शिविर का शुभारंभ होगा। वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया की शिविर में भाग लेने वाले सभी शिविरार्थियों के लिए शुद्ध भोजन एवं फलाहार की व्यवस्था महावीर भवन धर्मस्थल के तीसरे तल्ले बाहुबली प्रांगण में रहेगी।

पृष्ठ एक का शेष

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री...

अच्छे हैं। गठबंधन की बैठक में जो कुछ हुआ, उससे जुड़ी कई बातें मुझे मालूम हैं पर मैं उन्हें साझा नहीं करूंगा। मुझे नहीं लगता कि नीतीश कुमार जी को कभी संयोजक भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि 2024 में हम और ज्यादा सीटें हासिल करेंगे। इस बार हमें 2019 से भी बड़ा जनादेश मिलेगा। मुझे इससे काफी सकारात्मक संकेत भी मिले हैं। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि रोहिंग्या हमारे देश में रोज घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं। हमने असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में इसका असर देखा है। आज के दौर में जनसांख्यिकीय स्थिति (आबादी में इजाफा) भी बदल रही है। हम भी इससे जूझ रहे हैं। इस समस्या पर हमें गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) कुछ हद तक सही है, लेकिन यह देश की सरकार का विचार नहीं है। मेरी पार्टी का विचार नहीं है, यह मेरा व्यक्तिगत विचार है। हम लोग असम में हमेशा डेमोग्राफिक इन्वेंशन का शिकार होते रहे हैं। इसलिए असम का होने कारण मुझे लगता है कि असम, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेशों में एनआरसी लागू किया जाना सही है। इसके साथ ही अवैध घुसपैठ करने वालों की पहचान करना सही है। हालांकि, बाद में आप उनको भारत में ही कैसे रख सकते हैं, ये सोचना अलग बात है। उनको नॉन स्टेट सिटीजनशिप दे सकते हैं या और कुछ कर सकते हैं। उससे मुझे कोई समस्या नहीं है, लेकिन अवैध घुसपैठ करने वालों की पहचान करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो हमारे भारत की डेमोग्राफी पूरी बदल जाएगी। असम के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि देश की सरकर बहुविवाह के बारे में क्या सोच रही है, यह मुझे नहीं पता है। परंतु असम में सरकार इस पर काम कर रही है। दिसंबर तक इस पर विधानसभा में विधेयक लाया जाएगा ताकि बहुविवाह पर रोक लगाई जा सके। इस पर प्रदेश के लोगों से राय भी ली जा चुकी है। हमने कानूनी मसलों पर भी चर्चा कर ली है। उधर मंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन सनातन को कमजोर करने के लिए बना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का जो गठबंधन हुआ है इसका असली मकसद है भारत के हिंदुत्व को कमजोर करना। साथ ही सनातन संस्कृति के खिलाफ जाकर काम करना। विपक्षी गठबंधन का मकसद ही हमारी सभ्यता और संस्कृति को बर्बाद करना है। हिमंत विश्व शर्मा बिहार के नालंदा में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने राजधानी पटना पहुंचे। यहां पत्रकारों ने उनसे सनातन संस्कृति पर दिए जा रहे विवादित बयानों को लेकर सवाल किया। इस पर उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन का मकसद ही सनातन संस्कृति को खत्म करना है। मुम्बई की बैठक में इन्होंने तय किया है कि देश से सनातन संस्कृति को खत्म कर देना है। हिमंत ने कहा कि देश में आगामी लोकसभा चुनाव राष्ट्रीयता की लड़ाई होगी। यह चुनाव सिविलाइजेशन की लड़ाई होगी। इसमें हमारी सभ्यता और संस्कृति की लड़ाई होगी। मुझे विश्वास है कि हमारे भारत के लोग सनातन संस्कृति को सुरक्षित रखेंगे। इस बार उनको यह मालूम चल जाएगा कि सनातन के बारे में बोलना उनके लिए कितना हानिकारक है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विपक्षी दलों के अपने गठबंधन का नाम आईएनडीआईए रखे जाने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने ट्विटर बायो से इंडिया नाम हटाकर भारत कर लिया। इसके बाद उन्होंने ट्वीट किया कि हमारा सभ्यतागत संघर्ष इंडिया और भारत के इर्द-गिर्द केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। हमें खुद को औपनिवेशिक विरासतों से मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। हमारे पूर्वज भारत के लिए लड़े और हम भारत के लिए काम करते रहेंगे। भारत के लिए भाजपा।

जोनमणि मामले में ...

में सहयोग किया। जोनमणि राभा की मौत के करीब चार महीने पूरे होने के बाद यह तीसरी बार है, जब सीबीआई की टीम ने घटनास्थल पर जांच की है। सीबीआई ने 3डी स्कैनर के वीडियो कैमरे के जरिए घटनास्थल को कैमरे में कैद किया। जांच टीम ने दुर्घटनास्थल से 1 किलोमीटर तक वाहनों की आवाजाही रोक दी और जांच की। सीबीआई की टीम ने मीडिया को भी 1 किलोमीटर की दूरी पर रहने का निर्देश दिया। सीबीआई की टीम ने जखलाबंधा अस्पताल चौराहे से हाटबर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर 2 किलोमीटर के क्षेत्र को नो एंट्री जोन घोषित करते हुए करीब चार घंटे तक जांच की। सीबीआई को 3डी स्कैनर वीडियो कैमरे से क्या सुराग मिले हैं, इसका खुलासा नहीं किया गया।

अरुणाचल में जन्मजात...

उन्होंने कहा कि एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट दीवार यानि की सेप्टम एक ऐसा छेद है जो ह्रदय के शीर्ष दो कक्षों को अलग करता है। यह छेद जन्म के समय से ही मौजूद होता है और सेप्टम के बढ़ने के बाद छिद्र सील हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में यह सील नहीं हो पाता है, जिसके कारण फेफड़ों में खून ज्यादा बहता है। मालूम हो कि राज्य में इस दुर्लभ सर्जरी की सफलता के बाद मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज के डॉक्टरों की पूरी टीम और अन्य कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा डॉ. रिनचिन दोरजी मेगेजी, डॉ. टोनी एटे और ट्रिम्स की कार्डियो टीम को लोकल एनेस्थीसिया के माध्यम से 30 वर्षीय महिला की दिल के अंदर के छेद को पहली बार पर्क्यूटेनियस तरीके से बंद करने के लिए बधाई। यह वाकई गर्व का क्षण है आप सभी को शुभकामनाएं।

गांवों में तालाबों...

अग्रिम में शुल्क का भुगतान करना होगा। नदियों और घाटों को चलाने के लिए पंचायतों को शुल्क भी देना होगा। इसके अलावा, गांव के लोगों के घर के पीछे तालाब या मछली पालन के लिए तालाबों के लिए मालिक को पंचायत को अग्रिम भुगतान करना पड़ेगा। हाट, घाट, तालाब के लिए जनता की फीस की राशि के संबंध में पंचायत निर्णय लेगी। इतना ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में निजी बाजारों और दुकानों को भी करों का भुगतान करना होगा। संशोधित अधिनियम की धारा 11 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में निजी बाजारों में हर दुकान के खिलाफ कर का भुगतान करना होगा।

सब्सिडी मामला : विस ...

तत्काल चर्चा की अनुमति नहीं दी, एकमात्र सीपीआई (एम) विधायक और एक स्वतंत्र विधायक के साथ कांग्रेस विधायक ने धरना शुरू कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, सैकिया ने मुख्यमंत्री की पत्नी पर लगे आरोपों की जांच की भी मांग की। सत्ताधारी बीजेपी के विधायक भी आ गए और हंगामा बढ़ गया। चूंकि, दोनों पक्षों ने अपनी जिद्द से हटने से इनकार कर दिया, इसलिए सदन को 5 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। दूसरे स्थगन के बाद जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो, हंगामा जारी रहा और विपक्षी विधायक सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। मोमिन ने कहा कि आपको (मामला उठाने की) इजाजत होगी, लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। जैसे ही बीजेपी विधायक भी धरना स्थल पर पहुंचे और हंगामा जारी रहा तो सदन की कार्यवाही फिर 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इस मुद्दे ने गुरुवार को विधानसभा में भी हंगामा किया, जिसके बाद विपक्ष ने वाकआउट कर दिया था। शुक्रवार को विधानसभा के शरद कालीन सत्र की आखिरी बैठक है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कहा था कि अगर इस बात का कोई सबूत है कि उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा या उनकी कंपनी, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट ने केंद्र से कोई राशि प्राप्त की या दावा किया, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे और किसी भी सजा को स्वीकार करने को तैयार हैं। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने बुधवार को आरोप लगाया कि कंपनी को एक योजना के तहत केंद्र से 10 करोड़ रुपए की क्रेडिट सब्सिडी मिली है।

मोदी ने लोकप्रियता ...

है। रेटिंग के अनुसार, पीएम मोदी की रेटिंग ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सहित अन्य नेताओं से आगे है। सर्वेक्षण में रेटिंग के लिए 22 वैश्विक नेताओं का सर्वेक्षण किया गया। विशेष रूप से, 6-12 सितंबर, 2023 तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, नरेंद्र मोदी की सूची में सबसे कम अस्वीकृति रेटिंग भी केवल 18 फीसदी है। सूची में शीर्ष 10 नेताओं में, कनाडा के जस्टिन ट्रूडो की अस्वीकृति रेटिंग सबसे अधिक 58 फीसदी है। बता दें राजनीतिक खुफिया अनुसंधान फर्म द्वारा एकत्र किया गया डेटा 22 वैश्विक नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है।

कनाडा में पन्नू ने ...

पहुंचा पन्नू खुद तो अपना सिर ढांप रख था लेकिन उसके सुरक्षा गार्ड नंगे सिर अरदास में शामिल हुए। बता दें कि पन्नू 10 सितंबर को सरी के एक गुरुघर में रेफरेंडम करवाने के लिए कनाडा में पहुंचा था जहां उसने भारत के प्रति जमकर जहर उगला। इस दौरान उसने कहा कि दिल्ली को हम खालिस्तान बनाएंगे भारत तेरे टुकड़े होंगे। इतना ही नहीं उसने इस बीच अपने समर्थकों द्वारा खालिस्तान के जमकर नारे लगवाए। गौरतलब है कि 2 जुलाई को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरी स्थित गुरुनानक सिख गुरुद्वारा के पास 2 अज्ञात बंदूकधारियों ने आतंकी हरदीप निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। निज्जर इस गुरुद्वारे का प्रधान भी था। वह गुरुद्वारे से बाहर पार्किंग में अपनी कार में था। इसी दौरान 2 युवक मोटरसाइकिल पर आए और फायरिंग शुरू कर दी और वहीं उसकी मौत हो गई।

पाकिस्तान में जी-20 ...

करते हुए कहा कि भारत ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रमुखों की भी मेजबानी की, एक तरह से हमारी विदेश नीति पर नकारात्मक प्रकाश डालता है। पिछले कुछ समय में हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा की स्थिति काफी खराब है। दुनिया ने हमें किनारे कर दिया है। लाहौर के एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान को नहीं बल्कि बांग्लादेश को आमंत्रित करने पर मेजबान देश भारत से सवाल किया। भारत ने दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की मेजबानी की। वैश्विक आयोजन की सफलता ने भारतीयों को गौरव से भर दिया होगा। हम सभी ने भारत में पीएम मोदी की विश्व के नेताओं के साथ तस्वीरें देखीं। वे वैश्विक दर्शकों के सामने भारत को सकारात्मक रूप में प्रदर्शित करने में सफल रहे। सऊदी अरब के प्रिंस सलमान पाकिस्तान नहीं आए बल्कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत गए। यह विश्व के लिए भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह भी आश्चर्य की बात थी कि बांग्लादेश को आमंत्रित किया गया था लेकिन पाकिस्तान को नहीं।

मैतई समूह की...

बयान में कहा गया है कि उन्होंने रक्षामंत्री के समक्ष नार्को-आतंकवाद, अवैध प्रवासी और उनकी पहचान के साथ-साथ ऑपरेशन समझौते के निलंबन के मुद्दों को भी उठाया। दूसरी ओर, कुकी समूह राज्य पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगा रहे हैं। पिछले महीने राज्य के 10 कुकी विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य से असम राइफल्स को वापस न बुलाने की अपील करते हुए कहा था कि इससे आदिवासियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। मणिपुर में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से अब तक करीब 175 लोग मारे जा चुके हैं और 1,100 लोग घायल हुए हैं। हिंसक झड़पें तब शुरू हुईं थीं जब बहुसंख्यक मैतई समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* का आयोजन किया गया था।

निपाह वायरस : कोझिकोड ...

गई। बैठक में जॉर्ज के अलावा मंत्री पी ए मोहम्मद रियास, अहमद देवरकोविल और ए के ससींद्रन ने शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज ने कहा कि वेंटिलेटर सपोर्ट पर नौ साल के लड़के सहित प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य फिलहाल, स्थिर है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि इस व्यक्ति में संक्रमण एक दूसरे संक्रमित मरीज के संपर्क में आने से हुआ है, जिसकी 30 अगस्त को मृत्यु हो गई थी। जॉर्ज ने मीडिया से कहा कि हमने उन सभी लोगों का परीक्षण करने का निर्णय लिया है, जो उच्च जोखिम वाले संपर्क में हैं, भले ही उनमें कोई लक्षण न हों। हमारे पास कोझिकोड में दो अतिरिक्त सुविधाएं हैं। हमारे पास राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरजीसीबी) एक मोबाइल लैब है। यहां पर रखी दो मशीनें एक साथ एक समय में 96 सैंपल का परीक्षण कर सकती हैं। हालांकि, प्रोटोकॉल के मुताबिक, केवल उन्हीं लोगों के सैंपल की जांच की जा सकती है जिनमें लक्षण देखे गए हों। मंत्री ने कहा कि लेकिन यहां हमने उन सभी लोगों के नमूनों का परीक्षण करने का फैसला किया है, जो उच्च जोखिम वाली श्रेणी के संपर्क में हैं। हमारे पास आरजीसीबी से मोबाइल लैब और कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लैब है। स्थिति का जायजा लेने और निपाह संक्रमण के प्रबंधन में राज्य सरकार की सहायता करने के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आरएमएल अस्पताल और एनआईएमएचएएनएस के विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय केंद्रीय टीम को केरल में तैनात किया गया है। एराला ने घातक निपाह वायरस के प्रकोप को फैलने से रोकने के लिए शुक्रवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा की गई है। राज्य के कोझिकोड जिले में 30 अगस्त से अब तक दो संक्रमित लोगों की मौत हो चुकी है, जहां अधिकारियों ने 9 पंचायतों में कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। कोझिकोड जिले में नए प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जिसमें सभी पूजा स्थलों सहित किसी भी प्रकार की सभाओं या सार्वजनिक कार्यक्रमों के खिलाफ निर्देश जारी किए गए हैं। खबरों के मुताबिक, प्रतिबंधों के मुताबिक, इन क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की बिक्री करने वाली दुकानें और मेडिकल दुकानें सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित हो सकती हैं। इलाकों में सभी पूजा स्थल भी बंद रहेंगे। यह चौथी बार है, जब राज्य में वायरल संक्रमण की पुष्टि हुई है। यह 2018 और 2021 में कोझिकोड में और 2019 में एर्नाकुलम में पाया गया था। जिला प्रशासन ने गुरुवार और शुक्रवार के अलावा शनिवार को भी कोझिकोड में शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईसीएमआर के अध्ययन से पता चला है कि सिर्फ कोझिकोड ही नहीं, बल्कि पूरा राज्य इस तरह के संक्रमण से ग्रस्त है। जिन लोगों का संक्रमित व्यक्तियों से संपर्क हुआ है, उनका भी परीक्षण किया जा रहा है। इस सूची में 950 लोग शामिल हैं, जिनमें से 213 उच्च जोखिम श्रेणी में हैं। संपर्क सूची में कुल 287 स्वास्थ्य कर्मी भी हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में चार लोग एक निजी अस्पताल में हैं और 17 लोग कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में निगरानी में हैं।

एक ही दिन ...

दें कि हबीब की पहले से ही एक सात साल की पत्नी है, जिसका नाम मुसान्युसा है। हबीब ने बताया कि उनकी पत्नियों को कोई एतराज नहीं है। इसी बात को साबित करने के लिए उन्होंने शादी के दूसरे एक पार्टी रखी थी, जिसमें उनकी सभी पत्नियां शामिल हुई थी। सभी पत्नियां लिमो और मोटरसाइकिल पर पार्टी में पहुंची। शादी के बाद हबीब ने कहा में एक बड़ा खुशहाल परिवार बनाना चाहता हूं, और में अभी भी जवान हूं। पार्टी खत्म होने के बाद उनकी पत्नियों को साइकिल चालकों और मोटरबाइकों द्वारा एक जुलूस में ले जाया गया। हबीब का कहना है कि उनका परिवार बहुत छोटा है, उन्होंने ये शादियां करके एक बड़ा खुशहाल परिवार बनाने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा में 100 बच्चें पैदा करके अपना लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि उनकी सभी पत्नियों को एक-दूसरे से कोई एतराज नहीं है। शादी के बाद उन्होंने कहा में अभी भी जवान हूं।

जजों की नियुक्ति ...

कि सीआरपी के जरिये देश के उन 50 सबसे बेहतरीन जजों का डाटा हमारे पास होगा, जिनके नाम पर सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर विचार किया जाएगा। कॉलेजियम इस प्लेटफार्म के जरिये इन जजों के पहले दिये गए फैसले, उनके कामों का मूल्यांकन कर उनकी नियुक्ति के बारे में सही फैसला ले सकेगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमारा मकसद साफ है कि कॉलेजियम के काम में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

दक्षिण-पश्चिम गुवाहाटी जलापूर्ति योजना का 70 फीसदी काम ही पूरा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित दक्षिण पश्चिम गुवाहाटी जल आपूर्ति योजना अभी भी निर्माणाधीन है। इस योजना का काम अब तक 70 फीसदी ही पूरा हो सका है। राज्य के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज विधानसभा में यह जानकारी दी। मंत्री ने आज सदन में गुवाहाटी शहर की पेयजल आपूर्ति योजना पर पश्चिम गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही की। विभागीय मंत्री ने कहा कि पिछले ठेकेदार, मेसर्स गेमन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लगभग 96 प्रतिशत काम पूरा करने का दावा किया था, जबकि नव नियुक्त पीएमसी, मेसर्स एनजेएस इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा योजना की वास्तविक प्रगति की समीक्षा की गई तो पाया गया कि योजना का 70 फीसदी काम ही पूरा हुआ है। इस हिसाब से अभी भी योजना का 30 फीसदी काम पूरा होना बाकी है। यह योजना मार्च 2009 में शुरू की गई थी और कार्य आदेश ठेकेदार मेसर्स गेमन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। जेआईसीए- सहायता प्राप्त योजना वर्तमान में 80 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। यह योजना गुवाहाटी के अमीय नगर, चांदमारी, मिलनपुर, राजगढ़, दक्षिण शरणिया, लाचित नगर, जू रोड, भास्कर नगर, सर्वोदय नगर, अंबिकागिरि नगर, नारिकल बस्ती, तरुण नगर और श्रीनगर इलाकों में भी पानी उपलब्ध कराती है। मंत्री ने यह भी कहा कि वर्तमान में गुवाहाटी नगर निगम के तहत तीन जल आपूर्ति परियोजनाएं हैं। वे हैं, पानबाजार जल आपूर्ति परियोजना, सातपुखुरी जल आपूर्ति परियोजना, कामाख्या जल आपूर्ति परियोजना। इसके अलावा गहरे पाइप कुंओं के माध्यम से शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। गुवाहाटी नगर निगम के अंतर्गत कोई बड़ी नई जल आपूर्ति परियोजनाएं नहीं हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि दक्षिण पश्चिम गुवाहाटी जल आपूर्ति योजना वर्तमान में जेएनएनयूआरएम फंडिंग के साथ निर्माणाधीन है। काम की धीमी गति के कारण गेमन को बर्खास्त किए जाने के बाद, काम को पूरा करने के लिए एलएंडटी लिमिटेड को एक नया टेंडर दिया जा रहा है। संशोधित अनुमान के अनुसार जलापूर्ति योजना के लिए कुल 389.53 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। अब तक कुल 377.98 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं और योजना को पूरा करने के लिए 324.3537 करोड़ रुपए का अतिरिक्त फंड मंजूर किया गया है।

सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत, चार घायल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ में शुक्रवार को डीआई वाहन ने एक टेंपो में टक्कर मार देने से दो महिला की मौत हो गई। इस दुर्घटना में अन्य चार महिलाएं घायल हुई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को एक टेंपो से महिलाएं अमीनगांव की ओर जा रही थीं। तभी हजो दौलासाल सड़क पर मुकालमुआ के बरुआपुटा इलाके में एक डीआई वाहन ने उनके टेंपो में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मलया काकती (40) और रिंकू बर्मन (39) नामक दो महिलाओं की मौके पर मौत हो गई। इस दुर्घटना में टेंपो सवार चार अन्य महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

तेरापंथ युवक परिषद, नगांव ने मनाया अभिनव सामायिक दिवस

नगांव (निसं)। तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद ने वृहस्पतिवार को अभिनव सामायिक कार्यक्रम आयोजित किया। ज्ञात रहे कि इन दिनों जैनो का महापर्व पर्युषण पर्व चल रहा है। पर्युषण पर्व के तीसरे दिन सामायिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में अभिनव सामायिक का कार्यक्रम पूरे भारत वर्ष में एक साथ एक ही दिन व एक ही समय में मनाया गया। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम की शुरुआत ते यु प के कार्यकारिणी सदस्य अमित दुगड़ की सुमधुर गीतिका से हुई। तत्पश्चात् उपासको ने अभिनव सामयिक की महता पर प्रकाश डाला। अंत में तेरापंथ युवक परिषद के सचिव पीयूष पुगलिया ने उपस्थित सभी संघीय संस्थाओं व संपूर्ण समाज का कार्यक्रम में सहभागिता हेतु आभार प्रगट किया। तथा आगामी कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 25 सितंबर से एक अक्तूबर तक नागांव में विभिन्न व्यवसायिक व सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए परिषद के सचिव पीयूष पुगलिया ने बताया कि लगभग 153 सदस्यों ने अभिनव सामयिक का प्रयोग किया।

लायंस क्लब ऑफ सिलचर ने जिला परिषद सभागार में मनाया हिंदी दिवस

सिलचर (विभास)। लाइंस क्लब ऑफ सिलचर वैली द्वारा जिला परिषद सभागार में हिंदी दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार समाजसेवी मदन सुमित्रा सिंघल दंपति को हिंदी सेवा एवं प्रचार प्रसार सम्मान दिया गया। अध्यक्ष संजीव राय सहित अन्य पदाधिकारियों ने उतरीय एवं मोमेंटम देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष ने कहा कि मदन सिंघल सिलचर समाज में साहित्य पत्रकारिता एवं समाज में दिनरात दशकों से सक्रिय हैं जो निस्वार्थ भाव से जनजन में सर्वमान्य है। हम उनके उतम स्वास्थ्य एवं दिर्घायु होने के साथ साथ सक्रिय रूप से हम सबका मार्गदर्शन करते रहने की कामना करते हैं। मदन सिंघल ने लांइस क्लब ऑफ सिलचर का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि मैं 43 साल से राष्ट्र भाषा के लिए काम करता गया लेकिन सच कहा जाए तो हम अवश्य गिलहरी प्रयास करते रहे हिंदी फिल्मों के कारण हिंदी लोकप्रिय बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद हिंदी भारत की ही नहीं बल्कि विश्व की भाषा बनी है। हिंदी एवं बिंदी नामक कविता सुनाई। एक अन्य सांस्कृतिक कार्यकर्ता, संगीतकार और पत्रिका 24 के संपादक संजीव भट्टाचार्य को भी बराक घाटी में हिंदी भाषा की समर्पित सेवा और प्रचार के लिए सम्मानित किया गया। वह बहुत उदासीन थे और उन्होंने कहा कि उनके काम नए जोश के साथ जारी रहेंगे। दोनों हस्तियों को क्लब वैली के अध्यक्ष संजीव रॉय, अरिंदम भट्टाचार्य, कनकेश्वर भट्टाचार्य, आशुतोष चौधरी और अन्य ने एक विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद इटखोला हिंदी पाठशाला के विद्यार्थियों को *ललित जैन सृति पुरस्कार* दिया गया। क्लब वैली द्वारा हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा दो अलग-अलग श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गये। एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कछार जिले के प्रसिद्ध गायकों, नर्तकों, वाचकों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। *अखिल असम भोजपुरी परिषद* हैलाकांदी जिला समिति के सचिव आनंद राय ने 20 बाल कलाकारों को पुरस्कृत किया. इस कार्यक्रम में कछार हिंदी भाषी छात्र परिषद और आरोहण संस्कार संस्थान के कलाकारों ने भी हिस्सा लिया, जिसे जैस बर्मन ने जीता। इस कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्ति, शखी भट्टाचार्य, चंद्रावती रॉय, कंका विश्वास, सुप्ता चौधरी, शुभ्रा भट्टाचार्य, सुमित्रा सिंघल, मालविका भट्टाचार्य, डॉ. उपस्थित थे। मनोज सिंह, रत्ना राय, कवि चंद्र कुमार गोला, मणिभूषण चौधरी, शिल्पी भट्टाचार्य, चंद्र प्रकाश, सुदत्त कानूनगो, नंदा रॉय वंदिता राय त्रिवेदी ने कुशल संचालन किया।

नगांव : दो दिवसीय सती महोत्सव श्रद्धा-भाव से मनाया गया

नगांव (निसं)। श्री रानी सती सत्संग समिति नगांव के तत्वावधान में दो दिवसीय सती महोत्सव शुक्रवार को मंगलपाठ के बाद प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हो गया। दादी जी के भक्तो ने श्रद्धा-भाव से दो दिवसीय महोत्सव मनाया। श्री हनुमान मंदिर भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महिलाए सोलह श्रृंगार की हुए अपने अपने गणावेश में थी वहीं समिति के पुरुष सदस्य भी एक जैसे परिधान में थे। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था जो अगंतुक भक्त का मन मोह रहा था। दादी जी के दरबार की छवि भी निराली दिख रही थी। कोलकाता से आमंत्रित गायिका हर्षिता डिडवानिया ने मनमोहक संगीतमय मंगलपाठ कर कण कण में दादी नाम की छंटा विखेर दी। दादी भक्त झुम झुम कर दादी को मेहंदी, चुनडी और गजरा गीत गया और दादी जी की थोक लगाई। महोत्सव के दोनो दिन ज्योत प्रज्वलित की गई जिसमे आने वाले भक्तो ने आहुति प्रदान कर अपनी हाजरी लगाई। इससे पहले दो दिवसीय दादी महोत्सव का वृहस्पतिवार को श्री रानी सती दादी जी की पूजा अर्चना कर ज्योत प्रज्वलित की गई और बाद में श्री गणेश वंदना से भजनो के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें स्थानीय गायक कलाकारो ने भजन प्रस्तुत किए। रात्रि आठ बजे से हनुमानगढ (राजस्थान) से आमंत्रित गायक कलाकार अमित बंसल ने शानदार भजनो की प्रस्तुति दी और भक्तिमय माहौल में उपस्थित भक्त भावविभोर होकर नाचने लगे। गायक कलाकार अमित बंसल ने दादी जी के, श्री श्याम बाबा के और श्री हनुमान जी के कर्णप्रिय भजनो की प्रस्तुति दी। महोत्सव को सफल बनाने में वंदना केजरीवाल, सरिता झुंझुनवाल, पूनम केजरीवाल, अरुण बंका, यशोदा धूत व संजय केजरीवाल का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जेसीआई, नगांव रॉयल्स का जैथरा सप्ताह संपन्न

समापन पर सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया

नगांव (निसं)। जेसीआई नगांव रॉयल्स के तत्वावधान में चल रहे जैथरा सप्ताह का शुक्रवार को कुशलतापूर्वक हुआ समापन। उल्लेखनीय है की 9 सितंबर से 15 सितंबर तक जेसीआई नगांव रॉयल्स ने जैथरा सप्ताह नामक समाज सेवा के कार्य का शुभारंभ किया था। समापन दिवस पर समाज में उल्लेखनीय योगदान के लिए नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रहलाद राय तोदी, उपाध्यक्ष सांवरमल खेतावत, सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम नाहटा, विनय छावछरिया, सैल्या बरठाकुर व पत्रकार अजित माहेश्वरी को सभी के कार्यालय जा कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जेसीआई नगांव रॉयल्स की अध्यक्ष निशा अग्रवाल, सदस्य रीमा अग्रवाल सहित अन्य सदस्यायें उपस्थित थी। अध्यक्ष निशा अग्रवाल ने बताया कि समाजिक कार्य के साथ साथ हमने जैथरा सप्ताह के अंतर्गत व्यक्तिगत विकास का कार्यक्रम करते हुए बुधवार को अपने स्वंय के जेसी सदस्यों के साथ व्यापार करते हुए ख़रीदारी की और सोशल नेटवर्किंग साइट पर व्यापार प्लानिंग साझा किया। जिससे एक दूसरे के व्यापार को बढ़ावा मिल सके। अन्य कार्यक्रम में उन्होंनें अपने संगठन के साथ दो उद्यमी को जोड़ा तथा उनके व्यापार को भी प्रमोट किया गया।

विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हिंदी दिवस समारोह आयोजित

होजाई (विभास)। हिंदी दिवस के उपलक्ष पर *अपना मंच* ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया। साहित्य, शिक्षण एवं हिंदी पत्रकारिता से जुड़े 13 महानुभावों को किया सम्मानित। कार्यक्रम का आयोजन ऐतिहासिक राष्ट्रभाषा विद्यालय हाईस्कूल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद के होजाई जिला समिति के कार्यकारी अध्यक्ष व अपना मंच के सलाहकार अशोक केजरीवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे होजाई जिला के पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता। वहीं सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे होजाई बालिका महाविद्यालय के बंगला विभाग के सहायक शिक्षक व अपना मंच के सलाहकार डॉ. पीयूष नंदी। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक शिक्षक व अपना मंच के सलाहकार डॉ. मनोज कुमार स्वामी साथही मंच पर आसीन थे विशिष्ट समाजसेवी व अपना मंच के सलाहकार शिवशंकर बोरा। कार्यक्रम का संचालन अपना मंच के संस्थापक निखिल कुमार मुंदड़ा ने हिंदी दिवस के उपलक्ष पर आयोजित कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान राष्ट्रभाषा विद्यालय की शिक्षिकाओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात समाज के विशिष्ट समाज सेवी प्रदीप कुमार सुरेका के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई व एक मिनट का मौन रखा गया। इसके पश्चात समाज के 13 मनोभावों का सम्मान किया गया जिन्होंने हिंदी साहित्य, शिक्षण व पत्रकारिता में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। इसमें सर्वप्रथम हिंदी सेवी एवं साहित्यानुरागी 85 वर्षीय बच्चालाल गुप्ता को सम्मानित किया गया। इसके पश्चात रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार स्वामी, होजाई बालिका महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजेंन सिंह चौहान, नर्सिंगस्थान हाईस्कूल से अवसर प्राप्त शिक्षक शैवजी प्रसाद, अब्दुल हसीब हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक सुरेंद्र गुप्ता, नव कल्प हाईस्कूल के शिक्षक मदन दत्त, डॉन बॉस्को हाईस्कूल के शिक्षक गोपीकंत दास, गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल के शिक्षक दामोदर मिश्रा है। वहीं कवि व पूर्व पत्रकार राजेंद्र गुप्ता को भी सम्मानित किया गया उनका सम्मान उनके छोटे भाई व अब्दुल हसीब हाईस्कूल के शिक्षक दिनेश कुमार गुप्ता ने ससम्मान ग्रहण किया। इसके पश्चात हिंदी पत्रकारिता जगत में अपना बहुमूल्य योगदान देने हेतु निरंजन सरावगी,रमेश मुंदड़ा, राजकुमार चौहान को सम्मानित किया गया साथही निशुल्क शिक्षा व हिंदी पत्रकारिता में योगदान देने हेतु शिवदयाल सिंह का सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होजाई जिले के पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता ने हिंदी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि हिंदी महज एक भाषा नहीं बल्कि हृदय का आवेग है।

मेघालय में 5.30 करोड़ के ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

शिलांग (हिंस)। मेघालय पुलिस और पूर्वी जयंतिया हिल्स पुलिस ने एक सफल संयुक्त अभियान में मादक पदार्थ तस्करों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। अभियान में हेरोइन भरे 48 साबुनदानी जब्त किए गए हैं। जिसका बाजार मूल्य 5.5 करोड़ रुपए बताया गया है। दो वाहन और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज भी अभियान के दौरान जब्त किए गए हैं। इस संबंध में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने मेघालय पुलिस के सफल अभियान की सराहना की है। उन्होंने जयंतिया पुलिस और डीजीपी एलआर बिश्नोई की भी प्रसंशा की। तस्करों ने अपने एमओ को बदलकर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की। लेकिन, सतर्क ईजेएच पुलिस ने युवाओं को बर्बाद करने के उनके नापाक मंसूबे को नाकाम कर दिया और दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री संगमा ने ट्वीट कर कहा कि मैं आप लोगों की सराहना करता हूं। डीजीपी एलआर बिश्नोई और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक अभियान चलाया गया। ड्रग्स के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। जब तक इस खतरे को राज्य से खत्म नहीं किया जाता तब तक यह बेरोकटोक जारी रहेगा।

आयुष्मान आपके द्वार 3.0 के तहत आयुष्मान कार्ड वितरित

तेजपुर। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पहल के तहत देश भर में आयुष्मान भव: नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसके तहत जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयुष्मान भव योजना को तीन भागों में विभाजित किया गया है आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान सभा और आयुष्मान मेला। आयुष्मान भव: वास्तव में जनसाधारण को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने के साथ समृद्ध असम के भविष्य के सपने को साकार करने के लिए यह अभियान खास बन गया है। यह जानकारी सोनितपुर जिले के प्रभारी आयुक्त गया प्रसाद अग्रवाला ने शुक्रवार को जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो एसडीओ, सदर हिमाश्री खंडिकर, जोइइंड डायरेक्टर हेल्थ, डॉ. जियाउद्दीन अहमद, डीपीएम एनएचएम बानी दास, डी एम इस दुर्लभ बर्मन, डीपीसी एन एच एम प्रांगण जीत सैकिया की उपस्थिति में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड घर घर जाकर लोगो को आयुषमा आपके द्वार 3.0 के तहत वितरित करने का अभियान शुरू किया गया है। वही आयुष्मान सभाओं के माध्यम से आभा आईडी, गैर संचारी रोग, क्षय रोग उन्मूलन आदि मुद्दों पर भी जोर दिया गया है। और आयुष्मान मेलो का जिले के हर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित किया जाएगा जहां सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं जनसाधारण के लिए उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया की आयुष्मान अभियान जिले के सभी क्षेत्रों में हर वर्ग के व्यक्ति तक पहुंचाने एवं अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग अन्य विभागों के साथ संयुक्त रूप से कार्य कर यहां है विशेष कर आयुष्मान भव के हिस्से के रूप में व्यक्ति विशेष द्वारा किऐ जाने वाले अंग दान और रक्तदान के मुद्दे को गंभीरता से लिया जाएगा और जनता के बीच प्रसारित किया जाएगा। आयुष्मान भव जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होने के साथ-साथ लंबे समय तक जीने के आदर्श वाक्य के साथ शुरू हुआ, भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य सूचकांक को बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है।

तेजपुर : श्री राणी सती दादी मंदिर में सोल्लास पूजा-अर्चना संपन्न

तेजपुर। भादवी अमावस्या के पावन अवसर पर शहर के गाड़वानी पट्टी स्थित जालान परिवार द्वारा स्थापित श्री राणी सती दादी मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार की सुबह भक्तों ने पूजा-अर्चना कर धोक लगाई एवं दोपहर बाद सामूहिक मंगलपाठ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने दादी का गुणगान किया। वही वृहस्पतिवार की रात दादी के भव्य दरबार में भजन संध्या में शहर के युवा भजन गायक धर्मेन्द्र बोथरा, मनोज बेगवानी, पंकज धारीवाल ने अपनी सुमधुर आवाज में भजनो की प्रस्तुति दी। वही इस पावन अवसर पर जालान परिवार की और से सुसील जालान, सुनिल जालान, दिनेश जालान, संजय, अनुप, राजेश, अनिल, विनीत जालान द्वारा भादी अमावस्या उत्सव पर दादी के दरबार में आए सभी भक्तों का स्वागत किया गया।

17वां वार्षिक भादव महोत्सव पर सामूहिक संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन

डिब्रूगढ़। श्री ढांढन शक्ति सत्संग समिति, श्री ढांढन शक्ति महिला सत्संग समिति द्वारा 17वां वार्षिक भादव महोत्सव पर सामूहिक संगीतमय मंगलपाठ किया गया। धोक पूजन गजरा अर्पण छप्पन भोग अपीण के अलावा महाआरती की गई। श्री अग्रेसन मिलन मंदिर में दादीजी का भव्य दरबार लगा, भव्य श्रृंगार किया गया। बधाई बंटी, अमृत प्रसाद ग्रहण किया। सभी भक्तवृन्द ने सभी कार्यक्रम में भाग लिया व आयोजन को सफल बनाया। समिति ने सभी का आभार भी जताया।

लमडिंग स्टेशन पर ड्रग्स, चोरी के सामानों के साथ 6 गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लमडिंग में रेलवे सुरक्षा बल तथा सीआईबी के संयुक्त अभियान में छह शातिर चोर पक ? गये। जानकारी के अनुसार चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन, पैसे, बैग जैसे कीमती सामान आदि चुराने वाले एक के बाद एक छह चोर रेलवे सुरक्षा बल के जाल में फंस गये। आरपीएफ द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार चोरों के गिरोह के पास से छह मोबाइल फोन, 10 हजार 725 रुपए नकद और लगभग 9 लाख रुपए कीमत की 45.45 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर जब्त की गई। गिरफ्तार किए गए छह लोगों में रफीकउद्दीन, अजीजुल हक, अब्दुल वाहिद, अनवर हुसैन, राजीव हुसैन और नगांव गिरोह के मास्टरमाइंड महिदुल इस्लाम के नाम शामिल हैं।

सिटी सेंटर की आईडेस्टिनी ने की एप्पल आईफोन 15 की प्री बुकिंग शुरू

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी में प्रसिद्ध ऐप्पल प्रीमियम पार्टनर, आईडेस्टिनी ने बहुप्रतीक्षित आईफोन 15 सीरीज के लिए अपने विशेष प्री-बुकिंग ऑफर के साथ गैजेट्स की दुनिया में हलचल मचा दी है। यह शानदार कार्यक्रम जीएस रोड के सिटी सेंटर मॉल में शुक्रवार को आयोजित किया गया, जहां ऐप्पल प्रेमियों ने आईफोन 15 को पहले से सुरक्षित करने के काफी उत्सुक नजर आए। विशेष बात यह रही की आईडेस्टिनी के साथ प्रीबुकिंग करने वाले एक भाग्यशाली ग्राहक के पास आईफोन 15 जीतने का सुनहरा मौका मिलेगा। ग्राहकों की भरी मांग एवं जबरदस्त उत्साह को देखते हुए आए डेस्टिनी की ओर से एप्पल आईफोन 15 की प्री-बुकिंग विंडो आगामी 21 सितंबर तक बढ़ा दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आधिकारिक लॉन्च से पहले हर किसी के पास अपने आइफोन 15 को देखने और प्रीबुकिंग कर सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त समय हो। आइफोन 15 के अलावा, आईडेस्टिनी को एप्पल वॉच सीरीज 9 और एप्पल वॉच अल्ट्रा 2 के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, दोनों प्रीबुकिंग के लिए उपलब्ध हैं और एक ही दिन, आगामी 22 सितंबर को हमारे स्टोर पर लांच के लिए तैयार हैं। आईडेस्टिनी एप्पल प्रीमियम पार्टनर के निदेशक विजय दुग्गड़ ने कहा कि आइडेस्टिनी में हम गुवाहाटी के एकमात्र एप्पल प्रीमियम पार्टनर होने पर बहुत गर्व महसूस करते हैं। सिटी सेंटर मॉल और दिसपुर में आईडेस्टिनी एप्पल के दो एक्सक्लूजिव स्टोर के साथ-साथ सिलपुखुरी में एक एप्पल अधिकृत सेवा केंद्र भी है जो हमारी ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमरे यहां किफायती ईएमआई योजनाओं, विद्यार्थियों के लिए विशेष ऑफर और निर्बाध स्मार्टफोन एक्सचेंज विकल्पों सहित अद्वितीय ऑफर की एक वृहद श्रृंखला उपलब्ध हैं। उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए एक अटूट समर्पण के साथ, हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि आईडेस्टिनी गुवाहाटी के नागरिकों के लिए भरोसे का एक प्रिय गंतव्य बन गया है। आईडेस्टिनी गुवाहाटी का एकमात्र एप्पल प्रीमियम पार्टनर है, जो एप्पल उत्पादों और एक्सेसरीज की व्यापक रेंज पेश करता है। उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, आईडेस्टिनी प्रीमियम सेवा, जेब के अनुकूल मूल्य निर्धारण और एप्पल उपकरणों का एक विस्तृत संग्रह प्रदान करता है। चाहे आप एप्पल के अनुभवी उत्साही हों या एप्पल इकोसिस्टम में अपना पहला कदम रख रहे हों, आईडेस्टिनी एप्पल की सभी चीजों के लिए आपके विश्वसनीय साथी के रूप में कार्य करता है। एप्पल प्रशंसकों के लिए, आईडेस्टिनी सिर्फ एक स्टोर से कहीं अधिक है। हमरे यह ग्राहकों की सभी जरूरतों के लिए एक अभयारण्य है। गैजेट के पूर्ण जानकर और उच्च प्रशिक्षित स्टाफ सदस्य ग्राहकों की सेवा में हैं, जो एक निर्बाध और आनंददायक खरीदारी में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करते हैं। यदि ग्राहक आइफोन 15 में अपग्रेड करने पर विचार कर रहे हैं, तो आईडेस्टिनी सभी एप्पल प्रेमियों के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में खड़ा है। हमें हमारे रणनीतिक स्थानों पर खोजें: सिटी सेंटर मॉल (पहली मंजिल) और मोनाल टॉवर, दिसपुर। हमारा सेवा केंद्र सुविधाजनक रूप से 231, जीएनबी रोड, सिलपुखरी में स्थित है।

रेल, सड़क, हवाई और जल परिवहन को समग्र दृष्टिकोण से निपटाया जाना चाहिए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि देश को कुशल मल्टी-मॉडल परिवहन प्रणाली की आवश्यकता है। इसके लिए रेल, सड़क, वायु और जल परिवहन को समग्र दृष्टिकोण से निपटाया जाना चाहिए। भारतीय रेलवे (2019, 2020 और 2021 बैच) के 213 प्रोबेशनर्स के एक समूह ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी वाणिज्यिक संगठन के विपरीत भारतीय रेलवे देश की सामाजिक जीवन रेखा है। यह आम लोगों के सपनों को साकार करता है। साथ ही इसकी राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी देश की विविधता को प्रदर्शित करती है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय रेलवे लोगों को यादगार अनुभव प्रदान करने और भारतीयों और विदेशी आगंतुकों को विविध भारतीय संस्कृति की झलक प्रदान करने के लिए अपनी सेवाओं को उन्नत कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि रेलवे बुनियादी ढांचे का विकास देश की सामाजिक-आर्थिक वृद्धि और विकास को बड़ा बढ़ावा देता है। हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग

करके और विश्व स्तरीय सुविधाओं को जोड़कर "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास एक महान जन-केंद्रित पहल है, जो पर्यटन गतिविधियों और आर्थिक प्रगति को मजबूत बढ़ावा प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अधिकारी आधुनिक हरित भारतीय रेलवे के निर्माण और एक विकसित राष्ट्र के निर्माण में उपयोगी भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को समग्र रूप से परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र में आवश्यक कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता हासिल करने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उन्हें देश के भीतर और अन्य देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करना चाहिए और उन्हें अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को कुशल मल्टी-मॉडल परिवहन प्रणाली की आवश्यकता है, जिसके लिए रेल, सड़क, वायु और जल परिवहन को समग्र दृष्टिकोण से निपटाया जाना चाहिए, न कि अलग-थलग। उन्होंने भारतीय रेलवे के अधिकारियों से आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय में काम करने का आग्रह किया।

देश के विकास को राजनीति के चश्मे से नहीं देखना चाहिए : उपराष्ट्रपति

– एमसीयू के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए उप राष्ट्रपति, 450 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि

भोपाल, (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश के विकास को राजनीति के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। विकास की चर्चा का मतलब किसी राजनीतिक दल की तारीफ करना नहीं है। विकास देश का हो रहा है, उसका लाभ सभी को मिलता है। पत्रकारों को यह देखने जाना चाहिए। पत्रकार का काम किसी राजनीतिक दल का हितकारी होना नहीं होता। उसका काम कोई एजेंडा सेट करना नहीं होता। प्रेस की स्वतंत्रता तभी हो सकती है, जब वह सकारात्मक हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ शुक्रवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास के दौरान भोपाल में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां विद्यार्थियों के पारंपरिक विधान अंगवस्त्र देख मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे चारों दिशाओं की झलक यहां दिख रही है। इसकी झलक जी-20 सम्मेलन में देखने मिली है। आपके इस ड्रेस कोड को सदा याद रखूंगा। राजधानी में बिशनखेड़ी स्थित एमसीयू के नए परिसर में पहली बार आयोजित दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रदेश के जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव, सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और संस्थान के कुलपति केजी सुरेश भी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संस्थान के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की।

जून 2018 से दिसंबर 2022 के उत्तीर्ण 450 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में विद्याथियों समेत सभी लोग पारंपरिक भारतीय परिधान में पहुंचे। पुरुष विद्यार्थी जहां कुर्ता-पायजामा और सिर पर साफा पहने थे, जबकि महिला विद्यार्थी साड़ी और साफे में नजर आईं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दीक्षा दी गई। इसमें विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि आपको गौरव मिले, जिनसे आपकी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़े और समस्त मानवता का कल्याण हो। देश के प्रति आपका नैतिक दायित्व है। राष्ट्र के सुख दुख को अपना सुख-दुख समझें अपने चरित्र और बुद्धि के विकास से राष्ट्र को समृद्ध और सुखी बनाएं कि आपकी शिक्षा आपको तेज प्रदान करे और जीवन के विकट संघर्षों में भी आपकी मानवता और विश्वास अटल रहे। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पीएचडी स्कॉलर आलोक कुमार पांडे, दिनेश कुमार राय, निधि जैन, स्निग्धा वर्धन आदि उपाधि प्रदान की गई। छात्रा बागेश्वरी नंदिनी को स्वर्गीय डाक्टर अनिल चौबे स्मृति मेडल से सम्मानित किया गया। अंजली कुमारी को रामेश्वर तिवारी मेडल से सम्मानित किया गया। उपराष्ट्रपति द्वारा 18 पीएचडी स्कॉलर समेत कुल 21 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। तीन विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जबकि समारोह के दौरान स्नातकोत्तर व पीएचडी के कुल 443 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

आईएनडीआईए का कुछ पत्रकारों के बहिष्कार का फैसला इंदिरा के आपातकाल जैसा : अनुराग ठाकुर

उदयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए द्वारा कुछ पत्रकारों के बहिष्कार के निर्णय की तुलना तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपातकाल से की है। संक्षिप्त यात्रा पर शुक्रवार को उदयपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि जिस तरह इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश की थी, उसी प्रकार आईएनडीआईए ने कुछ पत्रकारों के बहिष्कार का निर्णय किया है। यह लोकतंत्र की आवाज को दबाने की ही कोशिश है। उन्होंने राजस्थान की कानून-व्यवस्था पर

सवाल उठाते हुए कहा कि यहां महिला अत्याचार चरम पर है और कांग्रेस के नेता इस पर चुप हैं। मणिपुर हिंसा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सवाल उठाने वालों को राजस्थान में हुए कन्हैया हत्याकांड पर भी देखना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री की कानून-व्यवस्था पर कोई पकड़ नहीं है। यही कारण है कि कन्हैया हत्याकांड के दो आरोपितों की जमानत हो गई है। ठाकुर ने पेट्रोल पंपों की हड़ताल पर कहा कि राजस्थान में महंगाई चरम पर है, पेट्रोल-डीजल के भाव आसमान को छू रहे हैं। राजस्थान सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर वैट अब तक नहीं घटाया।

आदित्य एल-1 पृथ्वी की चौथी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित

नई दिल्ली, (हि.स.)। सौर वायुमंडल का अध्ययन करने निकला आदित्य एल-1 पृथ्वी के चौथी कक्षा में पहुंच गया है। अब अगला पड़ाव पृथ्वी की कक्षा को छोड़ सूर्य की कक्षा की अग्रसर होने का है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) ने एक्स पर यह जानकारी दी। इसरो ने कहा है कि 15 सितंबर को आदित्य एल 1 की कक्षा को बदला गया है। इस ऑपरेशन के दौरान मॉरीशस, बंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर स्थित इसरो के ग्राउंड स्टेशनों से मिशन की प्रक्रिया को ट्रैक किया गया। अब 19 सितंबर को रात दो बजे इसे लैग्रेंज पॉइंट एल 1 की कक्षा में स्थापित करने के लिए ऑर्बिट बढ़ाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि दो

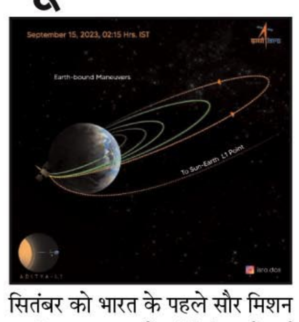

सितंबर को भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 की लॉन्चिंग की गई थी। इसरो ने पीएसएलवी सी 57 लॉन्च व्हीकल से आदित्य एल 1 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। यह 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय करके एल वन प्वाइंट पर स्थापित होगा।

दिल्ली आबकारी घोटालाः सुप्रीम कोर्ट से बीआरएस नेता कविता को राहत, 26 सितंबर तक कार्रवाई पर रोक

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित बीआरएस नेता के. कविता को राहत दी है। कोर्ट ने के कविता के खिलाफ किसी भी निरोधात्मक कार्रवाई करने पर 26 सितंबर तक रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। ईडी ने के. कविता को आज यानी 15 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था। आज सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट से कहा कि वो के. कविता को 26 सितंबर तक कोई समन जारी नहीं करेंगे। के. कविता से ईडी ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में 11 मार्च को पूछताछ की थी। कविता ने अपनी याचिका में कहा है कि नियमों के मुताबिक एक महिला को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जा सकता है। उससे

पूछताछ उनके आवास पर होनी चाहिए। जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली बेंच ने 27 मार्च को कविता की याचिका को पहले से लंबित नलिनी चिदंबरम की याचिका के साथ जोड़ने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कविता को ईडी की ओर से समन जारी करने और किसी अन्य कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस मामले में सीबीआई ने कविता के सीए बुची बाबू को 8 फरवरी को गिरफ्तार किया था। बुची बाबू पर शराब नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भूमिका निभाने और हैदराबाद स्थित थोक व खुदरा लाइसेंस धारियों और उनके लाभार्थी मालिकों को गलत लाभ पहुंचाने का आरोप है।

मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर 4 अक्टूबर को सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के आरोपित दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 4 अक्टूबर को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान मनीष सिसोदिया की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नियमित जमानत याचिका पर दलीलें रखने के लिए उन्हें तीन-चार घंटे चाहिए। सिंघवी ने कहा कि मीडिया में सिसोदिया के खिलाफ खबरें चल रही हैं। एक तरफ मीडिया को रेगुलेट करने की बात हो रही है वहीं दूसरी तरफ मीडिया में खबरें चल रही हैं। तब कोर्ट ने कहा कि हम खबरों से प्रभावित नहीं होते हैं। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया है। सीबीआई ने सुप्रीम में दाखिल जवाबी हलफनामे में सिसोदिया की जमानत का विरोध

करते हुए कहा है कि सिसोदिया के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। सीबीआई ने कहा है कि सिसोदिया ऐसे मामलों में जमानत के लिए निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को भी पूरा नहीं करते है।

सीबीआई ने सिसोदिया को जमानत नहीं देने का अनुरोध करते हुए कहा है कि पहले ही वह सबूत नष्ट कर चुके हैं और पूछताछ के दौरान भी सहयोग नहीं रहा। वह राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति हैं। ऐसे में सिसोदिया को जमानत नहीं दी जा सकती है। सीबीआई ने अपने हलफनामे में मनीष सिसोदिया की बीमारी का जिक्र करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी की बीमारी कोई नई बात नहीं है। उनकी बीमारी का इलाज पिछले 23 साल से चल रहा है। ऐसे में यह भी उनकी जमानत का आधार नहीं हो सकता। 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिंघवी ने दलील दी थी कि सिसोदिया की पत्नी की वाकई हालात खराब है। उनका 50 फीसदी शरीर विकलांग हो चुका है। सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया था। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। तीन जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 28 अप्रैल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ईडी ने इस मामले में सिसोदिया को 9 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

अनंतनाग मुठभेड़ में घायल एक और जवान का इलाज के दौरान सर्वोच्च बलिदान

अनंतनाग, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुई मुठभेड़ में घायल एक और जवान का गुरुवार को अस्पताल में उपचार के दौरान सर्वोच्च बलिदान हो गया है। इसके साथ ही इस मुठभेड़ में बलिदान होने वाले जवानों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। इनमें दो सेना के अधिकारी, एक पुलिस अधिकारी और एक जवान शामिल हैं। इस बीच अनंतनाग जिले के कोकरनाग और आसपास के इलाकों में छुपे आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों का अभियान चल रहा है। यह दुर्गम और पहाड़ी इलाका है। चारों ओर घना जंगल है। यह सीधी चढ़ाई वाली खड़ी पहाड़ी है। पहाड़ी की ढ़लान पर घने जंगलों को आतंकियों ने छुपने का ठिकाना बना रखा है। बताया जा रहा है कि सेना के एक कमांडो दस्ते को लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर पहाड़ी के ऊपरी छोर पर उतारा गया है। सेना का एक दस्ता यहां से आतंकियों की घेराबंदी के लिए आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को अनंतनाग जिले के कोकरनाग के एक वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना के दो अधिकारी और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक अधिकारी बलिदान हो गए थे।

क्रिप्टो निवेश के नाम पर एक हजार करोड़ के घोटाले में नाम आने के बाद गोविंदा ने दी सफाई

मुंबई, (हि.स.)। ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक हजार करोड़ रुपये के घोटाला में अपना नाम आने के बाद फिल्म अभिनेता गोविंदा ने सफाई दी है। गोविंदा के मैनेजर ने इस खबर को भ्रामक बताया है। इस मामले में ओडिशा आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों के अनुसार गोविंदा से पूछताछ की जाएगी। दरअसल, सोलर टेक्नो अलायंस ने क्रिप्टो निवेश के नाम पर अवैध रूप से एक ऑनलाइन पोंजी घोटाला चलाया था। अधिकारियों के अनुसार इसमें कथित तौर पर गोविंदा के प्रचारित और समर्थित करने की बात सामने आई है। इस मामले में गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने मीडिया से कहा कि रिपोर्ट्स पूरी तरह सच नहीं हैं और गोविंदा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह खबर पूरी तरह से भ्रामक है। सिन्हा ने कहा कि गोविंदा एक एजेंसी के जरिए एक इवेंट में गए थे। उनका उस व्यवसाय या ब्रांडिंग से कोई लेना-देना नहीं है।

ईओडब्ल्यू के महानिरीक्षक जेएन पंकज ने इस घोटाले की जानकारी देते हुए कहा कि गोविंदा इस मामले में संदिग्ध या आरोपित नहीं हैं। जांच के बाद ही उनकी सही भूमिका स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने कहा कि अगर हमें जांच में उनकी भूमिका वाणिज्यिक अनुबंध के अनुसार उत्पाद को बढ़ावा देने में थी, तो हम उन्हें अपने मामले में गवाह बनाएंगे।

चीन को लेकर पीएम मोदी ने बोल झूठ, मेरा दिल टूट गया : राहुल गांधी

अपनी मोटरसाइकिल डायरीज के माध्यम से अनुभव साझा किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी हालिया लद्दाख यात्रा को अपनी मोटरसाइकिल डायरीज के माध्यम से अनुभव को साझा कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चीन के बारे में झूठ बोलने पर कि लद्दाख में देश की जमीन पर कोई कब्जा नहीं हुआ, देश के साथ विश्वासघात की भावना देखकर उनका दिल टूट गया। राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख भारत के मुकुट रत्नों में से एक है और दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान है। उन्होंने कहा कि वह लद्दाख की लोकतांत्रिक आवाज को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करुंगा। अपनी यात्रा का वीडियो साझा करते हुए कहा, मेरे पिता ने एक बार मुझसे कहा था कि पैंगोंग त्सो झील पृथ्वी पर सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। मैं हमेशा वहां जाने के लिए उत्सुक रहा हूं। लद्दाख में प्राकृतिक दृश्यों को देखने के लिए, लोगों की बात सुनने के लिए, उनकी समस्याओं को समझने के लिए और उनकी खुशियां साझा करने के लिए वहां गया। कांग्रेस नेता ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा जारी रखी, मैंने मन में सोचा कि मोटरसाइकिल से लद्दाख जाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है! और इस तरह यह रोमांचक यात्रा शुरू हुई। अपने साथी बाइक सवारों के साथ अपनी केटीएम 390 पर अपने जीवन की सबसे रोमांचक यात्रा में से एक का अनुभव किया मैंने इन युवाओं में लीक से हटकर सोचने की काफी संभावनाएं देखीं। राहुल ने अपनी लद्दाख यात्रा के अनुभव को याद करते हुए कहा, लेह से लेकर कारगिल तक हम जिस भी गांव और कस्बे से गुजरे, अविश्वसनीय लद्दाखी लोगों ने हमें गले लगाया। वे विनम्र, सहानुभतिपूर्ण और लचीले हैं। लद्दाख के बारे में उनका ज्ञान बेजोड़ है, और क्षेत्र के भविष्य के विकास की कोई भी योजना उनके इनपुट पर आधारित होनी चाहिए। बिना किसी हिचकिचाहट के मैं कह सकता हूं, लद्दाख के बारे में सबसे खूबसूरत हिस्सा इसके लोग हैं। उन्होंने लोगों के साथ अपनी मुलाकात को भी याद कर कहा कि हमारे पूर्व सैनिकों, ऑन-ड्यूटी सेना और पुलिस कर्मियों, बीआरओ अधिकारियों और श्रमिकों के साथ देशभक्ति की भावना का आनंद लेना प्रेरणादायक था, जिनसे मैं इस यात्रा के दौरान मिला था। वे हैं हमारी भारत माता के वीर सपूत। राहुल गांधी ने कहा जब प्रधानमंत्री ने चीन के बारे में झूठ बोला तब उन्हें लगा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें धोखा दिया है, लद्दाख के लोगों की आंखों में विश्वासघात की भावना देखकर मेरा दिल टूट गया।

आधुनिक होते सशक्त अर्धसैनिक बल, अमृतकाल के जन व अमृत-रक्षक बन रहे युवा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत की बढ़ती सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने सशस्त्र बलों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में सतत कदम उठाए हैं। रिक्त पदों को तेजी से भरने पर बल दिया है। इसी कड़ी में 28 अगस्त को रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों में नियुक्ति पत्र दिए। यह युवा अमृतकाल के भारत की मजबूत और तकनीक कुशल सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देंगे। अपनी ऊर्जा, उत्साह, सेवा और समर्पण से राष्ट्र निर्माण के संकल्पों को सिद्ध करेंगे। भारत की युवा शक्ति के सपनों को पंख देने के लिए पिछले 9 वर्ष से लगातार कार्य हो रहे हैं। इनका लाभ भी करोड़ों युवाओं को मिला है। युवा शक्ति के सामर्थ्य से राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को जोड़ने के प्रयासों की श्रृंखला में रोजगार मेले एक अहम कड़ी बनकर उभरे हैं। सरकार रोजगार मेले के तहत सहज, सरल, समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से केंद्र सरकार 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का प्रयास कर रही है। रोजगार मेले के आठवें चरण में प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार से अधिक नवनियुक्त केंद्रीय कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों को अमृत रक्षक बनने पर

बधाई देते हुए कहा कि मैंने आपको अमृत रक्षक इसलिए कहा, क्योंकि आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वो देश की सेवा, रक्षा के साथ-साथ नागरिकों की भी रक्षा करेंगे। इसलिए एक तरह से आप इस अमृतकाल के जन और अमृत-रक्षक भी हैं। सरकार के मुताबिक, अब तक करीब 5.50 लाख से अधिक युवा कर्मयोगी रोजगार मेले के तहत सरकारी नौकरी पाकर भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प को मजबूती दे रहे हैं। सुरक्षा राष्ट्र निर्माण का अहम हिस्सा है। आज भारत की सोच सकारात्मक है और विकास के लिए अभूतपूर्व उत्साह है। साथ ही भारत की युवा प्रतिभा पर पूरी दुनिया की नजर है, ऐसे में रोजगार मेले जैसे कदम युवा सपनों को सच करने और उन्हें नेशन फर्स्ट के विजन से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बने हैं। देशभर में 45 स्थानों पर 28 अगस्त को कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सीएपीएफ के साथ-साथ दिल्ली पुलिस को मजबूत करने से इन बलों को आंतरिक सुरक्षा में सहायता करने, आतंकवाद का मुकाबला करने, उग्रवाद से निपटने, वामपंथी उग्रवाद विरोधी कार्रवाई और देश की सीमाओं की रक्षा करने में मदद मिलेगी।

भर्ती प्रक्रिया में कई बड़े बदलाव – बीते कुछ वर्षों में अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। अर्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा अब 13 स्थानीय भाषाओं में भी कराई जा रही है। पहले ऐसी परीक्षा में सिर्फ हिंदी या अंग्रेजी भाषा चुनने का ही विकल्प होता था। इस बदलाव से लाखों युवाओं के लिए रोजगार पाने के रास्ते खुल गए हैं। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में सैकड़ों आदिवासी युवकों की नियुक्ति की गई थी। इन्हें नियमों में छूट देकर सुरक्षाबल में भर्ती होने का अवसर दिया गया, ताकि विकास की मुख्यधारा से जुड़े रहें। इसी तरह बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट और उग्रवाद प्रभावित जिलों के युवाओं के लिए कांस्टेबल भती परीक्षा में कोटा बढ़ाया गया है। सरकार के प्रयासों से अर्धसैनिक बल लगातार आधुनिक और मजबूत हो रहे हैं।

सीएपीएफ में खुल रहे सेवा के द्वार – सरकार के मुताबिक, रोजगार मेला हमारे युवाओं के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में सेवा के द्वार खोल रहा है।

दूरदर्शन के 64 साल पूरे, 'बाकियों के शोर-शराबे के बीच वही शालीनता बरकरार'

नई दिल्ली, (हि.स.)। दूरदर्शन के लोगो के साथ प्रसारण की शुरूआत में धुन बजते ही लोगों के चेहरे खिल उठते थे। तब टीवी का मतलब ही दूरदर्शन होता था। सत्तर और अस्सी के दशक में दूरदर्शन के साथ ही देश के लोग पले, बढ़े, हंसे-रोये, और हिन्दी-अंग्रेजी के साथ प्रादेशिक भाषाओं के उच्चारण को दुरुस्त करते रहे। दूरदर्शन के प्रसारण के खुलने का इंतजार सभी को बेसब्री से हुआ करता था। फिर चाहे समाचार हो, रामायण- महाभारत हो, या फिर हर शुक्रवार को प्रसारित होने वाले नए गानों का कार्यक्रम चित्रहार हो। सभी का वक्त तय था। लोग उसी के मुताबिक अपना काम खत्म कर शटर वाले टीवी के सामने बैठ जाया करते थे। दूरदर्शन के सफर को लेकर ज्यादातर अस्सी-नब्बे के दशक के लोगों की कुछ ऐसी ही खट्टी मीठी यादें होंगी। पांच मिनट के समाचार के कार्यक्रम से शुरू हुआ यह सफर आज रोजाना 24 घंटे के सफर में बदल गया है। शुक्रवार दूरदर्शन अपने सफर के 64 साल पूरे कर 65वें साल में प्रवेश कर रहा है। इस दौरान दूरदर्शन कई पड़ाव से गुजरा और आज निजी टीवी चैनलों के बीच भी अपना वो ही मुकाम बनाए हुए अपनी रफ्तार से लोगों के साथ सूचना साझा कर रहा है। इस मौके पर दूरदर्शन के वरिष्ठ समाचार वाचकों ने दूरदर्शन को बधाई दी और अपने खट्टे-मीठे अनुभवों और यादों को 'हिन्दुस्थान समाचार' के साथ साझा किया। सत्तर के दशक से लेकर कई सालों तक दूरदर्शन के जाने-माने चेहरा रहे शम्मी नारंग बताते हैं कि दूरदर्शन के साथ उनका सफर बेहद शानदार और यादगार रहा है। आवाज के जादूगर और दूरदर्शन के सुनहरे काल को जीने वाले शम्मी बताते हैं कि लोग अब उसी दौर में लौटना चाहते हैं जहां वे सुकून से देश-समाज से जुड़ी विश्वसनीय खबरें देख सकें। शम्मी नारंग बताते हैं कि दूरदर्शन लोगों को भरोसा इतना था कि वह हिंदी का सशक्त उच्चारण और आवाज मॉड्यूलेशन को यहीं से सीखते थे। यह गौरव की बात हुआ करती थी कि लोग आप को रोल मॉडल समझा करते थे। उन्होंने बताया

कि अस्सी के दशक में दूरदर्शन के कदम तेजी से बढ़े। धीरे-धीरे बच्चा जवान हो रहा था। दूरदर्शन की अपनी पहचान बन रही थी। दो चीजों में तब्दीली आई। इसका प्रसारण राष्ट्रीय हुआ। यह ब्लैक ऐंड व्हाइट से कलर हुआ। समाचार पढ़ने के अंदाज बदले। दूरदर्शन केवल दो-तीन लोगों पर निर्भर नहीं था। लोगों को अंग्रेजी और हिंदी में बेहतरीन तरीके से सामग्री परोसी गई। और फिर प्रांतीय भाषा के चैनल शुरू हुए। कहीं न कहीं बहुत खूबसूरती से प्रसारण का ताना-बाना अलग-अलग रंगों से बुना गया। अस्सी का यह दशक सबसे सुनहरा रहा। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले सालों में भी दूरदर्शन निजी चैनलों के बीच अपना दबदबा बरकरार रखेगा। वहीं, 1973 से 1997 तक दूरदर्शन में समाचार वाचक रहे जसवीन जस्सी बताते हैं कि आज भी निजी चैनलों की दुनिया में दूरदर्शन अलग पहचान बनाए हुए हैं। आज तकनीकी बदलाव के चलते टीवी की दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है लेकिन शुरूआती सफर में जो दूरदर्शन की खूबसूरती रही उसे आज भी लोग याद करते हैं। अपने ऑडिशन के दिनों को याद करते हुए जस्सी बताते हैं कि अच्छा दिखने के बाद भी उन्हें समाचार वाचक के तौर पर रिजेक्ट कर दिया गया था। फिर उन्होंने चश्मा लगा कर ऑडिशन दिया तब जा कर उनका चयन हुआ। चेहरे की गंभीरता और भरोसा जताने वाले एक्सप्रेशन को लेकर दूरदर्शन बेहद सजग और गंभीर था। ऑल इंडिया रेडियो के बाद कृषि समाचार फिर समाचार पढ़ने का सफर उन दिनों अपने आप में रोचक हुआ करता था। कागज के पन्नों पर लिखे समाचार को पढ़ने के साथ सामने देखने की चुनौती भी बड़ी हुआ करती थी। सीखने-सिखाने के साथ कई सालों तक दूरदर्शन को बदलते देखा। वे कहते हैं कि 1990 के बाद निजी टीवी के आने के साथ दूरदर्शन में काफी बदलाव हुए लेकिन आज भी शालीनता उसी तरह बरकरार है । भीड़ में भी अपने अस्तित्व को गौरवपूर्ण तरीके से वैसे ही बरकरार रखा दूरदर्शन ने। उल्लेखनीय है कि दूरदर्शन की शुरूआत 15 सितम्बर, 1959 को इंडिया टेलीविजन के नाम से की गई थी, जिसे बाद में दूरदर्शन नाम दिया गया। नियमित दैनिक प्रसारण की शुरूआत 1965 में ऑल इंडिया रेडियो के एक अंग के रूप में हुई थी। 1972 में सेवा मुम्बई (तत्कालीन बंबई) व अमृतसर तक विस्तारित की गई। 1975 तक यह सुविधा सात शहरों में शुरू हो गई थी। राष्ट्रीय प्रसारण 1982 में शुरू हुआ। इस वर्ष रंगीन दूरदर्शन का जन-जन से परिचय हुआ । मौजूदा समय में दूरदर्शन का परिवार बहुत विशाल हो गया है। आज दूरदर्शन के पास लगभग दो दर्जन चैनल हैं। यह देश का सबसे बड़ा प्रसारण प्लेटफॉर्म है।

मंत्री जितिन प्रसाद ने विश्वेश्वरैया की मूर्ति का किया अनावरण

लखनऊ, (हि.स.)। लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद ने भारत रत्न इंजीनियर मोक्षगुण्ड्म विश्वेश्वरैया की मूर्ति का अनावरण किया। जितिन प्रसाद ने मूर्ति पर माला पहना कर नमन भी किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री बृजेश सिंह भी मौजूद रहे। विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय अभियन्ता दिवस पर प्रदेशवासियों, देशवासियों और अभियंता साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं हैं। आधुनिक भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले महान अभियंता भारत रत्न सर एम.विश्वेश्वरैया की आज पूरा देश जयंती मना रहा है। उनकी जयंती पर मूर्ति का अनावरण करते हुए मुझे बेहद खुशी है। भारत रत्न विश्वेश्वरैया को बार बार नमन करता हूं। इससे पहले लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मांग पर बने मल्टीलेवल पार्किंग का जितिन प्रसाद ने उद्घाटन किया। मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन करते हुए उन्होंने खुशी जाहिर की कि आगे से लोक निर्माण विभाग के मुख्य द्वार पर खड़े दिखने वाले वाहन अब पार्किंग में दिखायी देंगे। जिससे विभागीय मुख्यालय की सुंदरता में कोई कमी नहीं आयेगी।

भाजपा ने बैठक कर शक्ति केन्द्रों को मजबूत करने की बनाई रणनीति

बिजनौर, (हि.सं.)। बिजनौर विधानसभा के आदमपुर मंडल के मंगोलपुरा शक्ति केंद्र की बैठक औरंगपुर तारा झलरी में शक्ति केंद्र संयोजक सुभाष प्रधान के आवास पर हुई। बैठक में मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल रहे। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री आशीष शर्मा ने किया। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ले शक्ति केंद्र के उपस्थित बूथ अध्यक्षों को कार्य करने, शक्ति केंद्र को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी अरुण वशिष्ठ, लोकसभा संयोजक सुमन त्यागी, जिला अध्यक्ष सुभाष बाल्मीकि, विधानसभा प्रभारी मोहन तायल, विधानसभा संयोजक धीर सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। गांव भागैन में मंडल अध्यक्ष आदमपुर देवेन्द्र मलिक के साथ मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत घरों में जाकर मिट्टी व अक्षत एकत्रित किए। इससे पहले प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने भाजपा कार्यालय पर बिजनौर विधानसभा के 06 मोर्चों की एक संयुक्त बैठक ली। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष ने मोर्चा के महत्व को बताते हुए कहा कि भाजपा में मोर्चे रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करते हैं। सभी मोर्चों के मंडल अध्यक्षों को संगठन द्वारा समय-समय पर जो कार्यक्रम आते हैं, उन्हें लगन से करने की अपील की। 2024 में नरेंद्र मोदी को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमर कसने को कहा। इस मौके पर पार्टी के मंडल महामंत्री आशीष शर्मा, कुलदीप कुमार शक्ति केंद्र संयोजक सुभाष प्रधान सभी बूथ के अध्यक्ष समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

एनआईए कोर्ट ने आतंकी मुजफ्फर, फैसल को सुनाई फांसी की सजा

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी एटीएस की स्पेशल कोर्ट ने ठाकुरगंज में एट-ीएस में मारे गए आतंकी सैफुल्लाह के साथी आतंकी मुजफ्फर, फैसल को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषियों को सजा सुनाते हुए कहा की उनको हाई कोर्ट से पुष्टि हो जाने के बाद फांसी दी जाएगी। कोर्ट ने दोषियों पर 11.70 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है और जुमार्ने की सारी रकम मृतक रमेश बाबू के आश्रितों को देने का आदेश दिया है। जिला मजिस्ट्रेट लखनऊ को आदेश दिया कि वह रमेश बाबू शुक्ला के परिजनों की पहचान सुनिश्चित करे जिससे उन्हें क्षतिपूर्ति की धनराशि दी जा सके। उल्लेखनीय है कि कोर्ट में एनआईए के विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह, केके शर्मा और बृजेश कुमार यादव ने बताया की इस मामले कि रिपोर्ट वादी अक्षय शुक्ला ने कानपुर के चकेरी थाने में 24 अक्टूबर 2016 को दर्ज कराई थी। सैफुल्लाह, आतिफ और फैसल ने कानपुर के चकेरी में अकारण ही सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश बाबू शुक्ला के हाथ में कलावा देखकर रमेश बाबू की हिंदू पहचान सुनिश्चित हो जाने पर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। एनआईए के विशेष न्यायाधीश ने आ-रोपित आतिफ मुजफ्फर और मोहम्मद फैसल पर 10 सितम्बर 2018 को आरोप तय किया थे। बताते चले दोनों आरोपितों को गत 28 फरवरी को एनआईए कोर्ट अन्य मामले में फांसी की सजा से दंडित भी कर चुकी है। वहीं दोनों दोषी भोपाल उज्जैन पैसेंजर ट्रेन बम ब्लास्ट मामले के भी आरोपित हैं और यह मामला भोपाल की कोर्ट में चल रहा है।

खूंटी की महिला उद्यमी रोहिणी ने कम समय में बनाई अलग पहचान

खूंटी, (हि.स.)। जिले के मुरहू प्रखंड की बिचना पंचायत के अत्यंत पिछड़े गांव पेलोल की रहने वाली एक साधारण महिला रोहिणी तिडू ने कम समय में ही क्षेत्र में एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचान बना ली है। अब वह व्यवसाय को बढ़ाकर वृहद पैमाने पर गेहूं के आटे की पैकेजिंग कर बिक्री करने की योजना बना रही है। रोहिणी के परिवार में कुल छह सदस्य हैं। पति-पत्नी, मां और तीन बच्चे। कुछ वर्ष पहले तक परिवार की माली हालत अच्छी नहीं थी। रोहिणी दिन भर इसी चिंता में बेचैन रहती थी कि कैसे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आए ताकि वह भी बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा सके। रोहिणी बरसात के दिनों में करीब तीन माह खेती-बारी का काम करती थी। बाकी समय परिवार की बेहतरी के लिए कुछ अलग काम कर आय का सृजन करना चाहती थी। बाद में उसे खूंटी जिले में कार्यरत स्वयंसेवी संस्था लीड्स के बारे में जानकारी मिली। रोहिणी ने लीड्स संस्था के सहयोग से तीन एचपी पावर का सोलर सिंचाई पंप के लिए जरेडा के नाम से आवेदन दिया। तीन वर्ष पहले 2020 में उस-की बारी में सोलर सिंचाई पंप जरेडा द्वारा लगा दिया गया। इस पंप से वह परिवार के सहयोग से करीब डेढ़ एकड़ क्षेत्रफल में कई तरह की फसलें लगाने लगी। साथ ही वह संस्था के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने लगी। एक बार रोहिणी ने युवाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें युवाओं को स्वयं व्यवसाय करने तथा सरकारी योजना से जुड़कर लाभ लेने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के पश्चात उसने धान कुटाई और गेहूं पिसाई की मशीन की खरीद की और रोजगार करने लगी। रोहिणी सुबह शाम अपने गांव के अलावा अगल-बगल के गांव वालों की धान कुटाई और गेंहू पिसाई का काम करने लगी। रोहिणी बताती है कि वह पिसाई से हर दिन सात से आठ सौ रुपये कमा लेती है। कृषि से भी उसे अच्छी आमदनी होने लगी। अब अपनी कमाई से बच्चों को एक अच्छे निजी विद्यालय में पढ़ा रही है।

सनातन को कमजोर करने के लिए बना है आईएनडीआईए गठबंधन : हिमंत विश्व शर्मा

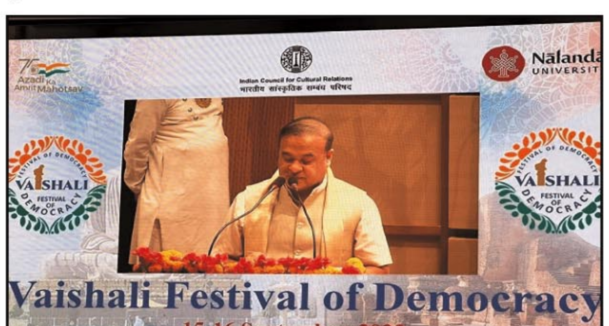

पटना/नालंदा (बिहार), (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि आईएनड-ीआईए गठबंधन सनातन को कमजोर करने के लिए बना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का जो गठबंधन हुआ है इसका असली मकसद है भारत के हिंदुत्व को कमजोर करना। साथ ही सनातन संस्कृति के खिलाफ जाकर काम करना। विपक्षी गठबंधन का मकसद ही हमारी सभ्यता और संस्कृति को बर्बाद करना है। हिमंत विश्व शर्मा बिहार के नालंदा में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने राजधानी पटना पहुंचे। यहां पत्रकारों ने उनसे सनातन संस्कृति पर दिए जा रहे विवादित बयानों को लेकर सवाल किया। इस पर उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन का मकसद ही सनातन संस्कृति को खत्म करना है। मुम्बई की बैठक में इन्होंने तय किया है कि देश से सनातन संस्कृति को खत्म कर देना है। हिमंत ने कहा कि देश में आगामी लोकसभा चुनाव राष्ट्रीयता की लड़ाई होगी। यह चुनाव सिविलाइजेशन की लड़ाई होगी। इसमें हमारी सभ्यता और संस्कृति की लड़ाई होगी। मुझे विश्वास है कि हमारे भारत के लोग सनातन संस्कृति को सुरक्षित रखेंगे। इस बार उनको यह मालूम चल जाएगा कि सनातन के बारे में बोलना उनके लिए कितना हानिकारक है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विपक्षी दलों के अपने गठबंधन का नाम आईएनडीआईए रखे जाने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने ट्विटर बायो से इंडिया नाम हटाकर भारत कर लिया। इसके बाद उन्होंने ट्वीट किया कि 'हमारा सभ्यतागत संघर्ष इंडिया और भारत के इर्द-गिर्द केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। हमें खुद को औपनिवेशिक विरासतों से मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। हमारे पूर्वज भारत के लिए लड़े और हम भारत के लिए काम करते रहेंगे। भारत के लिए भाजपा।'

भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन अनुरूप भारत के ग्रोथ इंजन के रूप मे आगे बढ़ रहा है। देश का हर पांचवां व्यक्ति उत्तर प्रदेश में निवास करता है। उत्तर प्रदेश न सिर्फ सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है, बल्कि सबसे बड़ा श्रम बाजार भी है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को इंडियन स्टील एसोसिएशन की ओर से होटल ताज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यहां वर्तमान में 13 एक्सप्रेस-वे निर्माण हो रहे हैं या निर्माण प्रक्रिया में हैं। कोरना महामारी के बावजूद हमने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बनाकर दिखाया। आज दिल्ली से पटना की दूरी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से कम हुई है। दिल्ली से पटना को जोड़ने में यह सहायक है।

उन्होंने कहा कि इसी के साथ जो बुंदेलखंड को सभी मानते थे कि कैसे जाएं, आज दिल्ली को बुंदेलखंड के चित्रकूट से जोड़ने के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे चल रहा है। बुंदेलखंड की दिल्ली से दूरी मात्र पांच घंटे की रह गयी है। इसी के साथ सम्भवतः देश के सबसे लम्बे एक्सप्रेस-वे गंगा एक्सप्रेस-वे पर कार्य चल रहा है। यह मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इसके बनने के बाद मात्र छह घंटे की दूरी रह जाएगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे भी एक नई संभावनाओं को बढ़ाने वाला होगा। हमने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों को एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने का कार्य हो या 04 लाख सड़कों को सुदृढ़ करने का कार्य, या फिर रेलवे के इस्टर्न-वेस्टर्न फ्रेड कोरिडर को जोड़ने का कार्य हो, हर कार्य तेजी से हो रहा है। उत्तर प्रदेश हर संभावनाओं को बढ़ा रहा है। आज एयर कनेक्टिविटी बढ़ी है। 2017 से पहले मात्र दो इंटरनेशनल एयरपोर्ट थे। हम इस वर्ष दो नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट को क्रियाशील करने वाले हैं।

प्रदेश आज हाऊसिंग सेक्टर की नई संभावनाओं में आगे बढ़ा है। आज जिन गरीबों ने मकान के दर्शन नहीं किये, उन 55 लाख गरीबों को आवास दिये गए। आज वन डिस्ट्रिक वन मेडिकल कॉलेज की ओर बढ़ गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी चीजों के लिए हमने बेहतर कानून व्यवस्था बनाई। अब पर्व त्योहारों पर कोई दंगा नहीं होता। वीआईपी मूवमेंट सुचारू रूप से होती है। आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास यात्रा में ग्रोथ इंजन के रूप मे सहगामी है। उत्तर प्रदेश में 25 सेक्टोरियल पॉलिसी है। निवेश मित्र के माध्यम से इस दिशा में एमओयू होते हैं।

वंदे भारत ट्रेन पर लखनऊ में फेंका पत्थर

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ के मल्हौर रेलवे स्टेशन के सामने से गुजर रही वंदे भारत ट्रेन पर अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंका। इससे ट्रेन की सी-थ्री बोगी क्षतिग्रस्त हो गयी। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद सीआरपीएफ के अधिकारियों ने व्यक्ति की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए। ट्रेन के सी-थ्री बोगी में बैठे यात्रियों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि शीशे पर पत्थर लगने से चटक साफ-साफ दिख रही है। शीशे की परत मोटी होने के कारण पत्थर बोगी में भीतर नहीं आ सका। घटना के वक्त ट्रेन मल्हौर रेलवे स्टेशन के करीब पहुंची थी। ऐसा महसूस हुआ कि पत्थर फेंकने वाला व्यक्ति पूरी ताकत से पत्थर फेंका। इसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। गोरखपुर से चलकर लखनऊ आ रही वंदे भारत ट्रेन में पथराव की सूचना से लखनऊ चारबाग स्थित कंट्रोल रूम से घटना की जानकारी प्रेषित की गयी। कंट्रोल रूम प्रभारी ने बताया कि पूरे घटनाक्रम को सीसीटीवी कैमरों की मदद से खंगाला जा रहा है।

आम्रपाली की निमाणाधीन साइट पर लिफ्ट गिरी, 4 की मौत

गौतमबुद्धनगर, (हि.स.)। गौतमबुद्धनगर की बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित एक निमार्णाधीन हाउसिंग सोसाइटी में लिफ्ट गिरी। हादसे में चार लोगों की मौत की खबर आ रही है। पांच लोग घायल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। यह घटना घटना ड्रीमवैली टेक जोन चार की बतायी जा रही है। आम्रपाली ग्रुप की एक निमार्णाधीन इमारत में यह लिफ्ट गिरी है। मरने वालों में वहां काम करने वाले चार मजदूर शामिल हैं और पांच लोग घायल हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इस घटना में मारे गए मजदूरों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। ग्रेटर नोएडा के सीईओ एनजी रवि और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा में हुए हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने दोषियों के खिलाफ जांच कर सख़्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए है।

खूंटी में भाजपा की संकल्प यात्रा 23 को, काशीनाथ बने प्रभारी

खूंटी, (हि.स.)। भाजपा के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में 23 सितंबर को खूंटी में होने वाली संकल्प यात्रा और जनसभा को सफल बनाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष काशीनाथ महतो को संकल्प यात्रा का प्रभारी बनाया गया। काशीनाथ महतो ने कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद बाबूलाल मरांडी का पहली बार खूंटी आगमन हो रहा है। इसे हर हाल में सफल बनाना है। संकल्प यात्रा को सफल बनाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेवारी है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर 17 समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां दी गई। बैठक में किसान मोर्चा उपाध्यक्ष कांशी नाथ महतो, जिला उपाध्यक्ष संजय साहू, कैलाश राम, जिला महामंत्री बिनोद नाग, जिला कोषाध्यक्ष लव चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार साहू, जनार्दन मिश्रा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी रूपेश जयसवाल, महावीर राम, प्रदेश युवा मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य प्रियांक भगत, आईटी संयोजक गुलाब महतो, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेश महतो, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष योगेन्द्र नायक, श्याम सोनी आदि उपस्थित थे।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना को योगी सरकार की पहल से मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, (हि.स.)। दिल्ली की गाजियाबाद व मेरठ से कनेक्टिविटी को विस्तार देने के उद्देश्य से केंद्र स-रकार द्वारा प्रस्तावित रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर के विकास को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सार्थक कदम उठाया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कुल 1306 करोड़ रुपये की लागत से इस योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली, गाजियाबाद व मेरठ के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना को विकसित करने के लिए योगी सरकार ने 956 करोड़ रुपये की अवशेष धनराशि में से 350 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटन को स्वीकृति दे दी है। इस राज्यांश के जारी होने से परियोजना के अंतर्गत लंबित कार्यों को अब गति मिल सकेगी। विशेषतौर पर गाजियाबाद व मेरठ में परियोजना के अंतर्गत प्राविधानित कार्यों को अब नए सिरे से रफ्तार मिलेगी। योगी सरकार से इस संबंध में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को धन आवंटन संबंधी आदेश जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की मंशा प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों की दिल्ली से कनेक्टिविटी सुधारने की रही है और मौजूदा प्रयास को भी इसी संदर्भ में एक सार्थक पहल के तौर पर देखा जा रहा है। दिल्ली-मेरठ रिजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम एक सेमी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर है। इसका अभी निर्माण चल रहा है। यह कॉरिडोर दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ को जोड़ेगा। रैपिड एक्स प्रोजेक्ट के तहत प्लान किया गया यह तीन रैपिड रेल कॉरि-डोर्स में से एक है। पूर्ण होने पर यह देश का अपनी तरह का पहला रैपिड ट्रांजिट प्रोजेक्ट होगा। इस परियोजना के तहत फेज वन स्टेज का कार्य हो रहा है। 82.15 किमी लंबी इस परियोजना की 8 मार्च 2019 को पीएम मोदी द्वारा घोषणा की गई थी। माना जा रहा है कि वर्ष 2025 तक इसकी शुरूआत हो सकती है। परियोजना को मूर्त रूप देने का दायित्व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को सौंपा गया है। यह परियोजना भले ही केंद्र के दिशा-निर्देशन में एनसीआरटीसी द्वारा पूर्ण की जा रही है, मगर उत्तर प्रदेश सरकार भी परियोजना के अंतर्गत होने वाले कार्यों की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करती रहेगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता कहते हैं कि योगी सरकार द्वारा राज्यांश को जिन नियम व शर्तों के आधीन जारी किया गया है, उसमें इस बात को भी उल्लेखित किया गया है। राज्यांश की स्वीकृत धनराशि को एकमुश्त न आहरित कर कार्य की आवश्यकता के अनुसार उपयोग में लाया जाएगा। परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही उल्लेखित कार्यों की शुरूआत की जाएगी। मौजूदा राज्यांश को जिन कार्यों को पूर्ण करने के लिए आवंटित किया गया है, उसकी लिमिट 31 मार्च 2024 रखी गई है। कार्यों के पूर्ण होने पर 30 अप्रैल 2024 तक एनसीआ-रटीसी उपयोगिता प्रमाण पत्र उत्तर प्रदेश सरकार को उपलब्ध कराएगी।

रामगढ़ में ऑटो मालिक कर रहे टैक्स की चोरी, चौक-चौराहों पर रोककर होगी वसूली

रामगढ़, (हि.स.)। परिवहन के धंधे में टैक्स की चोरी की बात आती है तो सबसे पहले भारी वाहन मालिकों पर नजर जाती है लेकिन ऑटो मालिक भी टैक्स की चोरी करने में पीछे नहीं है। यह टैक्स का भार इतना बढ़ गया है कि परिवहन विभाग इसे झेलने की स्थिति में नहीं है। नतीजन राज्य सरकार अब इसे वसूलने की तैयारी में लग गई है।

रजिस्टर्ड पते पर नहीं मिल रहे ऑटो मलिक – परिवहन विभाग के सामने टैक्स वसूली के दो रास्ते हैं। पहले रास्ता है कि ऑटो मलिक को नोटिस किया जाए और उनसे टैक्स जमा करने को कहा जाए लेकिन इस रास्ते में सबसे बड़ी अड़चन यह है कि रजिस्टर्ड पते पर ऑटो मालिक मिल ही नहीं रहे हैं। ऑटो खरीदने वाला मालिक जिस पते का इस्तेमाल खरीदते वक्त कर चुका है। जब नोटिस लेकर कर्मचारी वहां जाते हैं तब वहां उस नाम का आदमी नहीं मिलता है। नतीजा यह है कि टैक्स जमा नहीं हो पा रहा है। अब राज्य सरकार ने उस बकाया टैक्स पर जुमार्ना भी लगा दिया है, जिसकी वजह से यह टैक्स और भी बड़ा हो गया है।

300 से अधिक ऑटो मालिकों ने नहीं जमा किए टैक्स – अकेले रामगढ़ जिले में 300 से अधिक ऑ-टो मालिकों ने टैक्स की चोरी की है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऑटो मालिकों का पता लगा पाना ही मुश्किल हो रहा है। अब परिवहन विभाग ने सीधे ऑटो को ही अपना निशाना बनाने की ठान ली है। जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर द्विवेदी ने बताया कि ऑटो मालिकों से टैक्स वसूली का आखिरी रास्ता एक ही है कि हर चौक-चौराहे पर ऑटो को रोका जाए। उन्होंने बताया कि जल्द ही टीम तैयार कर ली जाएगी और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चला कर ऑटो मालिकों से टैक्स की वसूली की जाएगी। टैक्स पर लगा जुमार्ना भी ऑटो मालिकों को देना पड़ेगा।

अत्याधुनिक होगा सिमरिया का कल्प-वास मेला क्षेत्र, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन : संजय कुमार झा

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के जल संसाधन व सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने कहा है कि मिथिला के पावन गंगा तट सिमरिया धाम में कार्तिक माह में लगने वाले एशिया प्रसिद्ध कल्प-वास मेले में आनेवाले श्रद्धालु एवं साधु-संतों को इस वर्ष किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। इसके लिए बिहार सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। सिमरिया धाम में चल विकास कार्यों का निरीक्षण करने शुक्रवार को आए संजय कुमार झा ने सीढ़ी से लेकर कल्प-वास मेला क्षेत्र तक का गहनता से निरीक्षण कर जानकारी ली तथा गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने रिवर-फ्रंट कार्य एवं कल्प-वास क्षेत्र के साथ अन्य कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान धर्मशाला आदि निर्माण के संबंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के बाद उन्होंने पत्रकारों को बताया कि यहां कार्तिक महीने में एशिया प्रसिद्ध कल्प-वास मेला लगता है। इस वर्ष 18 अक्टूबर से कल्प-वास मेला शुरू हो रहा है। प्रयास कर रहे हैं कि मेले से पहले सभी तैयारी पूरी कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटन कराया जाए। पिछले वर्ष कल्प-वास क्षेत्र में पानी आ गया था। इसके मद्देनजर गंगा के कल्पवास क्षेत्र ऊंचे स्थान पर तैयार किया गया है। यह एक लाख नौ हजार स्क्वायर मीटर में है। स्टेडियम की तरह इसे विकसित करने लिए मिट्टी भराई और समतलीकरण किया गया और अब चारदिवारी कर पांच हाई मास्क लाइट लगाया जाएगा। कल्पवासियों को पीने के लिए नल का जल उपलब्ध होगा। शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी। सामने सीढ़ी घाट रहेगा ।सीढ़ी का काम तेजी से हो रहा है, 85 मीटर में सीढ़ी बनकर तैयार है। यहां राजस्थान से संगमर्मर एवं लाल बलुआ पत्थर से निर्मित पत्थर लगाया जाएगा। धर्मशाला, पार्किंग, कपड़ा बदलने का कक्ष, शौचालय, आरती के लिए जगह बनेगा। यहां पर 24 घंटे बिजली उपलब्ध रहेगी। संजय कुमार झा ने कहा कि यहां लाखों लोग आते रहते हैं इन बातों को ध्यान में रखकर ऐसा काम किया जा रहा है ताकि एक दो साल तक तक इन सुविधाओं का लाभ निरंतर मिलता रहे। सिमरिया गंगा धाम को पूरी तरह से पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। अगले माह से यहां पर्यटन का रूप देखने लगेगा। मुख्यमंत्री इस जगह के समग्र विकास पर खुद नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जून 2024 तक काम पूरा करने का वादा मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया था। डेढ़ साल में काम करने का लक्ष्य था, गुणवत्ता के साथ कार्य एक साल में ही पूरा करने का प्रयास हो रहा है। संजय कुमार झा ने कहा कि हरिद्वार में हर की पैड़ी गंगा के कैनाल में बना है, हम मुख्य गंगा नदी में काम कर रहे हैं। वहां वाटर कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन यहां मां गंगा के आशीर्वाद से हो रहा है। गंगा में गंगोत्री से लेकर बंगाल की खाड़ी तक सिमरिया से बड़ा काम नहीं हुआ है। इस अवसर पर डीएम रोशन कुशवाहा एवं जल संसाधन विभाग के कार्य अभियंता सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

यह कैसा विशेष सत्र

'खोद पहाड़, निकली चुहिया और वह भी मरी हुई...।' संसद के विशेष सत्र की घोषित कार्यसूची पर यह कहावत सटीक बैठती है। मोदी सरकार ने अचानक संसद सत्र की घोषणा की थी, जबकि मानसून सत्र 11 अगस्त को ही स्थगित किया गया था। परंपरा के मुताबिक अब शीतकालीन सत्र आना है। सरकार या तो घोषित करे कि शीतकालीन सत्र नहीं होगा। फिर सवाल है कि लेखानुदान कब पारित किया जाएगा? संपूर्ण बजट तो नई सरकार बनने के बाद ही पारित किया जा सकता है। यदि पारित आर्थिक बजट नहीं होंगे, तो सरकार खर्च कैसे चलाएगी और सरकारी अफसरों, कर्मचारियों के वेतन कैसे दिए जाएंगे? संवैधानिक वर्ग के पदेन चेहरों के वेतन-भत्ते भी लटक कर रह जाएंगे। हमारी व्यवस्था संसदीय कार्यवाही और उसके निर्णयों पर ही आश्रित है। बहरहाल 13 सितंबर को संसद सत्र की कार्यसूची जारी की गई। 17 सितंबर को सर्वदलीय औपचारिक बैठक है। इसी दिन प्रधानमंत्री का जन्मदिवस और 'विश्वकर्मा जयंती' है। प्रधानमंत्री नए संसद भवन पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराएंगे। ध्वजारोहण के बाद ही संसद में कामकाज शुरू होगा, क्योंकि देश के 'फ्लैग कोड' के मुताबिक, किसी भी सरकारी इमारत को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद ही यह दर्जा मिल पाता है। 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र आरंभ होगा। हालांकि यह संयुक्त अधिवेशन के बजाय 'संयुक्त आयोजन' के रूप में आहूत किया जाएगा। उस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उपस्थित रह सकती हैं। इसे राष्ट्रपति की 'गरिमामय मौजूदगी' कहा गया है। गणेश चतुर्थी 19 सितंबर को नए संसद भवन में कामकाज आरंभ किया जाएगा। बहरहाल सत्र में कुल चार बिल पारित किए जाने हैं। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा-शर्तों वाला बिल है, जिसे मानसून सत्र में लोकसभा में पेश किया गया था। इस संदर्भ में देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और संवैधानिक पीठ का भारत सरकार पर दबाव था कि चुनाव आयुक्तों को चुनने की एक संवैधानिक प्रक्रिया होनी चाहिए। सरकार अपनी मर्जी से किसी को भी चुनाव आयुक्त नहीं बना सकती। सर्वोच्च अदालत का सुझाव था कि प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रधान न्यायाधीश मिलकर चयन करें कि कौन चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जा सकता है। मोदी सरकार ने इस फॉर्मूले को खारिज कर अपना ही पैनल बनाया है, जिसमें प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष होंगे। कोई भी कैबिनेट मंत्री प्रधानमंत्री की मानसिक पसंद और उनके फैसले के खिलाफ जाने का दुस्साहस कैसे कर सकता है? लोकसभा में फिलहाल नेता प्रतिपक्ष नहीं है। अलबत्ता विपक्ष में कांग्रेस संसदीय दल सबसे बड़ा है, लिहाजा उसके नेता अधीर रंजन चौधरी को ऐसे पैनल में रखा जाता है। यह उन पर है कि वह शामिल होते हैं अथवा नहीं। संभावना है कि संसद में यह बिल पारित होने के बावजूद सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ संवैधानिक समीक्षा के नाम पर हस्तक्षेप कर सकती है। बहरहाल इसके अलावा, अधिवक्ता संशोधन बिल और प्रेस एवं सावधि प्रकाशनों के पंजीकरण का संशोधन बिल मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पारित किए जा चुके हैं। डाकघर संशोधन बिल भी मानसून सत्र में राज्यसभा में पेश किया जा चुका है। हमारा मानना है कि ये बिल संसद के शीतकालीन सत्र में भी पारित किए जा सकते थे। इनकी न्यूनतम अवधि 6 माह है और अभी सरकार भी नहीं बदली है। लोकसभा और राज्यसभा के सदन यथावत निरंतर हैं, लिहाजा इन बिलों के संदर्भ में ऐसी कोई तात्कालिक संवैधानिक अड़चन दिखाई नहीं देती कि संसद का विशेष सत्र बुलाना पड़ा। महिला आरक्षण बिल की बहुत चर्चा थी, क्योंकि यूपीए सरकार के दौरान वह बिल राज्यसभा में पारित किया गया था। उसके बाद लोकसभा भी दो बार संगठित की जा चुकी है और बिल को पारित किए करीब 15 साल गुजर चुके हैं। अब वह फैसला खारिज हो चुका है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भी विभिन्न अवसरों पर कह चुके हैं कि सदनों और राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढना चाहिए। ऐसी तमाम चर्चाओं को मोदी सरकार ने खारिज कर दिया। 'एक देश, एक चुनाव' पर तो फिलहाल समिति काम कर रही है। यह ऐसा विशेष संसद सत्र होगा, जिसमें बेहद सामान्य मुद्दे और बिल पेश तथा पारित किए जाएंगे।

> प्रधानमंत्री नए संसद भवन पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराएंगे। ध्वजारोहण के बाद ही संसद में कामकाज शुरू होगा, क्योंकि देश के 'फ्लैग कोड' के मुताबिक, किसी भी सरकारी इमारत को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद ही यह दर्जा मिल पाता है। 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र आरंभ होगा। हालांकि यह संयुक्त अधिवेशन के बजाय 'संयुक्त आयोजन' के रूप में आहूत किया जाएगा। उस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उपस्थित रह सकती हैं। इसे राष्ट्रपति की 'गरिमामय मौजूदगी' कहा गया है। गणेश चतुर्थी 19 सितंबर को नए संसद भवन में कामकाज आरंभ किया जाएगा। बहरहाल सत्र में कुल चार बिल पारित किए जाने हैं। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा-शर्तों वाला बिल है, जिसे मानसून सत्र में लोकसभा में पेश किया गया था। इस संदर्भ में देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और संवैधानिक पीठ का भारत सरकार पर दबाव था कि चुनाव आयुक्तों को चुनने की एक संवैधानिक प्रक्रिया होनी चाहिए।

कुछ अलग

फिल्म से कहीं ज्यादा

देश की वास्तविकता को देश कितना देखता है या हकीकत से रूबरू होने के लिए मीडिया पर कितना भरोसा करें, यह बहस का विषय अब रहा नहीं। पिछले कुछ सालों में हमने जो देखा, वह सुनाई नहीं दिया और जो मीडिया ने सुनाया, उसे सुनकर कान बहरे और दृष्टि कमजोर होती गई। ऐसे में नागरिक के सवाल लाभार्थी होने की मचान पर चले गए, जबकि देश का गुणगान करना हमारी व्यथा हो गई। इस दौरान दिखाने वाल मीडिया, पढ़ाने वाली पत्रकारिता और समाज के मनोरंजन में नफरत का बाजार गर्म करने वाला फिल्म जगत इतना परवान चढ़ गया कि फिल्में सियासत की तिजोरी को गर्म करने लगीं या लोगों को भीड़ बनाकर जोतने लगीं। जहां कहने की बात सुनने की फिरौती बन जाए या देश एक तरह के राग द्वेष में पहेलियों के अर्थ बदलने लगे, वहां एक सच्ची अभिव्यक्ति की जरूरत थी, जिसे पूरा करने की वजह से देशभर में 'विक्रम राठौड़' जीत रहा है। यह विक्रम राठौर पिछले कुछ वर्षों से नदारद था या इसे हमारी व्यवस्था ने ही कहीं कैद करके रखा था। यह 'विक्रम राठौर' हमारे भीतर भी था। मीडिया के भीतर भी था और फिल्मों के विषयों में भी था, लेकिन हम सभी ने पिंजरे बना लिए थे। इस 'विक्रम राठौर' को शाहरुख खान ने अपनी ताजातरीन फिल्म 'जवान' में जिंदा कर दिया है। यह फिल्म वही सब कुछ बोल रही है, जो हमारे कानों में पहले से मौजूद है। यह वही दिखा रही है, जो हमारी लोकतांत्रिक आंखें देख रही हैं। 'जवान' फिल्म खेत में किसान को, बैंक में आम उपभोक्ता को व चुनाव में ईवीएम मशीन के जरिए आम मतदाता के साथ बोल रही है। फिल्म का एक व्यावसायिक पक्ष रहा होगा या फिल्म इंडस्ट्री के बासीपन को मिटाने की भूख रही होगी, लेकिन देश में 'वक्त' की सही परिस्थिति का मुआयना अगर 'जवान' के जरिए हो रहा है, तो यह कालखंड याद किया जा रहा है। फिल्म दर्शक अभी कुछ दिन पहले तक एक खास मजमून की तलाश में इतिहास देख रहे थे, लेकिन 'जवान' के माध्यम से वे हकीकत से रूबरू होने के लिए थियेटर से वास्तविकता के शब्द खोज रहे हैं। यह नागरिक संवाद की नई परिभाषा है जो फिल्मी पर्दे पर एक जुनून की तरह चिन्हित है। हम इसे महज फिल्म या फिल्म का क्रॉफ्ट मानें, लेकिन विषयों की तीव्रता में जिस हिंदोस्तान को शाहरुख खान दिखा रहे हैं, वहां फिल्म से कहीं ज्यादा देश की समीक्षा हो रही है। देश की समीक्षा में किसानों की आत्महत्या के कारण दिखाई दे रहे हैं। सरकारी अस्पतालों की स्थिति दिखाई दे रही है, तो ऑक्सीजन को तड़पती लाशों के बीच भी गुनाह ढूंढने की व्यवस्था में कोई निर्दोष शहीद हो रहा है। व्यवस्था के दागों पर फिल्म की टिप्पणियां रौंगटे खड़े कर देती हैं, तो क्या वहां दर्शक सिर्फ फिल्म देख रहा है। यकीनन नहीं क्योंकि वहां वह व्यवस्था की आंच में खुद को टटोल रहा है।

राजस्थान, एवं छत्तीसगढ़ में लगभग सभी सीटों से चुनाव लड़ने की उसकी घोषणा ने इंडिया में खलबली मचा दी है

इंडिया महागठबंधन की बड़ी बाधा न बन जाये 'आप'

ललित गर्ग

> महागठबंधन में भले ही कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस साथ दिख रहे हों लेकिन कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ही ममता को राष्ट्रपति द्वारा दिए गए जी-20 के भोज में शामिल होने पर कटाक्ष कर चुके हैं। दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल के लिए आम आदमी पार्टी के नेता नेतृत्व की मांग कर चुके हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी राजस्थान में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर पहले ही महागठबंधन के अंदर की स्थिति को जगजाहिर कर चुकी है। हर राज्य में अमूमन कुछ न कुछ यहीं स्थिति है। ऐसे में महागठबंधन की राह आसान तो कतई नहीं है।

आज की राजनीति सत्ताकांक्षी अधिक है, जबकि उसका मूल लक्ष्य राष्ट्र-निर्माण एवं राष्ट्र उन्नति कहीं गुम हो गया है। हर राजनैतिक दल राष्ट्रहित नहीं, अपने स्वार्थ की सोच रहा है। जैसे-जैसे पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव एवं अगले वर्ष आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, हर दल येन-केन-प्रकारेण ज्यादा-से-ज्यादा वोट प्राप्त करने की तरकीबें निकाल रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के महागठबंधन 'इंडिया' के बनने से पहले ही उसमें सीटों एवं शीर्ष नेतृत्व को लेकर फूट, अलग सुर, ऊंची महत्वाकांक्षा और बेतरतीब तालमेल दिखने लगा हैं। इसमें सबसे ज्यादा अति-महत्वाकांक्षी आम आदमी पार्टी सेंध लगा रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में लगभग सभी सीटों से चुनाव लड़ने की उसकी घोषणा ने इंडिया में खलबली मचा दी है। निश्चित ही वर्तमान राजनीति परिवेश में आम आदमी पार्टी ने अपनी स्वतंत्र जगह बनाई है, भविष्य में यह दल प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आ जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। राजनीति में अक्सर यह कहा जाता है कि जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं। विपक्षी गठबंधन इंडिया की 14 सदस्यीय को-ऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक दिल्ली में बेनतीजा रही। इसमें नेतृत्व के मुद्दे और सीटों को लेकर फैसला लिया जाना था, उस पर अब भी आपसी सहमति नहीं बन पाई है। सहमति बनाना आसान भी नहीं दिख रहा है। महागठबंधन में सबकुछ ठीक दिख नहीं रहा है। कोलकाता में भी ममता दीदी को नेतृत्व करने के लिए आवाज उठ रही है। महागठबंधन में भले ही कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस साथ दिख रहे हों लेकिन कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ही ममता को राष्ट्रपति द्वारा दिए गए जी-20 के भोज में शामिल होने पर कटाक्ष कर चुके हैं। दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल के लिए आम आदमी पार्टी के नेता नेतृत्व की मांग कर चुके हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी राजस्थान में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर पहले ही महागठबंधन के अंदर की स्थिति को जगजाहिर कर चुकी है। हर राज्य में अमूमन कुछ न कुछ यहीं स्थिति है। ऐसे में महागठबंधन की राह आसान तो कतई नहीं है।

आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ सालों कई राज्यों तक अपना विस्तार कर लिया है। दिल्ली के बाद उसने पंजाब में सरकार बनाई है, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी किस्मत अजमाने के साथ इसी कड़ी में बिहार में भी चुनाव लड़ने जा रही है। असल में गतदिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने अपने बिहार के कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। उस बैठक के बाद ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बताया कि पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ेगी। उनके मुताबिक चुनाव लड़ने या ना लड़ने का सवाल ही नही उठता है, चुनाव में तो उतरना ही पड़ेगा। अब आम आदमी पार्टी के इन मंशाओं एवं घोषणाओं का इंडिया महागठबंधन पर असर होना स्वाभाविक है। आरजेडी नेता और सांसद मनोज झा ने दो टूक कहा है कि जिस समय विपक्षी एकता की नींव रखी गई थी, ये साफ किया गया था कि सभी पार्टियों को कुछ नियमों को पालन करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आम आदमी पार्टी भी उन सिद्धांतों का पालन करेगी। वैसे आम आदमी पार्टी के लिए बिहार कोई पहला राज्य नहीं है जहां वो दूसरे दलों के विरोध के बीच उतरने की बात कर रही हो।

कुछ दिन पहले ही आप संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने कहा था कि वे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। दोनों ही राज्यों में उनकी तरफ से कांग्रेस पर निशाना भी साधा गया। इसी कड़ी में दिल्ली में कांग्रेस ने भी तल्ख तेवर दिखाते हुए कह दिया कि सातों सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। यानी कि हर तरफ इंडिया गठबंधन के लिए चुनौती वाली स्थिति बन रही है। अब आम आदमी पार्टी की मंशा यह भी है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में चुनाव न लड़े। विपक्षी गठबंधन की पटना बैठक के दौरान आप नेताओं ने अपने बयानों में इस बात का जिक्र भी किया था। आप नेताओं ने ऐसा करने पर कांग्रेस के साथ आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में सहयोग करने के लिए राजी होने के संकेत दिए थे, पर इस मसले पर कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग विचार हैं, जिसकी वजह से बात अभी तक नहीं बन पाई है। आप पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच अति महत्वाकांक्षी है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखी है, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। ऐसी महत्वाकांक्षी राजनीति के चलते इंडिया महागठबंधन के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन रही हैं। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। दिशाशून्य हुए विपक्षी नेतृत्व को नये मानदण्ड स्थापित करने होंगे। बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा कहते हैं कि गठबंधन को सफल बनाने के लिए इसमें शामिल प्रत्येक राजनीतिक दल को तीन चीजों का त्याग करना होगा- महत्वाकांक्षा, मतभेद और मनभेद। पर खुद आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। जो राजनीतिक दल फर्जीवाडे.एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा। दरअसल गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां महत्वाकांक्षा को त्यागने के दावे तो बहुत करती हैं पर वास्तव में कोई तैयार नहीं होता है।

इंडिया महागठबंधन में आम आदमी पार्टी सीटों के प्रश्न पर सबसे ज्यादा जड़ बनी हुई है। हरियाणा- दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की बढ़ती राजनीतिक इच्छाएं मुश्किल का सबब बन रही हैं। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी कोई भी अपना हित छोड़ने को तैयार नहीं है। दिल्ली-पंजाब और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की राज्य इकाइयां खुलकर आमने-सामने हैं। ऐसी स्थितियों में इंडिया का एजेंडा कैसे आगे बढ़ेगा? निश्चित ही इन स्थितियों में भारतीय जनता पार्टी की राह आसान होती हुई दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की इंडिया एवं आम आदमी पार्टी की इच्छा आकार लेती हुई दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। भले ही 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मोदी को चुनौती देने के लिए केजरीवाल खुले तौर पर इंडिया महागठबंधन में शामिल हो गए। लेकिन केजरीवाल के कई अगर-मगर हैं। वह खुद के बुते ही चुनाव लड़ने की मानसिकता के शिकार है। इसीलिये 'आप' रोजी-रोटी के मुद्दों और आम आदमी से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। केजरीवाल हिन्दू मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नरम हिन्दुत्व का खेल भी खेल रही हैं।

राजस्थान, गांव और पानी

> रेगिस्तानी राज्य होने के कारण आज भी यहां के बहुत से गांव पानी को तरस रहे हैं। हालांकि स्थानीय लोगों की समस्या के समाधान के लिए राजा महाराजाओं ने भी काफी प्रयास किया था। इसके तहत बावड़ी, कुंए और तालाब का निर्माण कराया गया। लेकिन इससे पूरी तरह से समस्या का हल नहीं हुआ। यदि लोगों को पीने का पानी मिलने लगा तो सिंचाई की समस्या बनी रही। आज़ादी के बाद केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक ने इस समस्या के हल के लिए गंभीरता से ध्यान दिया। इस सिलसिले में 30 मार्च 1958 को महत्वाकांक्षी जल परियोजना 'राजस्थान नहर' का शुभारंभ किया गया। जिसे बाद में 2 नवंबर 1984 को इसे 'इन्दिरा गांधी नहर परियोजना' के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। लेकिन इसके बाद भी लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। दूर दराज़ के कई गांव पानी को तरस रहे हैं।

भारत जैसे विशाल भूभाग पर भिन्न भिन्न जलवायु और भौगोलिक परिस्थिति देखने को मिलती है। मेघालय स्थित मासिनराम और चेरापूंजी जहां सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में दर्ज है, तो वहीं राजस्थान का जैसलमेर सबसे अधिक सूखा वाला स्थान माना जाता है। जहां देश के अन्य सभी ज़िलों की अपेक्षा न्यूनतम वर्षा दर्ज की जाती है। यही कारण है कि राजस्थान में पानी की समस्या का होना एक आम उदाहरण है। रेगिस्तानी राज्य होने के कारण आज भी यहां के बहुत से गांव पानी को तरस रहे हैं। हालांकि स्थानीय लोगों की समस्या के समाधान के लिए राजा महाराजाओं ने भी काफी प्रयास किया था। इसके तहत बावड़ी, कुंए और तालाब का निर्माण कराया गया। लेकिन इससे पूरी तरह से समस्या का हल नहीं हुआ। यदि लोगों को पीने का पानी मिलने लगा तो सिंचाई की समस्या बनी रही। आज़ादी के बाद केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक ने इस समस्या के हल के लिए गंभीरता से ध्यान दिया। इस सिलसिले में 30 मार्च 1958 को महत्वाकांक्षी जल परियोजना 'राजस्थान नहर' का शुभारंभ किया गया। जिसे बाद में 2 नवंबर 1984 को इसे 'इन्दिरा गांधी नहर परियोजना' के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। लेकिन इसके बाद भी लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। दूर दराज़ के कई गांव पानी को तरस रहे हैं।

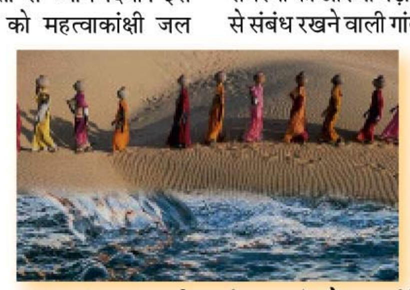

राज्य के बीकानेर स्थित लूणकरणसर ब्लॉक का ढाणी भोपालाराम गांव इसका एक उदाहरण है, जहां के लोग पानी न होने की समस्या का सामना कर रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या यह समस्या ऐसे ही राजस्थान के गांव और ज़िलों में परेशानी का कारण बनी रहेगी? इस संबंध में गांव के निवासी 40 वर्षीय विनोद का कहना है कि 'हमारे बुज़ुर्ग बताते थे कि इस गांव में पहले पानी की पर्याप्त व्यवस्था थी। पानी इतना उपलब्ध हो जाता था कि लोग अगली वर्षा तक अपनी सभी ज़रूरतें पूरी कर लिया करते थे। लेकिन अभी कोई व्यवस्था नहीं है। पहले के लोग पानी को इकट्ठा करना जानते थे। आज से कई साल पहले एक कुंई का निर्माण करवाया गया था। उस वक़्त इस गांव जनसंख्या इतनी नहीं थी। बारिश का जो पानी इकट्ठा होता था इससे इनका एक साल निकल जाता था और पशुओं के लिए भी वह उपयोग में लाया जाता था।' उन्होंने बताया कि इस गांव में पहले निवासियों के साथ साथ पशुओं के लिए भी पानी की उचित व्यवस्था होती थी। लेकिन जैसे जैसे गांव की जनसंख्या बढ़ने लगी तो उनकी देखरेख भी बंद होने लग गई। जिससे लोगों और पशुओं को पानी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि इंदिरा गांधी नहर के तहत लूणकरणसर में पानी आता है। जिसका प्रतिदिन का खर्च पांच हज़ार होता है। लेकिन इसके बावजूद पशुओं के लिए पानी की कोई उचित व्यवस्था नहीं हो पाती है। जब बारिश होती है तो लोग पानी इकट्ठा करते हैं। जिससे गांव के पशु के पीने के उपयोग में लाया जाता है। जबकि घरों के लिए टैंकर से पानी मंगवाया जाता है। जिसका खर्च लगभग 1000 से 1500 रुपए तक आता है। जबकि गांव वालों की आमदनी इतनी नहीं है कि वह इस खर्च को प्रतिदिन वहन कर सकें। इसीलिए वह बारिश के पानी पर निर्भर रहने लगे हैं। अब तो बारिश होने से एक ही फसल प्राप्त हो पाती है। जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर और दयनीय होती जा रही है। इस सिलसिले में गांव के एक 75 वर्षीय बुजुर्ग तालुराम जाट कहते हैं कि 'पानी की कमी के संबंध में हमने गांव के सरपंच से शिकायत भी की है, पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पानी का संकट इस स्तर पर आगे बढ़ता जा रहा है कि कोई कुछ नहीं कर पा रहा है। यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो गांव वालों को भीषण जल संकट से गुज़रना पड़ सकता है।' राजस्थान में जाति व्यवस्था के संकट ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या को और भी बढ़ा दिया है। इस संबंध में निम्न समुदाय से संबंध रखने वाली गांव की एक किशोरी लक्ष्मी का कहना है कि 'गांव में जातिवाद के आधार पर पानी का बटवारा होता है। जब गांव की कुंई में पानी आता है तो सबसे पहले स्वर्ण जाति की महिलाओं को पानी भरने दिया जाता है। इसके बाद ही निम्न वर्ग की महिलाओं को पानी भरने की अनुमति होती है।' उसका कहना है कि इस गांव में जलापूर्ति की सबसे बड़ी समस्या है। सरपंच से बात होने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। गांव के लोग लूणकरणसर ब्लॉक से पानी का टैंकर मंगवा कर अपना जीवन चला रहे हैं। लेकिन यह समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। गांव के निवासी नाथूराम गोंडा का कहना है कि गांव के लोग पहले हैंडपंप की सहायता से पानी निकाल लेते थे। लेकिन उसकी उचित देखरेख नहीं होने के कारण वह पिछले 15 वर्षों से खराब पड़ी है। वर्तमान में, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 18 प्रतिशत ही पाइप से पानी की आपूर्ति की जाती है। जिसे जल जीवन मिशन के तहत शत प्रतिशत घरों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर काम कर रहे हैं। घरों तक नल के माध्यम से जल पहुंचाने की इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 3 I60 लाख करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है, जिसमें केंद्र सरकार 2 I08 करोड़ रुपए का अंशदान दे रही है। जल जीवन मिशन के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 के बजट में 11500 करोड़ आवंटित किए गए हैं लेकिन सरकार द्वारा इतने परियोजनाओं व जल जीवन मिशन जैसे योजनाओं के बाद भी गांव में पानी का संकट दूर होता नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में इसके लिए हर पहलू और हर स्तर पर जल्द से जल्द कार्रवाई की आवश्यकता है।

दृष्टिकोण

हिंदी पखोड़े का पकौड़ा!

घर से बाहर निकला तो सामने शास्त्रीजी के लॉन में टैंट लगा हुआ था। शास्त्रीजी कुछ काम कर रहे थे। जिज्ञासावश मैं अंदर लॉन में गया तो भट्टी पर कढ़ाई चढ़ी हुई थी और हलवाई पकौड़े तल रहा था। मेरी समझ में कुछ नहीं आया कि आखिर माजरा क्या है? मैंने शास्त्रीजी से ही पूछा -'शास्त्रीजी, आज क्या प्रोग्राम है? पकौड़े कैसे तले जा रहे हैं?' शास्त्रीजी मेरे पास ही आ गए और बोले -'शर्मा जी, आपको कुछ भी पता नहीं होता। अरे भाई आज से हिंदी पखोड़ा (पखवाड़ा) शुरू हो गया है। अभी शाम को हिंदी के उन्नयन के लिए संगोष्ठी होगी, तत्पश्चात हिंदी सेवियों के लिए पकौड़ा-जलेबी का हैवी नाश्ता दिया जाएगा।' मैंने कहा -'लेकिन हिंदी उन्नयन और पकौड़ा-जलेबी का तालमेल मेरी समझ में नहीं आ रहा?' वे हंसने लगे और बोले -'मैं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का प्रधानमंत्री हूं और विगत चालीस वर्षों से मैं यह अनुष्ठान करता आ रहा हूं। हिंदी के लिए मैंने अपना पूरा जीवन लगा दिया है।' मैं बोला -'लेकिन उन्नयन में, यह भी अजब-गजब है।' वे बोले -'ये सब हिंदी की देन है। सरकार हिंदी के प्रचार-प्रसार और विकास के लिए इतना अनुदान संस्था को देती है कि मैं असली घी का गाजर का हलवा भी खिलाता रहूं तो पूरे वर्ष राशि खत्म नहीं हो।' मैंने कहा -'लेकिन आपके दोनों बेटे अंग्रेजी माध्यम से पढक़र ही आगे बढ़ पाए हैं। इसमें हिंदी का कोई योगदान न आपने लिया, न हिंदी ने दिया।' वे बोले -'शर्मा जी, वे अंग्रेजी से राइज कर पाए और मैं हिंदी से, फर्क इतना सा है। बाकी कोई अंतर है नहीं।' मैं बोला -'मेरा मतलब वे भी तो हिंदी सेवी हो सकते थे।' शास्त्री ने बात को विराम देने के लिहाज से कहा -'शर्मा जी, छोड़िए इस मुद्दे को। यह लंबी बहस की बात है। आप तो आइए और हिंदी का पकौड़ा भरपेट खाइए।' यह कहकर वे एक खाली प्लेट लेकर पकौड़े लेने चले गए। तभी वहां अन्य हिंदी सेवियों का भी आगमन शुरू हो गया। थोड़ी देर में तो पांडाल में हिंदी सेवियों की पूरी जमात आ इक_I हुई। वे सब प्लेटों में जलेबी-पकौड़ा भर-भर कर गरमा-गर्म बातचीत के बीच पेट भराई में जुटे थे। शास्त्रीजी ने एक प्लेट भरकर मुझे भी पकड़ा दी। जाते-जाते बोले -'मुझे पता है शर्मा जी, हिंदी सेवा को लेकर आपके मन में द्वंद्व छिड़ा हुआ है। उसके लिए पूरा पखोड़ा पड़ा है, आज केवल पकौड़ा।' यह कहकर वे चले गए। मेरे पास एक बुजुर्ग सज्जन खड़े हुऐ थे तथा प्लेट खाली कर रहे थे, मैंने उन्हीं से पूछा -'क्यों सर, आप कब से हिंदी सेवा से जुड़े हुए हैं।' उनके पास भी वक्त नहीं था, वे बोले -'आधा घंटे बाद बात करेंगे, फिलहाल केवल पकौड़ा।' मैं चुप हो गया। मैंने भी प्लेट सलटाने का कार्य शुरू किया तो पाया कि हिंदी सेवा का पकौड़ा बेहद स्वादिष्ट था। तभी एक सज्जन मेरे पास आए और बोले -'माफ करिए, आपको पहले कभी नहीं देखा। आपका परिचय?' मैं बोला -'मैं शास्त्रीजी का पड़ौसी हूं।

देश दुनीया से

पहाड़ों का हमदर्द बनना होगा

धरती के सीने पर कुदरत की भव्य संरचना पहाड़ मजबूती व निर्भीकता का प्रतीक होते हैं। 'हुस्न पहाड़ों का' भारत की मारूफ गुलुकारा लता मंगेशकर द्वारा गाया यह मशहूर नगमा पहाड़ों की शबाहत को जाहिर करता है, मगर आलम यह है कि पर्यटन, आस्था व सुकून का केन्द्र रहे पहाड़ संकट के बेहद नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। गहरे जख्म देने वाली कुछ अफसोसनाक तारीखें एक मुद्दत गुजर जाने के बाद भी नहीं मिटती। आसमान से आफत बनकर बरसी बरसात व दरकते पहाड़ों ने हिमाचल की भोली-भाली विरासत के लोगों को कभी न भूलने वाले गहरे घाव दिए हैं। मगर गुजरी हुई शब का मातम मनाने से कुछ हासिल नहीं होता। कामयाबी का मुनासिब मुकाम हासिल करने के लिए नई सहर के उगते हुए आफताब से निगाहें मिलाकर चलना पड़ता है। मुश्किल वक्त की चुनौतियों को हौसले की बुनियाद पर ही फतह किया जा सकता है। विडंबना है कि पर्यटन क्षेत्र से लेकर देश की उन्नति से जुड़े मुद्दों पर मुल्क के हुक्मरानों की निगाहों का मरकज हमेशा पहाड़ ही बने हैं। पहाड़ों के पानी ने देश की तकदीर व तस्वीर बदल कर विकास के बेमिसाल मजमून लिखकर आलमी सतह पर देश का मान बढ़ाया है, तो पहाड़ की जवानी देशरक्षा के महाज पर राष्ट्र के लिए ही समर्पित रही है।

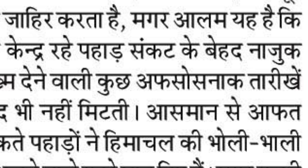

> 1960 का दशक, जब देश की करोड़ों आबादी पेयजल के संकट से जूझ रही थी, लोग बिजली से महरूम थे, 1962 में चीन तथा 1965 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में देश की मईशत चरमरा चुकी थी, मुल्क खाद्यान्न की भारी किल्लत से जूझ रहा है, उस वक्त मुल्क के हुक्मरानों ने उन चुनौतियों से निपटने के लिए भाखड़ा बांध व पौंग डैम की संगे बुनियाद हिमाचल की सरजमीं पर रखी थी। बांधों के पानी से उत्पन्न बिजली से पड़ोसी सूबे अफरोज हुए। पड़ोसी राज्यों की मरूस्थलीय भूमि शादाब हुई। हरित क्रांति का आगाज हुआ, मगर उस कुर्बानी का नजराना हिमाचल के हजारों परिवारों को विस्थापन के रूप में मिला।

1960 का दशक, जब देश की करोड़ों आबादी पेयजल के संकट से जूझ रही थी, लोग बिजली से महरूम थे, 1962 में चीन तथा 1965 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में देश की मईशत चरमरा चुकी थी, मुल्क खाद्यान्न की भारी किल्लत से जूझ रहा है, उस वक्त मुल्क के हुक्मरानों ने उन चुनौतियों से निपटने के लिए भाखड़ा बांध व पौंग डैम की संगे बुनियाद हिमाचल की सरजमीं पर रखी थी। बांधों के पानी से उत्पन्न बिजली से पड़ोसी सूबे अफरोज हुए। पड़ोसी राज्यों की मरूस्थलीय भूमि शादाब हुई। हरित क्रांति का आगाज हुआ, मगर उस कुर्बानी का नजराना हिमाचल के हजारों परिवारों को विस्थापन के रूप में मिला। बिलासपुर, ऊना व कांगड़ा के सैकड़ों गांवों की इन जलाशयों में जल समाधि दे दी गई। बिलासपुर में चंदेल राजवंश की कहलूर रियासत की राजधानी गोविंद सागर झील की आगोश में समा गई। प्रदेश में कीरतपुर-मनाली जैसे फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्गों व कई पुलों तथा सुंरगों का निर्माण हो रहा है। रेलवे लाइन की बिसात बिछ रही है। इन विकास कार्यों का सीधा संबंध देश के रक्षा क्षेत्र की मजबूती के लिए है ताकि लेह, लद्दाख व सियाचिन जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भारतीय सेना की पहुंच आसान हो सके। परंतु इन विकास कार्यों के चलते राज्य के सैकड़ों परिवार विस्थापित हो चुके हैं।

बेशक विकास व उन्नति वक्त का तकाजा है। बढ़ती आबादी व सडक़ों पर वाहनों की तादाद में इजाफा तथा देश की सरहदों के उस पार भारत को दहलाने का मंसूबा तैयार करने वाले चीन व पाकिस्तान जैसे मुल्कों से निपटने के पेशेनजर सडक़ निर्माण कार्य सरकारों की प्राथमिकता में होने चाहिए। लेकिन ऐसा विकास जो लोगों के आशियाने छीनकर मौत के साए में जीने को मजबूर कर दे, पहाड़ों को खोखला करके तबाही का खौफनाक मंजर पेश करे, प्राकृतिक संसाधनों का वजूद मिटाकर लोगों को पेयजल के लिए फरियादी बना दे, लोग शरणार्थी बनकर हाथों में ज्ञापन लेकर शासन-प्रशासन के पास अपने हकूक की गुहार लगाने को मजबूर हो जाएं, ऐसे निर्माण कार्यों का मॉडल हरगिज बर्दाश्त नहीं होना चाहिए। जबरन विकास की जद्दोजहद से दरकते पहाड़ अब मुआवजे का मुतालबा कर रहे हैं। पहाड़ों का दरकना कोई इत्तेफाक नहीं है।

पुतिन ने किम जोंग को हाई क्वालिटी राइफल गिफ्ट की : स्पेस में पहना जाने वाला दस्ताना भी दिया, बदले में किम ने उन्हें गन दी

मास्को।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किमजोंग उन से बुधवार को व्लोदिवोस्तोक में मुलाकात की थी। दोनों नेता यहां एक-दूसरे से बड़ी गर्मजोशी के साथ मिलेथे। दोनों के बीच 40 सैकेंड का हैंडशेक किया था। रिपोर्ट के मुताबिक मुलाकात के बाद किम जोंग उन और पुतिन ने एक-दूसरे को राइफल्स गिफ्ट की। पुतिन ने किम जोंग उन को स्पेस में पहना जाने वाला दस्ताना भी गिफ्ट किया है।
इसे रूस के अंतरिक्ष यात्री ने स्पेस विजिट के दौरान पहना था। इसकी जानकारी क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने दी है। उन्होंने बताया कि किम जोंग उन ने नॉर्थ कोरिया में बनी कई चीजें पुतिन को गिफ्ट की इसमें एक गन भी शामिल है। दरअसल, पुतिन को आउटडोर एक्टिविटीज का काफी शौक है। पिछले दिनों उनके कई फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं जिनमें वो जंगलों में राइफल्स लिए दिखाई दे रहे हैं।

23 साल बाद नॉर्थ कोरिया जाएंगे पुतिन

तानाशाह किम जोंग उन ने पुतिन को नॉर्थ कोरिया आने का न्योता दिया है, जिसे रूस ने स्वीकार किया है। इससे पहले पुतिन 2000 में नॉर्थ कोरिया गए थे। तब उन्होंने किम जोंग उन के बीमार पिता किम जोंग इल का हालचाल जाना था।
अगर पुतिन इसी साल नॉर्थ कोरिया जाएंगे तो ये 23 साल बाद उनकी नॉर्थ कोरिया की विजिट होगी। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पुतिन की विजिट से पहले अक्टूबर में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव नॉर्थ कोरिया का दौरा करेंगे। वो पुतिन की यात्रा की तैयारियां का जायजा भी लेंगे।

पुराने दोस्त नए दोस्तों से बेहतर

पुतिन ने किम जोंग उन से मुलाकात के बाद एक रूसी मुहावरे का हवाला देते हुए कहा- एक पुराना दोस्त दो नए दोस्तों से बेहतर होता है। दरअसल, कोरियाई युद्ध के समय से सोवियत यूनियन और नॉर्थ कोरिया के बीच अच्छे संबंध रहे हैं। जंग के दौरान सोवियत यूनियन ने नॉर्थ कोरिया का समर्थन किया था। विदेश मामलों के जानकार और साउथ कोरिया में सांसद रहे चुके किम जोंग डे का कहना है कि ये रूस-नॉर्थ कोरिया की दोस्ती का दूसरा चैप्टर शुरू हो चुका है। अब नॉर्थ कोरिया यूक्रेन में जंग लड़ने में रूस का साथ देगा। रूस पहले ही नॉर्थ कोरिया के शेल्स को जंग के मैदान में टेस्ट कर देख चुका है। अब वो उनका इस्तेमाल बढ़ाने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

जेलेंस्की के एडवाइजर बोले- भारतीय-चीनी कमजोर बुद्धि के: कहा- चंद्रयान-3 मिशन सफल होने से क्या हुआ, वो जंग पर अपना रुख तय नहीं कर पाए

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के एडवाइजर मिखाइलो पोडल्यक ने बुधवार को भारत-चीन के लोगों की बौद्धिक क्षमता पर सवाल उठाए। पोडल्यक का बयान रूसी मीडिया स्पुतनिक के एक आर्टिकल में छपा था। इसके मुताबिक, जेलेंस्की के एडवाइजर ने कहा- भारत और चीन के लोग की बौद्धिक क्षमता कम है और वो ये बात नहीं समझ पाते हैं कि उनके एक्शन का क्या परिणाम होगा। पोडल्यक ने आगे कहा- ये देश साइंस में इन्वेस्ट करते हैं। भारत चंद्रयान-3 मिशन से चांद तक पहुंचा, जो अब चंद्रमा की सतह पर ट्रेकिंग कर रहा है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि ये देश इस बात को समझ पा रहे हैं कि आधुनिक दुनिया क्या है। भारत और चीन ये तय नहीं कर पा रहे हैं कि यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर उनका क्या रुख है। पोडल्यक के इस बयान पर चीन के विदेश मंत्रालय ने सवाल उठाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यूक्रेनी अधिकारी को साफ करना होगा कि इस बयान से उनका क्या मतलब था। उन्हें जंग के संदर्भ में चीन के रुख को सही तरह से समझने की जरूरत है। बयान पर विवाद होने के बाद पोडल्यक ने इस पर सफाई भी दी है जेलेंस्की के एडवाइजर पर विवाद होने के बाद उन्होंने इस पर सफाई भी दी। उन्होंने कहा- भारत, चीन और तुर्किये दुनिया के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। ये देश एतिहासिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक तौर पर अहम हैं। इन क्षेत्रों में भारत-चीन की भूमिका रूस मुद्दे की तुलना में कहीं ज्यादा अहम है। जी20 घोषणा पत्र पर यूक्रेन ने कहा था- ये गर्व की बात नहीं इससे पहले जी20 समिट के दौरान घोषणा पत्र पर सहमित बनने के बाद, जब पूरी दुनिया भारत की तारीफ कर रही थी, तब भी यूक्रेन ने विवादित बयान दिया था। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा- इसमें कुछ गर्व की बात नहीं है। अगर हम समिट में शामिल होते तो लोगों को हालात के बारे में सही जानकारी मिल पाती।

कहां हैं ली शांगफू: तीन हफ्तों से लापता चीनी रक्षा मंत्री पर बढ़ी जांच, घर में नजरबंद किए जाने की अटकलें

बीजिंग । चीन के विदेश मंत्री किंग गैंग के बाद अब वहां के रक्षा मंत्री ली शांगफू का भी कोई अता-पता नहीं है। उन्हें सार्वजनिक रूप से करीब दो सप्ताह से अधिक समय से नहीं देखा गया है। ऐसे में अब ली से रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी वापस ले ली गई है। वहीं, उन्हें जांच के दायरे में रखा गया है। जापान में अमेरिका के राजदूत रेहम इमैनुअल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति शी की कैबिनेट की कहानी अगाथा क्रिस्टी के उपन्यास एंड देयर वर नन से मिलती जुलती है। उन्होंने कहा कि पहले विदेश मंत्री किन गैंग, फिर रॉकेट फोर्स कमांडर और अब रक्षा मंत्री ली शांगफू लापता हैं। दावा किया जा रहा है कि उन्हें आखिरी बार तीसरे तीन अफ्रीका चाइना पीस एंड सिक्योरिटी फोरम में सार्वजनिक रूप से देखा गया था। बीजिंग में हुए इस सम्मेलन में ली ने अपना मुख्य भाषण दिया था। बता दें कि ली शांगफू को मार्च 2023 में रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। इमैनुअल ने शेक्सपियर को क्वोट करते हुए कहा कि डेनमार्क में कुछ तो चल रहा है। अमेरिका के राजदूत ने पूछा कि क्या शांगफू को घर में नजरबंद कर दिया गया है इसलिए न तो वह तीन सप्ताह से सार्वजनिक रूप से देखे गए और न ही सुने गए। बाद में वियतनाम यात्रा के लिए भी नहीं गए। इतना ही नहीं, अब वह सिंगापुर के नौसेना प्रमुख के साथ अपनी निर्धारित बैठक से भी अनुपस्थित हैं। वहीं उन्होंने चीनी सरकार पर तंज भी कसा है। उन्होंने कहा कि देखना दिलचस्प होगा कि बेरोजगारी की दौड़ में कौन आगे रहेगा, चीन के राष्ट्रपति या वहां के युवा। गौरतलब है, जुलाई में चीनी विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने के बाद शांगफू के लापता होने की खबर आई थी। ली शांगफू के इस तरह से गायब होने के बाद तमाम तरह की अटकलें लगने लगी हैं। चीन के रक्षा मंत्री तब गायब हुए हैं, जब पांच साल पहले की गई हार्डवेयर खरीद से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि ये जांच जुलाई में शुरू की गई थी। हालांकि चीनी सेना का कहना है कि वह अक्टूबर 2017 से ही इन मुद्दों की जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ली सितंबर 2017 से 2022 तक उपकरण विभाग में कार्यरत थे। हालांकि, उनपर कोई आरोप नहीं है। पहले जारी रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों की मानें तो हस्तियों के साथ किया गया बर्ताव चीनी सरकार की उसकी सत्ता के लिए किसी भी चुनौती को दूर करने के प्रयास दिखाता है। कारोबारियों के मामले में कहा जाता है कि देश के निजी कारोबारियों के हाथों में अधिक संपत्ति को चीनी सत्ताधारी पार्टी अपने लिए एक संभावित खतरा मानती है।

सऊदी में पहली बार हूती विद्रोहियों की बैठक

यमन में 9 साल से जारी जंग रोकने की कवायद ; अब तक 3 लाख लोगों ने जान गंवाई

रियाद।
सऊदी अरब के अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर बताया कि वो यमन में ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों के साथ बातचीत कर रहे है। इससे सालों से चल रहे यमन के गृह युद्ध का समाधान ढूंढा जा रहा है। 9 साल से चल रही जंग रुकवाने के मकसद से हूती लीडर्स ने सऊदी में बैठक की है। हर मंच पर एक-दूसरे के खिलाफ दिखने वाले सऊदी के अधिकारियों और हूती विद्रोहियों की ये पहली बैठक है। यमन में जंग और उसके परिणामों की वजह से यमन में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। कई लाख लोग बेघर भी हुए हैं। सऊदी की सेना के यमन में पहुंचने से पहले ही वहां की इकोनॉमी हूती और यमनी लोगों के संघर्ष की वजह से खराब हो चुकी थी। सऊदी के दखल के बाद यहां हालात और खराब हो गए थे।

मीटिंग में क्या बातचीत हुई - सना में अप्रैल महीने में सऊदी की एक टीम ने दौरा किया था। इसका मकसद यमन में बने राजनीतिक हालातों का समाधान ढूंढ़ना था। इस टीम के दौरे क बाद सऊदी की राजधानी रियाद में भी हूती विद्रोहियों और सऊदी के अधिकारियों की मीटिंग हुई। मीटिंग में यमन में चल रहे युद्ध को खत्म करने और जंग की वजह से बने हालातों से उबरने पर बातचीत की गई। साल के शुरुआत में ही सऊदी ने यमन के डेलिगेशन को राज्य के दौरे पर आने को कहा था। हूती विद्रोहियों के प्रमुख, महदी अल-मशात ने इस मीटिंग पर टिप्पणी करते हुए कहा- हमारा डेलिगेशन मीटिंग के लिए रियाद जाएगा। शांति हमारा पहला विकल्प था और अब भी है। इसे हासिल करने के लिए सभी को काम करना चाहिए।

हाल ही में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान जी20 समिट के लिए भारत आए थे। यहां से लौटते समय वो ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से मिले। इस मुलाकात के बाद हूती लीडर्स ओमान के प्लेन द्वारा सऊदी पहुंचे। ओमान लंबे समय से यमन में संघर्ष को खत्म कराने की कोशिश कर रहा है।

2014 में कैसे शुरु हुई थी यमन की जंग - साल 2014 में यमन में गृह युद्ध की शुरुआत हुई। इसकी जड़ शिया और सुन्नी विवाद में है। दरअसल यमन की कुल आबादी में 35 प्रतिशत की हिस्सेदारी शिया समुदाय की है जबकि 65 प्रतिशत सुन्नी समुदाय के लोग रहते हैं। कार्नेजी मिडल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद रहा था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरूआत हुई तो गृह युद्ध में बदल गया। 2014 आते-आते शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। देश बदलाव के दौर से गुजर रहा था और हादी स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए। अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सउदी भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सउदी अरब का। देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था।

जो काम अमेरिका नहीं कर पाया चीन ने कर दिखाया - यमन में 9 सालों से चल रही जंग को जारी रखने में सऊदी अरब और ईरान दो महत्वपूर्ण ताकतें हैं। यमन की सरकार को जहां सऊदी का समर्थन है वहीं हूती विद्रोहियों को ईरान का। ऐसे में अगर ईरान और सऊदी के बीच बातचीत होती है और उनके रिश्ते सुधरते हैं तो यकीनन इसका असर यमन की जंग पर पड़ना तय माना जा रहा था। 11 मार्च को चीन की राजधानी बीजिंग में ईरान और सऊदी अरब के बीच अहम समझौता हुआ। जो चीन ने करवाया। 2016 के बाद दोनों ने एक-दूसरे के मुल्क में अपनी-अपनी एम्बेसी फिर खोलने के लिए राजी हो गए थे। इससे दोनों देशों के बीच सात साल से जारी टकराव कम हुआ। दरअसल, सात साल पहले सऊदी अरब ने ईरान के लिए जासूसी के आरोप में 32 शिया मुसलमानों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया था। इसमें 30 सऊदी अरब के ही नागरिक थे। ईरान ने बदला लेने की धमकी दी थी। ये सभी जेल में हैं। इसके बाद, सऊदी अरब ने ड्रग स्मगलिंग के आरोप में ईरान के तीन नागरिकों को सजा-ए-मौत दे दी। दोनों देश जंग की कगार पर पहुंच गए। इस दौरान अमेरिका सऊदी की मदद के लिए आया। इंटरसेप्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में सत्ता में आने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दो साल में यमन के गृह युद् को बंद करवाने का वादा किया था। जिसे चीन ने पूरा किया है।

डॉक्टरों ने ब्रेन डेड व्यक्ति में सूअर की किडनी का किया प्रत्यारोपण; 61 दिन तक चला प्रयोग

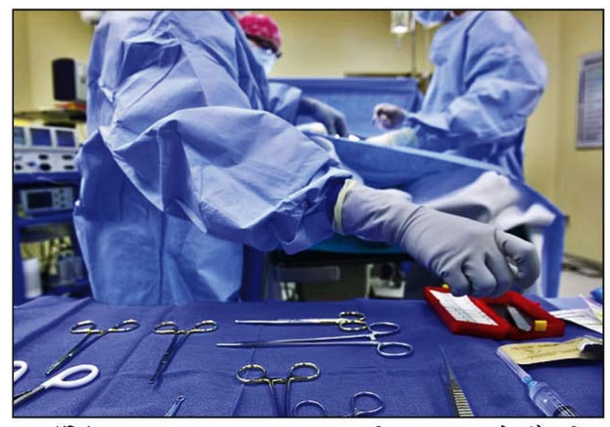

वॉशिंगटन।
अमेरिका में आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर की किडनी को ब्रेन डेड मरीज में प्रत्यारोपित करने वाले सर्जनों ने घोषणा की कि उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ 61 दिनों के बाद अपना प्रयोग समाप्त कर दिया है। नवीनतम प्रयोग अनुसंधान के उस बढ़ते क्षेत्र का हिस्सा है जिसका उद्देश्य क्रॉस-प्रजाति प्रत्यारोपण को आगे बढ़ाना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अंग प्रत्यारोपण के लिए 103,000 से अधिक लोग इंतजार कर रहे हैं, जिनमें से 88,000 को गुर्दे की आवश्यकता है। जुलाई में सर्जरी का नेतृत्व करने वाले न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय लैंगोन ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट के निदेशक रॉबर्ट मोंटगोमरी ने कहा, हमने पिछले दो महीनों के गहन अवलोकन और विश्लेषण के दौरान बहुत कुछ सीखा है, और हम इस कारण भविष्य के लिए आशान्वित हो सकते हैं। यह मोंटगोमरी द्वारा किया गया पांचवां तथाकथित जेनोट्रांसप्लांट था, जिन्होंने सितंबर 2021 में दुनिया का पहला आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर किडनी प्रत्यारोपण भी किया था। उनके अनुसार, अध्ययन के दौरान एकत्र किए गए ऊतक ने संकेत दिया कि एक हल्की अस्वीकृति प्रक्रिया शुरू हो गई थी, जिसके लिए इम्यूनोसप्रेशन दवा की तीव्रता की आवश्यकता थी। अल्फा-गैल नामक बायोमोलेक्यूल के लिए जिम्मेदार जीन को बाहर निकालकर - मानव एंटीबॉडी को घुमाने के लिए एक प्रमुख लक्ष्य - एनवाईयू लैंगोन टीम तत्काल अस्वीकृति को रोकने में सक्षम थी। इस प्रयोग में दाता सुअर वर्जीनिया स्थित बायोटेक कंपनी रेविविकोर द्वारा खेती किए गए झुंड से आया था। झुंड को खाद्य और औषधि प्रशासन द्वारा अल्फा-गैल अणु के प्रति अतिसंवेदनशीलता वाले लोगों के लिए मांस के स्रोत के रूप में भी अनुमोदित किया गया है, जो कुछ टिक काटने के कारण होने वाली एलर्जी है। इन सूअरों को पाला जाता है, क्लोन नहीं किया जाता है, जिसका अर्थ है कि प्रक्रिया को अधिक आसानी से बढ़ाया जा सकता है। प्रारंभिक जेनोट्रांसप्लांटेशन अनुसंधान ने प्राइमेट्स से अंगों की कटाई पर ध्यान केंद्रित किया - उदाहरण के लिए, 1984 में बेबी फे नामक एक नवजात शिशु में एक बैबून दिल प्रत्यारोपित किया गया था।

मेक्सिको में दिखाए एलियन शवों को वैज्ञानिकों ने नकारा, दावा करने वाले व्यक्ति को लेकर जताई निराशा

मेक्सिको सिटी ।
मेक्सिको की संसद में एलियंस के शव दिखाने के बाद दुनियाभर में परग्रही जीवों के अस्तित्व पर बहस छिड़ गई है। वैज्ञानिकों ने मैक्सिकन कांग्रेस में दिखाए गए एलियन के कथित शव को धोखाधड़ी बताया है। खुद को यूएफओ विशेषज्ञ बताने वाले पत्रकार जैमी मॉसन के उस दावे को भी नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ने झूठा बताया कि एलियन की कार्बन डेटिंग कराईगईहै। यूनिवर्सिटी के जूलियट फिएरो ने जैमी का दावा झूठा बताया।

नई बनाई गई गुड़िया बताया

मेक्सिको के अभियोजक के ऑफिस की एक रिपोर्ट में पाया गया कि शव सही मायनों में किसी नई बनाई गई डॉल (गुड़िया) के थे। इन डॉल्स की त्वचा को असली दिखने जैसा बनाया गया था और इसे कागज और सिंथेटिक गोंद के मिश्रण से ढक दिया गया था।

मैं इस आदमी के स्टंट से दुखी हूं : ग्रेव्स

मेक्सिको के रयान ग्रेव्स का सामना यूएफओ से हुआ था। उन्होंने मेक्सिको की कांग्रेस को लिखा है कि जैमी मॉसन की कहानी झूठी है। मैं इस आदमी के स्टंट से बेहद दुखी हूं।

ग्रेव्स अमेरिकी वायु नौसेना में रह चुके हैं।

यह है पूरा मामला

दरअसल, मंगलवार को मेक्सिको की संसद में दो एलियंस के शव का प्रदर्शन किया गया। दावा किया गया है कि यह दोनों एलियंस के शव 1000 साल से अधिक पुराने हैं। अब इस दावे ने एलियंस की मौजूदगी को लेकर दुनिया में नई बहस छेड़ दी है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एलियंस की इन लाश को पेरू के कुस्को से बरामद किया गया है। मेक्सिको की संसद में एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने दो कथित एलियंस के शव को दुनिया के सामने पेश किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मेक्सिको की संसद में दो गैर-मानव प्राणियों के अवशेष पेश किए गए, जिन्हें आसान भाषा में एलियंस का शव भी कहा जा सकता है।

बाइडन के अतिथि बनेंगे जेलेंस्की, पुतिन के खिलाफ लड़ाई में मदद हासिल करने पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले हफ्ते अमेरिका के वाशिंगटन का दौरा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वे इस दौरान रूस के साथ जारी जंग में उनके देश की मदद पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी मीडिया में भी गुप्त सूत्रों के हवाले से जेलेंस्की की इस यात्रा की पुष्टि की गई। जेलेंस्की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से व्हाइट हाउस में मिलेंगे और कैपिटल में ही रुकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार बाइडन प्रशासन ने कांग्रेस से यूक्रेन की मदद के लिए 24 अरब डॉलर उपलब्ध कराने की मांग की है। इनमें से 13.1 अरब डॉलर सैन्य सहायता के रूप में और 8.5 अरब डॉलर मानवीय सहायकता के रूप में यूक्रेन को दिए जाने हैं। हालांकि कुछ अमेरिकी राजनीतिज्ञ खास रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े नेताओं ने यूक्रेन को और अधिक सहायता दिए जाने का विरोध किया है। उनका दावा है कि यूक्रेनी सेना कई जगहों पर रूसी बलों को पीछे हटाने का प्रयास कर रही है। बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा के दौरान ही कांग्रेस में फेडरल स्पेंडिंग (संघीय खर्च) पर भी चर्चा होनी है, क्योंकि सांसदों को 30 सितंबर की समयसीमा से पहले बजट पारित करना है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी कांग्रेस ने अब तक 113 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता को मंजूरी दी है। लेकिन उनकी ओर से आखिरी फंडिग दिसंबर में हुई थी, उसके बाद रिपब्लिकन ने प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। बता दें कि धुर दक्षिणपंथी राजनेता इस बात पर अधिक अधिकार रखते हैं कि बजट कानून कैसे तय किया जाए। पिछले साल जुलाई में फ्लोरिडा के प्रतिनिधि मैट गेट्ज के नेतृत्व में 70 रिपब्लिकन सदस्यों ने यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता पूरी तरह बंद करने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू होने के बाद से जेलेंस्की की कैपिटल हिल की यह यात्रा उनकी दूसरी यात्रा होगी। उनकी पहली यात्रा

पिछले साल दिसंबर में हुई थी जब उन्होंने कांग्रेस के समक्ष एक भावुक भाषण दिया था, और रूसी आक्रामकता के खिलाफ सांसदों को एकजुट करने की कोशिश की थी।

पाकिस्तान की जर्नलिस्ट से रिश्तों पर फंसे यूएस डिप्लोमैट

रिचर्ड ओल्सन का अमेरिका में ट्रायल शुरू; दुबई के कारोबारी से लाखों के गिफ्ट भी लिए

वॉशिंगटन।
2012 से 2015 तक पाकिस्तान में अमेरिकी ऐम्बैस्डर रहे रिचर्ड ओल्सन को पद के गलत इस्तेमाल का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई जा सकती है। उनके खिलाफ एक अमेरिकी कोर्ट में सुनवाई चल रही है।
ओल्सन पर आरोप हैं कि उन्होंने इस्लामाबाद में पोस्टिंग के दौरान पाकिस्तान की महिला जर्नलिस्ट मोना हबीब के साथ नाजायज रिश्ते रखे, उसका अमेरिका से जर्नलिज्म का कोर्स कराने में मदद की और दुबई के कारोबारी से लाखों रुपए का हीरों का हार लिया।
ओल्सन पर आरोपों का खुलासा पिछले हफ्ते हुआ था। हालांकि तब पाकिस्तान की महिला जर्नलिस्ट का नाम सामने नहीं आया था। अब पहली बार इस जर्नलिस्ट का नाम सामने आया है। ओल्सन ने पहली पत्नी को तलाक देकर मोना से शादी भी कर ली है।

लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान में पोस्टिंग - अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को 2011 में पाकिस्तान के ऐबटाबाद में अमेरिकी सील कमांडोज ने मार गिराया था। इसके बाद अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्तों में जबरदस्त तनाव आ गया था। रिश्तों को पटरी पर लाने के लिए ओल्सन को पाकिस्तान में ऐम्बैस्डर बनाया गया था। हालांकि अब उनके करप्शन और पोस्ट मैरिटल अफेयर की कहानियां सामने आ रही हैं।
9 सितंबर को पहली बार ओल्सन पर गुपचुप चलाए जा रहे ट्रायल पर रिपोर्ट पब्लिश की थी। इसके बाद इस मामले पर कई मीडिया रिपोर्ट्स पब्लिश हुईं। इसके अलावा मोना हबीब का नाम भी सामने आ गया।
ओल्सन ने कोर्ट में दिए बयान में कहा-

पाकिस्तानी टीवी एंकर को मेरी पत्नी भी जानती थीं। मैंने इस्लामाबाद में हमारी खुफिया एजेंसी के स्टेशन चीफ को भी मोना के बारे में जानकारी दी थी। जहां तक दुबई के कारोबारी से हीरों का हार गिफ्ट में लेने की बात है तो यह गिफ्ट मेरी सास को दिया गया था, मुझे या मेरी पत्नी को नहीं दिया गया। लिहाजा, इस मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

अहम मुल्कों में तैनाती - ओल्सन पाकिस्तान के अलावा इराक और अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में भी अमेरिकी ऐम्बैस्डर रह चुके हैं। उन्हें दोषी पाया गया तो कम से कम 6 महीने और ज्यादा से ज्यादा 2 साल की सजा भी हो सकती है। 34 साल अमेरिकी विदेश मंत्रालय में काम करने के बाद ओल्सन 2016 में रिटायर हो चुके हैं। पहली पत्नी को तलाक देने के बाद उन्होंने मोना हबीब से शादी कर ली और इस वक्त न्यू मैक्सिको में उसके साथ ही रहते हैं। आरोप है कि जब वो यूएई में पोस्टेड थे तो उस दौरान उन्होंने दुबई के एक कारोबारी से 60 हजार डॉलर का हीरों का हार गिफ्ट लिया और यह बात छिपा ली। मामला सामने आया तो कहा कि यह गिफ्ट उन्हें नहीं, बल्कि उनकी सास को दिया गया था। इतना ही नहीं, ओल्सन ने पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी कारोबारी इमाद जुबैरी से कहा कि वो मोना हबीब की 25 हजार डॉलर की फीस भरें। मोना उस वक्त कोलंबिया यूनिवर्सिटी में जर्नलिज्म का कोर्स कर रहीं थीं।

कई महिलाओं से रिश्ते रहे - ओल्सन पर आरोप है कि पाकिस्तान में 3 साल पोस्टिंग के दौरान उनके कई महिलाओं से रिश्ते रहे। हालांकि उन्होंने इसके कई साल पहले एक अमेरिकी डिप्लोमैट से ही शादी कर ली थी। रूल्स के मुताबिक किसी भी अमेरिकी डिप्लोमैट को किसी विदेशी महिला से किसी भी प्रकार से रिश्तों की जानकारी विदेश मंत्रालय की इंटेलिजेंस टीम को देना जरूरी है। ओल्सन ने यह बात इस टीम को नहीं बताई। ओल्सन पर एक नया आरोप यह है कि उनके 18 हजार डॉलर के ट्रैवलिंग बिल कतर में कुछ लोगों ने दिए थे। ओल्सन के मामले में सजा का ऐलान 12 सितंबर को होना था।

नूंह हिंसा में कांग्रेस विधायक मामन खान गिरफ्तार

नूंह/गुरुग्राम (हिंस)। नूंह पुलिस की एसआईटी ने फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को शुक्रवार देररात नूंह हिंसा के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। खान को आज अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने अदालत परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी है। विधायक खान की गिरफ्तारी के बाद नूंह में धारा 144 लागू कर दी गई है। बाहरी क्षेत्र से नूंह में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। सीमा पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। गुरुग्राम पुलिस ने भी चौकसी बढ़ा दी है। मामन खान का गुरुग्राम में भी आवास है। जिला और पुलिस प्रशासन ने लोगों को जुमे की नमाज घर से ही अता करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को नूंह के नल्हड़ में ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद कांग्रेस विधायक मामन खान ने विधानसभा सत्र में मोनू मानेसर को लेकर बयान दिया था कि प्याज की तरह फोड़ देंगे। इसके बाद नूंह में हालात और बिगड़ गए थे। एसआईटी नूंह ने मामन खान को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजे, लेकिन वह नहीं पहुंचे। नूंह पुलिस ने दो दिन पहले मोनू मानेसर को सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद हत्या के केस में राजस्थान पुलिस ने मोनू मानेसर को ट्रांजिट रिमांड पर लिया था। मोनू मानेसर की गिरफ्तारी का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल विरोध कर रहे हैं।

आईएनडीआईए का कुछ पत्रकारों के बहिष्कार का फैसला इंदिरा के आपातकाल जैसा : अनुराग

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए द्वारा कुछ पत्रकारों के बहिष्कार के निर्णय की तुलना तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपातकाल से की है। संक्षिप्त यात्रा पर शुक्रवार को उदयपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि जिस तरह इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश की थी, उसी प्रकार आईएनडीआईए ने कुछ पत्रकारों के बहिष्कार का निर्णय किया है। यह लोकतंत्र की आवाज को दबाने की ही कोशिश है। उन्होंने राजस्थान की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहां महिला अत्याचार चरम पर है और कांग्रेस के नेता इस पर चुप हैं। मणिपुर हिंसा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सवाल उठाने वालों को राजस्थान में हुए कन्हैया हत्याकांड पर भी देखना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री की कानून-व्यवस्था पर कोई पकड़ नहीं है। यही कारण है कि कन्हैया हत्याकांड के दो आरोपियों की जमानत हो गई है। ठाकुर ने पेट्रोल पंपों की हड़ताल पर कहा कि राजस्थान में महंगाई चरम पर है, पेट्रोल-डीजल के भाव आसमान को छू रहे हैं। राजस्थान सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर वैट अब तक नहीं घटाया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लोगों में गुस्सा

श्रीनगर (हिंस)। अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में हुई एक मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के तीन अधिकारियों के सर्वोच्च बलिदान से पूरे जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लोगों में गुस्सा व आक्रोष देखा जा रहा है। जहां एक ओर गुरुवार व शुक्रवार को कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर कैंडललाइट मार्च निकाले गए तो वहीं दूसरी ओर गुरूवार को जम्मू में विभिन्न संगठनों ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी की और उसके झंडे जलाकर अपना रोष व्यक्त किया। क्योंकि उनका मानना है कि जो हमारे जवान व अधिकारी बलिदान हो रहे है, उसके पीछे केवल पाकिस्तान का ही हाथ है क्योंकि वह ही जम्मू कश्मीर में आतंकवादी भेज रहा है और उसे बढ़ावा दे रहा है। गुरूवार को कुपवाड़ा जिले के विभिन्न स्थानों पर मार्च आयोजित किए गए। कुपवाड़ा, हंदवाड़ा, लोलाब और करनाह उपजिलों में आयोजित कैंडल मार्च में मोमबत्ती की रोशनी में एकजुटता की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई। जिला कुपवाड़ा में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने मुख्य शहरों और गांवों से होकर मार्च निकाला, जिसमें विभिन्न समुदाय के लोगों ने भाग लिया। करनाह उपजिला में कैंडललाइट मार्च टीटवाल में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संपन्न हुआ। वहां समुदाय के नेताओं, दिग्गजों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने सभा को संबोधित किया और कर्तव्य के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सेना और पुलिस अधिकारियों के बलिदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। कुलगाम में नागरिक समाज के सदस्यों ने कर्नल मनप्रीत सिंह 19 आरआर के कमांडिंग ऑफिसर, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट को श्रद्धांजलि देने के लिए आज कैंडललाइट मार्च निकाला, जो अनंतनाग के कोकरनाग के गडोले इलाके में बुधवार को मुठभेड़ के दौरान बलिदान हुए थे। लोग कुलगाम में मुख्य बाजार और घंटाघर पर एकत्र हुए और मोमबत्तियां जलाकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं और एकजुटता व्यक्त की। बांदीपोरा में नागरिक समाज के सदस्य, पीआरआई, विभिन्न सार्वजनिक कार्यालयों के कर्मचारी, व्यापारी संघ और आम जनता सेना अधिकारियों और एक पुलिस अधिकारी की हत्या पर अपना दुख व्यक्त करने के लिए कैंडललाइट मार्च के लिए एक साथ आए।

मान सरकार ने पंजाब से उद्योगों का पलायन रोका : केजरीवाल

सरकार-उद्योगपति मिलनी कार्यक्रम में शामिल हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री

लुधियाना (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निरंतर प्रयासों से पंजाब से उद्योगों के पलायन पर रोक लगी है। अन्य राज्यों में जाने वाली इंडस्ट्री वापस पंजाब में आना शुरू कर दिया है। इससे औद्योगिक यूनिट राज्य में शिफ्ट होने लगे हैं। शुक्रवार को सरकार-उद्योगपति मिलनी कार्यक्रम में उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान 450 उद्योग अन्य राज्यों से पंजाब में शिफ्ट हो चुके हैं। इससे पहले उद्योगों का अन्य राज्यों की ओर जाने का रुझान था, जो पंजाब की ओर मुड़ गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में भगवंत सिंह मान की सरकार सत्ता में आने से औद्योगिक क्षेत्र में अच्छा माहौल मिला। पिछली सरकारों की हुकूमत के दौरान उद्योगपति फिरौती मांगने के व्यवस्था से बुरी तरह से ऊब चुके थे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने अमन-कानून की बेहतर व्यवस्था देने के साथ-साथ सुखद माहौल देकर उद्योगपतियों का भरोसा बहाल किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में देशभर में केवल पंजाबी ही चीन के एकाधिकार तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी उद्योगपतियों का किसी अन्य राज्य के साथ कोई मुकाबला नहीं, बल्कि उनको औद्योगिक तरक्की में चीन को पछाड़ने के लिए यत्न करने चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि यह यत्न करने का अब सबसे उपयुक्त मौका है क्योंकि पंजाब की सरकार हरेक तरह की मदद के लिए तैयार है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सेक्टर आधारित टास्क फोर्स का गठन करने की वकालत की। केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार के संजीदा यत्नों के स्वरूप राज्य में 50, 840 करोड़ रुपए का निवेश आया है। निवेश करने के लिए औद्योगिक दिग्गज आ रहे हैं, जिनका राज्य सरकार जोरदार स्वागत कर रही है। इस प्रयास से राज्य में रोजगार के 2.25 लाख अवसर पैदा होंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मिलनी वोटें मांगने के लिए नहीं है बल्कि यह भरोसा दिलाने के लिए की गई है कि हम उद्योगों के साथ खड़े हैं।

लुधियाना में आवासीय क्षेत्रों से उद्योगों को शिफ्ट करने के लिए तीन वर्ष की मोहलत : भगवंत

लेबर कॉलोनियों में बिजली मीटर और अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी

लुधियाना (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को और प्रोत्साहित करने के लिए आने वाले दिनों में औद्योगिक फोकल प्वाइंटों और औद्योगिक जोनों की कायाकल्प करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान शुक्रवार को लुधियाना में *सरकार- उद्योगपति मिलनी* कार्यक्रम में उद्योगपतियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि फोकल प्वाइंटों और औद्योगिक जोनों की हालत बहुत बुरी है, जिससे उद्योगों के विकास में रुकावट पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इन फोकल फोकल प्वाइंटों और औद्योगिक जोनों के व्यापक विकास से यह समस्या जल्द ही दूर हो जायेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नेक कार्य के लिए विस्तृत रूप-रेखा तैयार की गई है, जिससे उद्योगपतियों को सुविधा देने के साथ-साथ फोकल फोकल प्वाइंटों का चेहरा बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसी भी इमारत के निर्माण के लिए

इच्छुक उद्योगपतियों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी उद्योगपति ने बेसमैंट के लिए खुदाई करनी है तो उसके लिए इनवैस्ट पंजाब के पोर्टल पर अप्लाई करना होगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस खुदाई के लिए 72 घंटों में मंजूरी दी जायेगी और यदि इस समय में मंजूरी नहीं मिलती तो इसको स्वीकृत ही समझा जाएगा। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि रिहायशी इलाकों से शिफ्ट होने के लिए लुधियाना की उद्योग को तीन वर्षों की मोहलत दी जायेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार लुधियाना में उद्योग की तरक्की के लिए वचनबद्ध है जिसके लिए हर संभव यत्न किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उद्योगपतियों के सलाह-मश्वरे के साथ राज्य में नयी औद्योगिक नीति लागू की गई है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को इसका प्रयोग करना चाहिए और भविष्य में जरूरत पडने् पर इस में उचित संशोधन किया जायेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आने वाले दिनों में यह मिलनी जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में राज्य का स्थानीय स्तर पर किसी अन्य राज्य से कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य का उद्देश्य अब चीन के साथ मुकाबला कर उसे औद्योगिक क्षेत्र में पछाड़ना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रगतिशील और मेहनती उद्योगपतियों के सहयोग से ही संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य में असली मायनों में सिंगल विंडो सिस्टम वाली उद्योग समर्थकीय सरकार है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों में यह व्यवस्था केवल एक धोखा था क्योंकि किसी ने भी इसका असली अर्थों में प्रयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि पहले समझौतों पर परिवारों के साथ दस्तखत किए जाते थे परन्तु अब राज्य और यहाँ के लोगों के साथ किए जाते हैं।

बस ट्रेलर की भिड़ंत में 40 लोग घायल, 18 की हालत नाजुक

सिरोही (हिंस)। जिले के बाहरीघाटा में पुणे से पोकरण जा रही एक निजी बस ने आगे चल रही ट्रेलर को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद वहां कोहराम मच गया। हादसे में 40 लोगों के घायल होने की सूचना है जिसमें से 18 की हालत गंभीर है। एसआई पूराराम ने बताया कि पुणे महाराष्ट्र से निजी ट्रेवल्स की बस करीब 70 लोगों को लेकर पोकरण जा रही थी। निजी ट्रेवल्स कंपनी की तेज रफ्तार बस ने आगे चल रहे ट्रेलर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में 40 लोगों को चोटें आई है, जबकि 18 लोग गंभीर रुप से घायल हैं। निजी ट्रेवल्स की बस कोतवाली थाने के बाहरी घाटा हनुमानजी मंदिर के आगे धीमी गति से चल रहे ट्रेलर के पीछे से जा भिड़ी। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। हादसे में बस चालक तथा उसके पास बैठे व्यक्ति के पैर में गंभीर चोट आई है। बस के टकराने का अंदाजा इसी बात से लगाए जा सकता है कि बस के केबिन में सो रहे लोग केबिन से निकलकर बाहर सड़क पर जा गिरे। इसके बाद बस में कोहराम मच गया। हादसे में घायल सभी यात्रियों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

राजस्थान में पेट्रोल पंपों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, 60 पंपों पर मिल रहे पेट्रोल-डीजल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में शुक्रवार सुबह छह बजे से प्रदेश के पेट्रोल पंप संचालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी है। इससे पहले 13 और 14 सितंबर को दो दिन की सांकेतिक हड़ताल की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आने के बाद राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने गुरुवार शाम को अनिश्चित काल के लिए पेट्रोल पंप बंद करने का फैसला लिया। हालांकि प्रदेश में कंपनियों द्वारा संचालित 60 पंपों चालू हैं। यहां पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी और महासचिव शशांक कोरानी ने बताया कि प्रदेश के किसी भी पंप पर न तो बिक्री रहेगी और न ही डिपो से माल खरीदेंगे। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन और राजस्थान सरकार के बीच हुई वार्ता बिगड़ गई। राज्य में पंजाब के बराबर वैट कम करने का मामला गुरुवार शाम को तूल पकड़ गया है। गुरुवार शाम को राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि बुधवार और गुरुवार को पेट्रोल पंपों की सांकेतिक हड़ताल की समय सीमा गुरुवार शाम को खत्म होने के बाद पंजाब व अन्य राज्यों के समान वैट कम करने की मांग को लेकर खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से वार्ता हुई। लेकिन, सरकार वैट की दरें कम करने को तैयार नहीं हुई। अब पूर्व घोषणा के अनुसार शुक्रवार सुबह छह बजे से प्रदेश के 6900 पेट्रोल पंप अनिश्चितकालीन समय के लिए बंद कर दिए गए हैं। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा केन्द्र की एक्साइज डयूटी के कारण पेट्रोल-डीजल राज्य में मंहगे बिक रहे हैं। केंद्र सरकार एक्साईज डयूटी कम करे। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन की मांगों पर सरकार विचार करेगी। जनहित में पेट्रोल पंपों का अनिश्चितकालीन बंद का निर्णय वापस लेना चाहिए। राजधानी जयपुर में तेल कंपनियां आठ पेट्रोल पंप संचालित करती है। विद्याधर नगर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम, दौलतपुरा चंदवाजी रोड स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम, अजमेर पुलिया के पास जैकब के कोने पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम, मानसरोवर तिब्बती मार्केट के पास इंडियन ऑयल, सेंट्रल जेल के सामने इंडियन ऑयल, सहकार मार्ग बाइस गोदाम सर्किल पर भारत पेट्रोलियम व जगतपुरा और सीतापुरा में भारत पेट्रोलियम का संचालन जारी रहेगा। हालांकि, जैसलमेर और अलवर में हड़ताल का असर नहीं होने से एसोसिएशन में फूट भी सामने आई है। इसके अलावा जोधपुर में भी सांकेतिक हड़ताल के दौरान कुछ पंप काम करते रहे। जोधपुर समेत अलवर और जैसलमेर में भी पेट्रोल-डीजल मिल रहा है। जोधपुर के पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि इन दिनों रामदेवरा जाने वाले जातरूओं की काफी भीड़ है। शहर के मेडिकल कॉलेज और 12वीं रोड स्थित पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि ये जातरू बाइक से लंबी दूरी तय कर यहां पहुंच रहे हैं। और, जब पेट्रोल नहीं मिलता है तो परेशानी होती है। इसलिए इन जातरूओं को मना नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा जो भी रिक्वेस्ट कर रहे हैं उन्हें भी पेट्रोल दिया जा रहा है। जोधपुर के अलावा जैसलमेर और अलवर में भी इस हड़ताल का असर दूसरे दिन नहीं देखने को मिला। जैसलमेर के पेट्रोल पंप ऑपरेटर्स ने बताया कि ये रिमोट एरिया है और यहां एक दिन पहले बुधवार को सांकेतिक स्ट्राइक कर चुके हैं। अलवर पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन खेरिया का कहना है कि एसोसिएशन की मांगें अधिक तर्क संगत नहीं है। इस कारण से अलवर पेट्रोल डीलर एसोसिएशन इसमें शामिल नहीं है। राजस्थान के पेट्रोल डीलर्स पड़ोसी राज्य पंजाब के समान वेट लागू करने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि पंजाब व राजस्थान के बीच पेट्रोल के दामों में प्रति लीटर 11.52 रुपए का अंतर है। इसी तरह डीजल में करीब 6.43 रुपए का अंतर है। इससे लगातार प्रदेश में बिक्री घट रही है।

रोडवेज सांझा मोर्चा ने किया 21 को दो घंटे चक्का जाम करने का एलान

हिसार (हिंस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने हिसार रोडवेज महाप्रबंधक के रवैए के खिलाफ शुक्रवार को आंदोलन का एलान कर दिया है। सांझा मोर्चा ने 21 सितंबर को दो घंटे सांकेतिक चक्का जाम करने की घोषणा की है वहीं चेतावनी दी है कि यदि इस पर भी जीएम ने रवैया नहीं सुधारा तो हड़ताल लंबी खिंच सकती है, जिसकी जिम्मेवारी रोडवेज महाप्रबंधक व विभाग के उच्चाधिकारियों की होगी। इस संबंध में हरियाणा रोडवेज सांझा मोर्चा से जुड़ी यूनियनों के हिसार डिपो पदाधिकारियों ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता करके हिसार डिपो महाप्रबंधक पर अनेक आरोप जड़े और कहा कि उनकी वजह से डिपो में आए दिन तनावपूर्ण माहौल रहता है। सांझा मोर्चा नेता सुभाष ढिल्लो, रमेश श्योकंद, राजबीर दुहन, अजय दुहन, जितेन्द्र शर्मा, राजकुमार चौहान, नरेंद्र खरड़, अरूण शर्मा एवं अन्य ने कहा कि महाप्रबंधक अपनी पूरी हठधर्मिता अपनाए हुए हैं । वे डिपो को ऊपर उठाने की बजाय हर कर्मचारी को व हर यूनियन पदाधिकारी को तंग और परेशान करने के सिवाय कोई भी कार्य नहीं कर रहे हैं। महाप्रबंधक इस बात का झूठा प्रचार कर रहे हैं कि कर्मचारी यूनियनों के प्रधान उन्हें काम नहीं करने देते और वे केवल अपना काम करवाना चाहते हैं। महाप्रबंधक को झूठ बोलने की आदत है और वे झूठ बोलकर परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों को भी गुमराह कर रहे हैं। हिसार डिपो आमदनी के मामले में सबसे पीछे है और उसके बावजूद भी आंकड़ों को तोड़ मरोड़ करके, बसों को ब्रेक डाउन नही दिखा करके, आंकड़े तोड़ मरोड़ करके आज अपना स्थान गलत तरीके से मेंटेन किए हुए हैं जबकि यूनियनों के प्रधान कोई भी गलत काम नहीं करवाते। परिवहन विभाग को ऊपर उठाने का प्रयास यूनियन के पदाधिकारी करते हैं। महाप्रबंधक कोई भी एक ऐसा कार्य गिनाए जिससे यूनियन के नेताओं ने महाप्रबंधक के ऊपर दबाव डाला हो। उन्होंने कहा कि यूनियनों के पदाधिकारी अपने कार्य के साथ-साथ कर्मचारियों की और विभाग की सेवा भी करते हैं।

बजरंग दल शौर्य यात्रा : मुकाम से रवाना होगी, समापन 22 को खाजूवाला में

बीकानेर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के युवा संगठन बजरंग दल की ओर से शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। बीकानेर जिले में 16 सितंबर, शनिवार को मुकाम से यात्रा का आगाज होगा। इसका समापन सीमावर्ती खाजूवाला में होगा। विहिप के विभाग मंत्री विनोद सेन इसके लिए प्रखंडवार तैयारी बैठकें कर रहे हैं। इसी कड़ी में विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की लक्ष्मीनाथ प्रखंड की बैठक संपन्न हुई। विभाग मंत्री विनोद सेन ने बताया कि 25 सितंबर तक जोधपुर प्रांत की बजरंग दल की शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। उपरोक्त शौर्य यात्रा बीकानेर विभाग के मुकाम से प्रारंभ होकर नोखा, पांचू, देशनोक, नापासर,

नौरंगदेसर, पूनरासर धाम, मोमासर, तोलियासर भेरूजी, श्रीडूंगरगढ़, कालू, लूणकरणसर होती हुई बीकानेर में प्रवेश करेगी। 18 सितंबर 2023 को प्रात: काल 8 बजे उरमूल सर्किल पर शौर्य यात्रा का स्वागत करते हुए करणीमाता प्रखंड, बजरंग, लक्ष्मीनाथ, गंगाशहर, शिव प्रखंड होते हुए शाम को 7.30 बजे नागणेचेजी प्रखंड के तुलसी सर्किल पर भव्य धर्म यात्रा आयोजित की जाएगी। 19 सितंबर को दोपहर पश्चात केईएम रोड, कोटगेट, दाऊजी मंदिर, सोनगिरी कुंआ, जसुसर गेट होती हुई, श्रीकोलायत के लिए प्रस्थान करेगी। 20 सितंबर को श्रीकोलायतजी होते हुए बज्जू, पुगल, दंतोर, छत्तरगढ़, रावला होते हुए दिनांक 22 सितंबर सायं 7:00 बजे खाजूवाला में भव्य धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। संपूर्ण यात्रा विभाग संयोजक दुर्गासिंह शेखावत एवं सह संयोजक मुरलीधर छिंपा के नेतृत्व में संपन्न होगी। यात्रा बीकानेर ग्रामीण जिला के जिला मंत्री सतीश जी झंवर, सह विभाग मंत्री महावीर सिंह राजपुरोहित, बीकानेर महानगर में सह संयोजक विक्रम सिंह रावत एवं योगेश सोनी एवं खाजूवाला जिले में प्रखंड मंत्री राजकुमार जी ठौलिया, सह मंत्री नरपत सिंह जी एवं संयोजक प्रशांत जी के नेतृत्व में संपन्न होगी।

अंबाला में लाठीचार्ज के विरोध में थाली बजाते हुए सड़कों पर उतरीं आशा वर्कर्स

फतेहाबाद (हिंस)। अंबाला में 13 सितंबर को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही आशा वर्करों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में फतेहाबाद जिले की सेंकड़ों आशा वर्कर्स शुक्रवार को हड़ताल करते हुए सड़कों पर उतरीं और प्रदेश सरकार के खिलाफ जम कर रोष प्रदर्शन किया। हाथों में थाली बजा कर प्रदर्शन कर रहीं आशा वर्करों ने सरकार को जगाने की बात कही। प्रदर्शन के बाद आशा वर्करों ने डीएसपी जगदीश काजला को मांग पत्र भी सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता आशा वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने की व संचालन सुनीता भोजराज ने किया। आशा वर्करों के प्रदर्शन को सर्व कर्मचारी संघ ने भी अपना समर्थन दिया और संघ सदस्य प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन से पूर्व आशा वर्करों को संबोधित करते हुए जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर प्रदेश की आशा वर्कर 8 अगस्त से लगातार हड़ताल पर हैं, परंतु सरकार उनसे बातचीत करने को तैयार

नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पहले यूनियन प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया जाता है, लेकिन बाद में उसे कैंसिल कर दिया जाता है। सरकार के इस रवैए से प्रदेश की आशा वर्कर्स में भारी गुस्सा है।

कृषि शिक्षा मेले में दिखाई देंगे रोजगार के अवसर हजार : कुलपति डॉ. अजीत

उदयपुर (हिंस)। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कृषि विषय लेकर पढ़-बढ़ रहे युवाओं को अपने सुनहरे भविष्य के बारे में तनिक भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। कृषि एक ऐसा विराट और विहंगम क्षेत्र है, जहां रोजगार के एक-दो नहीं बल्कि हजार अवसर हैं। सामुदायिक विज्ञान, मत्स्य पालन, डेयरी और खाद्य प्रौद्योगिकी कृषि इंजीनियरिंग आदि कृषि जैसे वट वृक्ष की शाखाएं हैं, जहां एक सफल उद्यमी होने के अलावा सरकारी निजी क्षेत्रों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में भविष्य के पर्याप्त अवसर हैं। यह बात महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि कृषि की महत्ता दो वर्ष पूर्व आई महामारी ने समझाई। खेती एक पुरानी विधा है। महामारी के दौरान सारे उद्योग धन्धे प्रभावित हुए, लेकिन खेती-किसानी कोई प्रतिकूल असर नहीं हुआ। जंगल कट चुके हैं और मौसम तंत्र गड़बड़ा जाने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। हर फसल को जमने के लिए एक निश्चित तापमान की आवश्यकता होती है। जरूरत इस बात है कि कृषि में *आउट ऑफ बाक्स* की सोच रखने वाले युवाओं को कृषि क्षेत्र में आगे आना होगा एवं बदलते मौसम तंत्र के अनुसार खेती में कुछ नवाचार करने होंगे। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों का कृषि के प्रति अभी से विजन खुलना चाहिए ताकि वे कृषि में नए स्टार्टअप से अपनी व अपने देश की तरक्की में एक नया आयाम जोड़ सकें। इसी ध्येय से उदयपुर में 16 सितंबर को एक दिवसीय *कृषि शिक्षा मेला* होने जा रहा है। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के नूतन सभागार में होने वाले इस मेले में उदयपुर जिले में कृषि संकाय में अध्ययनरत साढ़े तीन से ज्यादा छात्र-छात्राएं, स्कूलों के प्रार्चाय प्रतिभागी बनेंगे जिन्हें कृषि वैज्ञानिक नई राह दिखाएंगे। कुलपति डॉ. कर्नाटक ने बताया कि आई.सी.ए.आर. से सम्बद्ध राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत होने जा रहे इस आयोजन का मूल उद्देश्य ही छात्रों और शिक्षकों को कृषि शिक्षा के ज्ञान और महत्व से परिचित कराना है। साथ ही कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को आकर्षित करना है। कार्यक्रम में देश भर के नामचीन कृषि विशेषज्ञ छात्रों को कृषि में भविष्य अवसरों का दिग्दर्शन कराएंगे। यही नहीं, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पढ़कर निकले वे पूर्व छात्र जो आज न केवल आत्मनिर्भर व सफल उद्यमी हैं, बल्कि सैकड़ों को रोजगार भी मुहैया करा रहे हैं, स्कूली छात्रों से रूबरू होंगे और कृषि क्षेत्र में असीम संभावनाओं का परिदृश्य प्रस्तुत करेंगे। प्रेसवार्ता में प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. पीके सिंह ने एक दिवसीय कृषि शिक्षा मेले की उपादेयता पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मीनू श्रीवास्तव ने बताया कि मेले में उदयपुर जिले के 20 विद्यालयों के लगभग 300 छात्र-छात्राओं, प्राचार्य एवं स्टाफ को आमंत्रित किया गया है ताकि वे कृषि की महत्ता को समझते हुए विद्यार्थियों को इस विषय के चयन के लिए प्रेरित कर सकें। एक दिवसीय कृषि मेले के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि शेर-ए-कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू के पूर्व कुलपति डॉ. जेपी शर्मा होंगे, जबकि अध्यक्षता मप्र कृप्रौविवि के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक करेंगे। विश्वविद्यालय की सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. लतिका व्यास ने बताया कि कृषि शिक्षा मेला आयोजन के चार सत्र होंगे।

एपीलेट ट्रिब्यूनल की 31 बेंच के लिए नोटिफिकेशन जारी: जीएसटी से जुड़े विवाद सुलझाने में तेजी आएगी, अभी हाई कोर्ट जाना पड़ता है

नई दिल्ली।

6 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद, केंद्र सरकार ने जीएसटी एपीलेट ट्रिब्यूनल स्थापित करने का नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन में बताया गया है कि 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जीएसटी एपीलेट ट्रिब्यूनल की 31 राज्य पीठों की स्थापना की जाएगी।

मार्च में संसद ने वित्त विधेयक में बदलाव को मंजूरी दी थी, ताकि जीएसटी से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अपीलेट ट्रिब्यूनल की स्थापना हो सके। वर्तमान में, कर अधिकारियों के फैसले से असंतुष्ट करदाताओं को संबंधित उच्च न्यायालयों में जाना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 3 बेंच होंगी

नोटिफिकेशन के मुताबिक उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 3 बेंच होंगी। वहीं गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में 2-2 बेंच होंगी। अन्य जगहों पर सिर्फ एक बेंच होगी। दिल्ली को छोड़कर ज्यादातर केंद्र शासित प्रदेशों में कोई स्वतंत्र पीठ नहीं है।

जीएसटी मामलों के लिए कोई विशेष बेंच नहीं

उच्च न्यायालय पहले से ही लंबित मामलों के बोझ से दबे हुए हैं और उनके पास जीएसटी मामलों से निपटने के लिए कोई विशेष बेंच नहीं है। इसलिए जीएसटी से जुड़े विवादों की समाधान प्रक्रिया में काफी ज्यादा समय लग जाता है 2017 में लागू किया गया था जीएसटी 2017 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स पूरे भारत में लागू किया गया था, लेकिन शिकायतों के निपटारे के लिए कोई उचित एपीलेट मैकेनिज्म नहीं था। ऐसे में जुलाई 2022 में जीएसटी ट्रिब्यूनल्स की स्थापना को लेकर मंत्रियों के एक समूह का गठन किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

टाइम की वर्ल्ड बेस्ट कंपनीज 2023 की लिस्ट में इंफोसिसः टॉप-100 में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी, माइक्रोसॉफ्ट टॉप पर

नई दिल्ली। आईटी की दिग्गज कंपनी इंफोसिस टाइम मैगजीन की वर्ल्ड बेस्ट कंपनीज 2023 की लिस्ट में टॉप-100 में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी है। बेंगलुरु बेस्ड इंफोसिस ने 88.38 के ओवरऑल स्कोर के साथ 750 ग्लोबल कंपनीज में 64वां स्थान हासिल किया है। 1981 में बनी इंफोसिस एक लिस्टेड ग्लोबल कंसल्टिंग और आईटी सर्विसेस कंपनी है। जिसमें कंपनी की वेबसाइट के अनुसार 3,36,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज हैं। 40 साल से ज्यादा समय से चल रही कंपनी का दावा है कि उसने कुछ ऐसे बड़े चेंजेस किए हैं, जिसकी वजह से भारत सॉफ्टवेयर सर्विसेस टैलेंट के लिए ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। इंफोसिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर लिखा, हम टॉप-3 ग्लोबल प्रोफेशनल सर्विसेस फर्म में से एक हैं और टॉप-100 ग्लोबल रैंकिंग में भारत से एकमात्र ब्रांड हैं। टाइम और स्टेटिस्टा द्वारा तैयार की गई वर्ल्ड बेस्ट कंपनीज 2023 की लिस्ट में टॉप-4 में जो ऑर्गेनाइजेशंस शामिल हैं, वे सभी बड़ी टेक कंपनियां हैं और अमेरिका में स्थित हैं। इस लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट टॉप पर है। एपल दूसरे, अल्फाबेट तीसरे और मेटा प्लेटफॉर्म चौथे नंबर पर है। एक्सेंचर, फाइजर, अमेरिकन एक्सप्रेस, इलेक्ट्रीसाइट डी फ्रांस, डेल टेक्नोलॉजीज, डेल्टा एयरलाइंस, एनेल, स्टारबक्स कॉर्प, फॉक्सवैगन ग्रुप, जनरल मोटर्स, एलेवेंस हेल्थ, बॉश, फोर्ड और जॉनसन एंड जॉनसन टॉप 20 में शामिल हैं। इंफोसिस न केवल टॉप-100 में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी है, बल्कि लिस्ट में टॉप-3 ग्लोबल प्रोफेशनल सर्विसेस कंपनियों में से भी एक है। इंफोसिस के अलावा प्रोफेशनल सर्विसेस कंपनियों में एक्सेंचर (रैंक 4) और डेलॉइट (रैंक 36) के नाम भी शामिल हैं। टाइम ने दुनिया में टॉप परफॉर्मिंग कंपनियों की पहचान करने के लिए इन पैमानों पर फोकस किया है- एम्प्लॉई सेटिस्फेक्शन, रेवेन्यू ग्रोथ, सस्टेनेबिलिटी और एनवायरमेंटल, सोशल एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस । माइक्रोसॉफ्ट ने अपने सबसे हालिया एफवाय में 5.98 लाख करोड़ रु कमाए टाइम ने बताया कि टॉप पर रही माइक्रोसॉफ्ट ने अपने सबसे हालिया फाइनेंशियल ईयर में 72 बिलियन डॉलर यानी 5.98 लाख करोड़ रुपए कमाए, जो 2020 से 63 प्रतिशत की ग्रोथ है, जबकि कंपनी के ओवरऑल एमिशन में 0.5 प्रतिशत की कमी आई है। एक्सेंचर की किसी भी कंपनी की तुलना में हाईएस्ट इएसजी रैंकिंग है डबलिन बेस्ड एक्सेंचर की लिस्ट में मौजूद किसी भी कंपनी की तुलना में हाईएस्ट इएसजी रैंकिंग है। कंपनी 2025 तक नेट-जीरो एमिशन तक पहुंचने के लिए कमिटेड है और 2019 के बाद से उसके एमिशन में काफी कमी आई है।

तिहाड़ नहीं जाएंगे स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंहः क्रेडिट सुइस का 12.45 करोड़ चुकाया, सुप्रीम कोर्ट ने 22 सितंबर की डेडलाइन दी थी

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने क्रेडिट सुइस को 1.5 मिलियन डॉलर यानी करीब

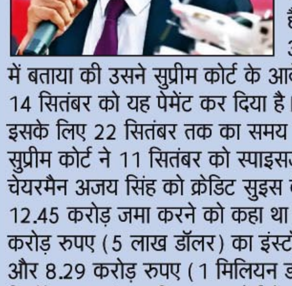

12.45 करोड़ रुपए का बकाया चुका दिया है। कंपनी ने इस बात की जानकारी दी है। कंपनी ने अपने स्टेटमेंट में बताया की उसने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 14 सितंबर को यह पेमेंट कर दिया है। कंपनी को इसके लिए 22 सितंबर तक का समय दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 सितंबर को स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह को क्रेडिट सुइस केस में 12.45 करोड़ जमा करने को कहा था। इसमें 4.15 करोड़ रुपए (5 लाख डॉलर) का इंस्टॉलमेंट पेमेंट और 8.29 करोड़ रुपए (1 मिलियन डॉलर) का डिफॉल्ट अमाउंट शामिल था। कोर्ट ने एयरलाइन के चेयरमैन को डेडलाइन के भीतर पेमेंट नहीं करने पर तिहाड़ (जेल) भेज देने की चेतावनी दी थी। जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने 2015 के इस क्रेडिट सुइस मामले की सुनवाई की है। जजों ने कहा था- यह (मामला) काफी हो गया, अब हमें काफी कठोर स्टेप लेने होंगे। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता अगर स्पाइसजेट शट-डाउन हो जाए या बंद हो जाए, लेकिन अजय सिंह को सहमति की शर्तों को मानना ही होगा। स्विट्जरलैंड बेस्ड कंपनी टेक्निक्स (क्रेडिट सुइस) के साथ स्पाइस जेट ने साल 2011 में विमान इंजन के मेंटेनेंस के लिए 10 साल की डील की थी। साल 2013 में क्रेडिट सुइस ने स्पाइसजेट पर समय पर पेमेंट नहीं करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया था। मामले की सुनवाई करते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट को 2021 तक बंद कर देने का आदेश दे दिया था। हाइकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ स्पाइसजेट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी।

आरबीआई ने जारी की अपर लेयर एनबीएफसी की लिस्ट

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस टॉप पर, बजाज और श्रीराम फाइनेंस समेत 15 कंपनियां लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 14 सितंबर को साल 2023-24 के लिए नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी यानी एनबीएफसी की लिस्ट का ऐलान किया है। आरबीआई ने स्केल बेस्ड रेगुलेशन के तहत इस अपर लेयर एनबीएफसी की लिस्ट में 15 कंपनियों को शामिल किया है। इस लिस्ट में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस टॉप पर है। वहीं बजाज फाइनेंस दूसरे, श्रीराम फाइनेंस तीसरे और टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड चौथे नंबर पर शामिल है।

एनबीएफसी सेक्टर के बढ़ते साइज और उससे जुड़े रिस्क के दूसरे सेक्टर पर बढ़ते असर को देखते हुए रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी के लिए अक्टूबर 2022 से नए नियमों को जारी किया था। इसमें साइज और कारोबार के हिसाब से एनबीएफसी की 4 कैटेगरी बनाई गई हैं।

कैटेगरी का उद्देश्य कंपनी के विस्तार के साथ उसके लिए आवश्यक नियमों को बढ़ाना है। आसान भाषा में कहें तो इनमें से एनबीएफसी -अपर लेयर के नियम करीब-करीब वैसे हैं, जैसे बैकों के लिए दिए हैं। नियमों के मुताबिक, देश की टॉप-10 एनबीएफसी इस लिस्ट में बनी रहती हैं और इनके अलावा रिजर्व बैंक और किसी कंपनी को चाहे तो इसमें शामिल कर सकता है।

क्या है स्केल बेस्ड रेगुलेशन

एनबीएफसी का महत्व इस लिए है कि उन्होंने उस जगह तक लोगों की आर्थिक जरूरतों को पूरा किया, जहां बैंक नहीं पहुंच सकते थे। एनबीएफसी के द्वारा दूर दराज तक वित्तीय सेवाओं को पहुंचाने की खासियत की वजह से इन्हें बढ़ावा दिया गया और इसके लिए नियम उतने सख्त नहीं रखे गए जितने बैंकों के लिए होते हैं।

हालांकि, समय के साथ कई एनबीएफसी का साइज बढ़ा और इसी के साथ ही उनके साथ उनसे जुड़े जोखिमों का आकार भी बढ़ा और वो ऐसी जगह पर पहुंच गए, जहां उनसे जुड़े जोखिमों का दूसरे सेक्टर पर असर देखने को मिल सकता था।

कोविड ने इस कमजोरी को सामने रखा। इसे देखते हुए अक्टूबर 2021 में रिजर्व बैंक ने एक प्रस्ताव रखा, जिसमें स्केल पर आधारित नियमों की बात कही गई। यानि आकार में जितनी बड़ी कंपनी उसके लिए उसी के अनुसार रेगुलेशन रखे गए। एक साल बाद रिजर्व बैंक ने ऐसी 4 कैटेगरी से जुड़े नियमों को जारी कर दिया।

एनबीएफसी की कितनी है कैटेगरी

रिजर्व बैंक ने स्केल बेस्ड रेगुलेशन में 4 कैटगरी रखी हैं। जिसमें से 3 कैटेगरी में कंपनियों को रखा गया है। सबसे नीचे बेस लेयर आती है, जिसमें 1000 करोड़ रुपए से कम के एसेट साइज की कंपनियां शामिल की जाती हैं। मोटे तौर पर इसमें वो कंपनियां आती हैं, जिनका कारोबार सीमित हो यानि वो स्पेस्फिक अकाउंट एग्रीगेटर, नॉन-ऑपरेटिव होल्डिंग कंपनी) हों या फिर जिनका कस्टमर इंटरफेस न हो।

इससे ऊपर मिडिल लेयर आती है। इसमें सभी डिपॉजिट स्वीकार करने वाली कंपनियां शामिल की जाती हैं। भले ही इनका एसेट साइज कितना हो, वहीं डिपॉजिट न स्वीकार करने वाली कंपनियां जिनका एसेट साइज 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो। इंफ्रा डेट फंड- एनबीएफसी, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां, इंफ्रा फाइनेंस कंपनी एनबीएफसी में शामिल की जाती हैं। यहां बेस लेयर से ज्यादा रेगुलेशन होते हैं। फिर इसके ऊपर अपर लेयर कंपनियां आती हैं। जिनका साइज काफी बड़ा होता है और इनके लिए नियम करीब-करीब वैसे ही होते हैं, जैसे बैंकों के लिए होते हैं। एसेट साइज के आधार पर टॉप-10 एनबीएफसी अपर लेयर में बनी रहती हैं। वहीं कई अन्य पैरामीटर होते हैं, जिनके आधार पर रिजर्व बैंक कुछ अन्य कंपनियों को इसमें शामिल कर सकता है। सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी को फिलहाल अपर लेवल में शामिल नहीं किया जाएगा, वो या तो बेस लेवल में या फिर मिडिल लेवल में रहेंगी।

वहीं सबसे ऊपर टॉप लेयर कंपनियां आती हैं। सैद्धांतिक रूप से ये लेवल खाली रखा गया है। हालांकि, अगर रिजर्व बैंक को लगता है कि अपर लेवल में शामिल कोई एनबीएफसी ऐसी जगह पहुंच गई है कि उसके साथ सिस्टमैटिक रिस्क भी बढ़ गई है तो ऐसी कंपनियों को बैंक टॉप लेयर में भेज दिया जाएगा।

अगस्त में घरेलू हवाई यात्री 23 प्रतिशत बढ़े

1.24 करोड़ लोगों ने सफर किया, विमान ईंधन तीन साल में 90 प्रतिशत महंगा

नई दिल्ली।

अगस्त में सालाना आधार पर देश में घरेलू हवाई यात्री 23 प्रतिशत बढ़े। कुल 1.24 करोड़ यात्रियों ने अगस्त में हवाई यात्राएं कीं। पिछले साल यानी अगस्त 2022 में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ था। वहीं 3 साल में हवाई ईंधन यानी एटीएफ के दाम 90 प्रतिशत बढ़े हैं। डॉयरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की ताजा रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी से अगस्त के बीच अब तक 10.06 करोड़ यात्री घरेलू रूट पर हवाई यात्रा कर चुके हैं। जनवरी-अगस्त 22 के बीच यह संख्या 7.7 करोड़ थी। यानी इस साल अब तक घरेलू रूट पर ट्रैफिक 30 प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं 92 लाख हवाई यात्री अंतरराष्ट्रीय रूट पर यात्रा कर चुके हैं। प्री कोविड लेवल यानी 2019 के मुकाबले, ये 27 प्रतिशत ज्यादा हैं। सेंजर ट्राफिक में एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने इस महीने भी बाजी मार ली। अगस्त 2023 में कुल 78.67 लाख यात्रियों ने इंडिगो के जरिए यात्रा की। इस एयरलाइंस का मार्केट शेयर कुल 63.3 प्रतिशत रहा है। वहीं जुलाई 2023 में इंडिगो का शेयर 63.4 प्रतिशत रहा था।

हवाई यात्री प्री-कोविड से अब 6 प्रतिशत ज्यादा

यात्रियों की संख्या प्री कोविड लेवल यानी अगस्त-2019 से भी 6 प्रतिशत अधिक रही। अप्रैल-अगस्त 6.31 करोड़ एयर पैसेंजर थे। सालाना आधार पर 20 प्रतिशत ज्यादा रहा। एयर टरबाइन फ्यूल की कीमतें अभी 1.21 लाख रुपए किलोलीटर के आसपास हैं। 2020 के मुकाबले रेट करीब दोगुने हैं। तब एटीएफ के रेट 64 हजार रु/किली थे। 2022-23 में सभी एयरलाइंस कंपनियों को कुल 17 हजार करोड़ रु. का घाटा हुआ। 2021-22 में एयरलाइंस कंपनियों को 23000 करोड़ रु. से अधिक का घाटा हुआ था।

प्रतिबंधों के कारण रूस में फंसे 60 करोड़ रुपये, क्रूड खरीदने का विकल्प तलाश रहीं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

भारतीय तेल कंपनियां रूस में फंसे 60 करोड़ डॉलर के अपने लाभांश से रूसी कच्चा तेल खरीदने की संभावनाएं तलाश रही हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के रूस पर लगाए प्रतिबंधों के कारण पैसा भारत नहीं लाया जा सका है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया, भारत की शीर्ष-4 पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. की एक इकाई, ऑयल इंडिया लि. और ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) रूसी तेल एवं गैस क्षेत्रों में अपने निवेश से अर्जित लाभांश आय को नहीं ला सकी हैं। वह पैसा रूस में उनके बैंक खातों में पड़ा हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि एक विकल्प यह है कि रूसी बैंकों के खातों में पड़े पैसे को कच्चा तेल खरीदने वाली कंपनियों को कर्ज के रूप में

दिया जा सकता है। ये कंपनियां भारत में ऋण चुका सकती हैं। एक अधिकारी ने कहा, हम इस कदम को लेकर कानूनी और वित्तीय प्रावधान देख रहे हैं। हम प्रतिबंधों के प्रति सचेत हैं। ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते, जिससे किसी भी तरह के उल्लंघन का मामला बनता हो।

अगस्त महीने में देश का निर्यात 6.86 प्रतिशत घटा, आयात के आंकड़ों में दर्ज की गई कमी

नई दिल्ली । भारत का निर्यात अगस्त महीने में 6.86 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और यह 34.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले साल अगस्त महीने में महीने में यह 37.02 अरब डॉलर पर था। अगस्त महीने में देश के आयात के आंकड़े में भी गिरावट दर्ज की गई। देश का आयात अगस्त महीने में 5.23 प्रतिशत कम होकर 58.64 अरब डॉलर रहा। अगस्त 2022 में यह 61.88 अरब डॉलर था। अगस्त महीने में देश का व्यापार घाटा 24.16 अरब डॉलर रहा। इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच देश के निर्यात में 11.9 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 172.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बीते पांच महीनों के दौरान देश के आयात में भी कमी आई और यह 271.83 पर पहुंच गया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में 417 करोड़ रुपये की आय जब्त, ईडी ने दी जानकारी

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में 417 करोड़ रुपये के अपराध हुए आय को जब्त किया है। केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि हमने कोलकाता, भोपाल, मुंबई आदि शहरों में महादेव एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया और बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक चीजें बरामद की हैं। ईडी ने कहा, हमने अपराध से अर्जित 417 करोड़ रुपये भी फ्रीज/जब्त किए हैं।

ईडी के अनुसार सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की ओर से बनाई गई कंपनी दुबई से परिचालन कर रही थी। कंपनी कथित तौर पर नए उपयोगकर्ताओं को जोड़ने, उपयोगकर्ता आईडी बनाने और बेनामी बैंक खातों के एक स्तरित जाल के माध्यम से धन शोधन करने के लिए ऑनलाइन बुक बेटिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रही थी। एक बयान में आरोप लगाया, ईडी ने हाल ही में कोलकाता, भोपाल, मुंबई आदि शहरों में महादेव ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ व्यापक तलाशी ली है और बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सबूत बरामद किए हैं और 417 करोड़ रुपये के अपराध की आय को फ्रीज/जब्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की जांच से पता चला है कि महादेव ऑनलाइन बुक एप यूएई के एक केंद्रीय मुख्यालय से चलाया जाता है। ईडी ने कहा कि यह अपने ज्ञात सहयोगियों को 70-30 प्रतिशत लाभ अनुपात पर पैनल/शाखाओं को फ्रैंचाइज करके संचालित करता है। सट्टेबाजी से प्राप्त आय को विदेशी खातों में भेजने के लिए बड़े पैमाने पर हवाला ऑपरेशन किए जाते हैं। इसमें कहा गया है कि नए उपयोगकर्ताओं और फ्रेंचाइजी (पैनल) चाहने वालों को आकर्षित करने के लिए सट्टेबाजी वेबसाइटों के विज्ञापन के लिए भारत में नकद में बड़ा खर्च किया जा रहा है। कंपनी के प्रमोटर छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले हैं और महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग एप्लिकेशन एक अंब्रेला सिंडिकेट है जो अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों को सक्षम करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की व्यवस्था करता है।

महंगाई से परेशान पाक में तीन इंच का सैंडविच

सबवे ने पहली बार मिनी सैंडविच लॉन्च किया, यहां खाने-पीने की महंगाई 38.5 प्रतिशत पर पहुंची

इस्लामाबाद।

अमेरिका की फास्ट फूड चेन सबवे ने महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तान में तीन इंच का सैंडविच लॉन्च किया है। पहली बार इस फास्ट-फूड चेन ने वैश्विक स्तर पर सैंडविच का मिनी वर्जन लॉन्च किया है। इसकी कीमत 360 पाकिस्तानी रुपए है।

सबवे आमतौर पर 6-इंच और 12-इंच का सैंडविच बेचती है, लेकिन पाकिस्तान में लोगों की पर्चेजिंग पावर को ध्यान में रखते हुए मेन्यू में मिनी सैंडविच ऐड किया है। बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए, पाकिस्तान में कई रेस्तरां ने कीमतें बढ़ा दी हैं या मात्रा कम कर दी है।

खाने-पीनी की महंगाई 38.5 प्रतिशत पर पहुंची

पाकिस्तान में महंगाई डबल डिजिट में पहुंच गई है। अगस्त में यहां सालाना आधार पर महंगाई दर 27.38 प्रतिशत रही। वहीं पाकिस्तान में खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से फूड इंफ्लेशन 38.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। एक साल पहले अगस्त में यह 6.2 प्रतिशत था।

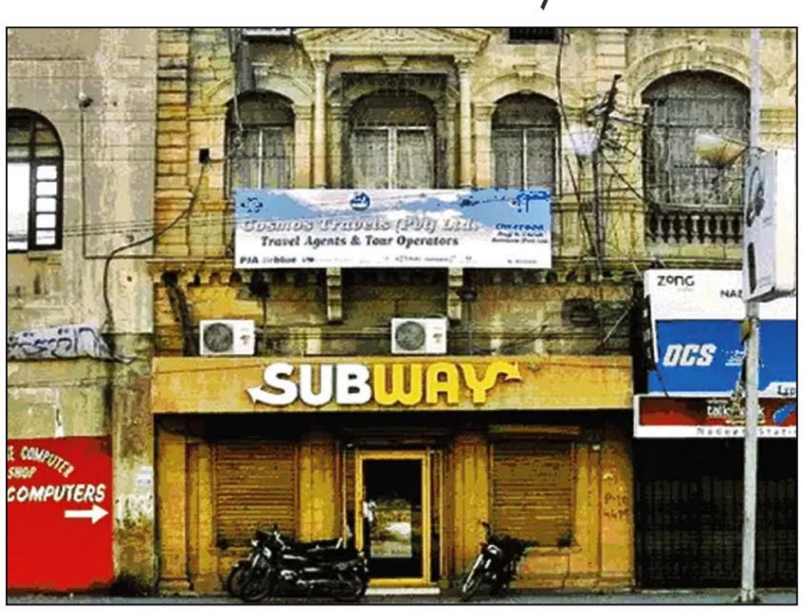

बढ़ती महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई और बिजली बिलों के खिलाफ बीते दिनों लोग सड़कों पर उतर आए थे। व्यापारियों ने लाहौर, कराची और पेशावर से लेकर देशभर में दुकानें बंद कर दी थी। बढ़ती महंगाई पर जब कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकड़ से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोगों को बिल भरने पड़ेंगे। इसके सिवाय उनके पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है।

व्यापारी बोले- एक लाख किराया और एक लाख बिजली बिल कैसे दें...

कराची के एक व्यापारी फाहद अहमद ने बताया- हमने अपनी दुकानें बंद रखी हैं ताकि देश के सत्ता में बैठे तबके तक हमारा मैसेज पहुंचे। अगल उन्होंने हमारी तकलीफें नहीं समझी तो हमें दूसरे तरीके अपनाने होंगे।

अहमद ने कहा- मैं एक लाख रूपए का किराया दूंगा और उतना ही बिजली का बिल भी आएगा जो मेरा गुजारा कैसे होगा। पाकिस्तान की सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक वहां अगस्त के अंत तक महंगाई दर 27.4 प्रतिशत पहुंच गई है। एक लीटर पेट्रोल का दाम 300 पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गया है।

आईएमएफ के नियमों का सारा बोझ लोगों पर शिफ्ट

पाकिस्तान के अर्थशास्त्री मोहम्मद सोहेल के मुताबिक आईएमएफ से लोन की किश्त मिलने के बावजूद देश चुनौती भरे वक्त से गुजर रहा है। लोन के बदले आईएमएफ की तरफ से थोपे गए नियमों ने सारा बोझ लोगों पर शिफ्ट कर दिया है।

उनका कहना है कि पाकिस्तान में महंगाई सबसे बड़ी परेशानी है। इसकी वजह पाकिस्तानी रुपए की लगातार गिरती कीमत है। एक डॉलर की कीमत पाकिस्तानी रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले 76 सालों में सबसे निचले स्तर पर है। एक डॉलर की कीमत पाकिस्तानी रुपए के मुकाबले 307 रुपए हो गई है।

वैजयंतीमाला की प्रशंसक थीं सायरा बानो

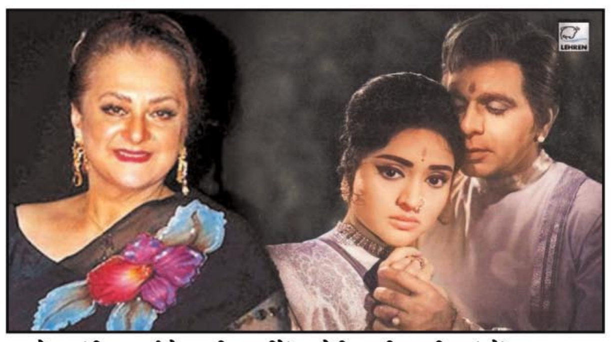

अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री सायरा बानो ने बताया कि बचपन में वह अभिनेत्री वैजयंतीमाला की प्रशंसक थी। सायराबानों ने फोटो-शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम पर एक और पुरानी फोटो भी साझा की। फिल्म में सायरा के पति दिलीप कुमार के अलावा वैजयंती माला हैं जिन्हें सायरा प्यार से अक्का (बड़ी बहन) कहती हैं। तीन तस्वीरों का एक सेट साझा करते हुए सायरा बानो ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, अक्सर बचपन और किशोरावस्था की यादें इतनी अजीब और गुदगुदी करने वाली होती हैं। मुझे 1958 की वह विशेष चीज याद है, जब मैं एक युवा लड़की थी। पिछले कुछ वर्षों में मेरी पसंदीदा फिल्म स्टार वैजयंती माला के साथ मेरा जुड़ाव और मजबूत हो गया, जिसमें वह मेरे लिए अब अक्का (बड़ी बहन) हैं, और हम हर दूसरे हफ्ते एक-दूसरे से बात करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे अपने बिस्तर के ठीक बगल की दीवार पर अपने पसंदीदा हार्टथ्रोब की तस्वीरें चिपकाने की आदत थी, ताकि सबसे पहले मैं उन्हें देख सकूं। ठीक एक साल पहले मैंने आन में साहब का शानदार प्रदर्शन देखा था। जिसे लंदन में विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया था। अपने नोट में उन्होंने आगे लिखा, उसके बाद रॉक के राजा एल्विस प्रेस्ली, रहस्यमय जेम्स डीन के कट-आउट भी दीवार पर चिपकाए गए थे। लंदन में हमारे घर के पास एक लेटर बॉक्स था जो मेरे भाई सुल्तान और मेरी उम्मीद भरी आंखों का तारा था क्योंकि हमारी मां और दोस्तों के पत्र भारत से आते थे। घर की याद आने के कारण हम उनके लिए प्यासे रहते थे। मेरी मां को पता था कि मैं भारतीय फिल्मों की दीवानी हूं, इसलिए वह बीच-बीच में हमारे मनोरंजन के लिए पत्रिका पोस्ट करती रहती थी। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि यह उनके और उनके भाई के बीच एक पागलपन भरी हाथापाई थी कि पत्रिका पहले कौन लेगा।

तैमूर असल में सैफ के बचपन के दोस्त का नाम था

-बेटे का नाम तैमूर रखने पर करीना ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई (ईएमएस)। कई सालों बाद एक्ट्रेस करीना कपूर ने बेटे का नाम तैमूर रखने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। ताजा इंटरव्यू में करीना कपूर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी मां या किसी बच्चे को इससे गुजरना पड़ा होगा। करीना ने कहा कि मुझे अभी भी यह बात हैरान करती है कि हम पर ट्रोल्स अटैक क्यों किया गया, मैं तो किसी को नाराज नहीं करना चाहती थीं। कारण क्या था? मैं अभी भी वास्तव में इसे समझ नहीं पायी हूं, क्योंकि किसी का इरादा किसी को ठेस पहुंचाने या कुछ भी करने का नहीं था। मुझे लगता है कि हमें बोलने की आजादी है, हम जो करना चाहते हैं उसकी आजादी है, कम से कम सैफ और मैं दोनों इस पर दृढ़ता से विश्वास करते हैं। करीना कपूर ने कहा कि तैमूर का मतलब होता है लौह पुरुष और उन्हें यह साउंड पसंद है। इसके बाद उन्होंने बताया कि तैमूर असल में सैफ के पहले बचपन के दोस्त का नाम था और उन्होंने सोचा था कि अगर उन्हें कभी बेटा होगा तो वह उसका नाम तैमूर रखना चाहेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, जब हम नाम के साथ आए... सैफ ने वास्तव में कहा... वह अपने पड़ोसी मित्र के साथ बड़े हुए हैं, और उसे हमेशा अपना नाम पसंद आया और उसका नाम तैमूर था, इसलिए उसने कहा, आप जानती हैं, अगर मेरा कोई बेटा है, तो वह था मेरा पहला दोस्त, मैं उसका नाम तैमूर रखना चाहूंगा, और ठीक इसी तरह तैमूर नाम रखा गया। उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने नाम का अर्थ पढ़ा और देखा कि इसका मतलब लोहा है, तो उन्होंने मन में सोचा कि वह एक ऐसे बेटे को पाकर खुश होंगी जो लौह पुरुष की तरह मजबूत हो। एक्ट्रेस बोलीं- मैंने कहा कि अगर मेरा कोई बेटा है तो मैं हमेशा चाहती हूं कि वह लौह पुरुष की तरह मजबूत हो। करीना कपूर ने स्पष्ट किया कि यह नाम किसी ऐतिहासिक व्यक्ति के संदर्भ में नहीं था। इसका किसी भी चीज या किसी से कोई लेना-देना या समानता नहीं है। यह तो बस ऐसे ही रखा गया था... ऐसा भी नहीं है.. यह एक ही नाम हो। आखिर में सैफ की पत्नी ने बताया कि जब ट्रोलिंग शुरू हुई तो वह थोड़ी सदमे में थीं, लेकिन उन्होंने और सैफ ने इस बारे में चुप रहने का फैसला किया। और यही वजह है कि तैमूर सबसे ज्यादा फोटो लेने वाले बच्चों की लिस्ट में शामिल हो गया। मालूम हो कि एक्ट्रेस करीना कपूर ने साल 2012 में शादीशुदा, दो बच्चों के बाप एक्टर सैफ अली खान से शादी रचाई थी। शादी के बाद सैफ संग करीना ने दो बेटों तैमूर और जहांगीर अली खान का स्वागत किया। आज दोनों अपने चारों बच्चों के साथ खुशी से जिंदगी जी रहे हैं। हालांकि, करीना को उनके बेटों के मुस्लिम नाम के लिए कई बार ट्रोल किया गया और लोगों ने इसे देश विरोधी नाम बताया था।

अपनी कला और अपने कार्यों के माध्यम से बदलाव लाना चाहता हूं : आयुष्मान

हाल ही में एक्टर आयुष्मान खुराना को टाइम मैगजीन द्वारा प्रतिष्ठित टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुना गया है। आयुष्मान इस साल टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। तीन साल में यह दूसरी बार है कि टाइम आयुष्मान को सम्मानित कर रहा है। साथ ही कहा कि मैं अपनी कला और अपने कार्यों के माध्यम से बदलाव लाना चाहता हूं जिससे लोग भी हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए इस देश को बेहतर बनाने में मेरे साथ शामिल हो सकें। आयुष्मान ने कहा, यह दूसरी बार है कि प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने कैमरे के साथ-साथ कैमरे के बाहर भी मेरे काम को मान्यता देने के लिए चुना है। मैं टाइम मैगजीन के इस सम्मान से गौरवान्वित होने के साथ-साथ अभिभूत भी हूं क्योंकि यह एक कलाकार और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने की कोशिश करने वाले एक इंसान के रूप में मेरे मूल विश्वास प्रणाली को मान्य करता है। इसके साथ ही इस अभिनेता ने कहा, इस साल मुझे टाइम 100 इम्पैक्ट सम्मान देने के लिए मैं टाइम मैगजीन का बहुत आभारी हूं। मैं हमेशा अपने सिनेमा ब्रांड के माध्यम से भारत के कंटेंट को आगे बढ़ाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा, मैं अपने देश में अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए यूनिसेफ के राजदूत के रूप में कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। इस अभिनेता अपनी एक्टिंग और नेक कामों से अपने को साबित किया है। आयुष्मान न सिर्फ फिल्मों ब्लकि नेक कामों के लिए कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

मोनालिसा ने चढ़ाया इंटरनेट का पारा

मशहूर भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। इन लेटेस्ट तस्वीरों में मोनालिसा ने व्हाइट शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई हैं। उन्होंने अपने इस आउटफिट के साथ बालों को खुला रखा है और मेकअप भी मिनिमम ही किया है। एक्ट्रेस ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा- एक छोटी सी सफेद ड्रेस। मोनालिसा का ये लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनके फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर ढेरों तारीफों भरे कमेंट किए हैं। एक शख्स ने लिखा- मोनालिसा दीदी, बहुत प्यारी लग रही हैं। बता दें कि मोनालिसा अब तक 125 भोजपुरी फिल्में कर चुकी हैं और इसके साथ ही हिन्दी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। ये 2016 में बिग बॉस सीजन 10 की प्रतिभागी भी रह चुकी हैं।

अब्दु रोजिक रोहित शेट्टी के साथ चाहते हैं फिल्मों में काम करना

मुंबई (ईएमएस)। ताजिकिस्तानी गायक अब्दु रोजिक फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी के साथ फिल्म करना चाहते हैं। आजकल वे स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में दिख रहे हैं। इसमें अतिथि के रूप में आए ताजिकिस्तानी गायक अब्दु रोजिक ने शो के मेजबान और फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी को शो का रॉकस्टार कहा। खतरों के खिलाड़ी में एक नायक के रूप में प्रवेश करने के बाद अब्दु ने शो में कई स्टंट किए। एक बातचीत में अब्दु ने फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी को बहुत अच्छे दिल वाला इंसान बताया। अब्दु ने साझा किया, उन्होंने सभी प्रतियोगियों की मदद की। यह बहुत अच्छा और बेहतरीन शो है। मुझे अच्छा लगा कि वह खतरों के खिलाड़ी कर रहे हैं, यह शो कोई नहीं कर सकता। वह एक रॉकस्टार हैं। वह खतरों का राजा है। केकेके में शिव ठाकरे से मिलने पर अब्दु ने कहा, मेरा सबसे अच्छा दोस्त शिव शो में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वह बहुत अच्छे स्टंट कर रहे हैं और मुझे बहुत मजा आया, हमने एक-दूसरे के साथ अलग-अलग शरारतें कीं। केकेके की एक अन्य प्रतियोगी अर्चना गौतम भी अब्दु के साथ बिग बॉस 16 का हिस्सा थीं। उनके बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनसे मिलकर अच्छा लगा। शो में कोई एक-दूसरे से नहीं लड़ता, सब दोस्त हैं, एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। वह बहुत अच्छा कर रही है। अपने डर और केकेके पर किए गए स्टंट के बारे में साझा करते हुए अब्दु ने कहा, मैं सांपों से थोड़ा डरता हूं, ज्यादा नहीं। उन्होंने मुझे सौ सांपों वाले एक डिब्बे में डाल दिया। थोड़ा-थोड़ा मुझे डर लग रहा था, ज्यादा नहीं। मैंने हेलीकॉप्टर स्टंट किया, मैंने खुद को हेलीकॉप्टर से नीचे फेंक दिया, मैं डर भी गया और मैंने इसका आनंद लिया।

फिल्म सुखी में नजर आयेगी शिल्पा शेट्टी

फिल्म सुखी में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा मुख्य भूमिका में हैं, जो पारंपरिक बॉलीवुड फिल्मों से हटकर है। इसके बजाय यह फिल्म एक नवीन और दिलचस्प कहानी पेश करती है, जो मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करती है। फिल्म का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। यह फिल्म एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म है, जिससे प्रशंसक और फिल्म दर्शक बेहद खुश हैं। ट्रेलर एक असाधारण प्रतिभाशाली कलाकारों का परिचय देता है, जिसमें इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन एक्टर्स अमित साध, चैतन्य चौधरी, किरण कुमार और कुशा कपिला शामिल हैं। फिल्म 22 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। सुखी का ट्रेलर शानदार प्रदर्शन से भरे सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। सुखी के अलावा शिल्पा शेट्टी कुंद्रा अब फिल्म केडी और रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स में भी दिखाई देंगी, जहां वह पहली फीमेल कॉप की भूमिका निभाएंगी। बता दें कि लंबी अनुपस्थिति के बाद बड़े पर्दे पर वापसी के तौर पर शिल्पा ने एक ऐसी भूमिका चुनी है, जो एक अभिनेत्री के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। एक मनोरंजक कहानी के साथ शिल्पा शेट्टी कुंद्रा एक नए अवतार में नजर आएंगी, जो उनके फैंस के लिए देखना काफी रोचक होगा।

पलक तिवारी का वीडियो देख लोगों ने किया ट्रोल

मॉडल एवं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसके बाद वे ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं। पलक तिवारी बीते दिन एक इवेंट में पहुंची थी। इस दौरान वे ब्लैक ड्रेस में काफी ग्रॉजियस लगी रही थीं। लेकिन अपनी एक हरकत की वजह से पलक ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं और वे था उनका रवैया। दरअसल, पलक इस इवेंट में ईशान खट्टर को नजरअंदाज करती हुई दिखाई दी हैं। जिसकी वजह से उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। सामने आई वीडियो में पलक को साइड में खड़ा हुई देखा जा सकता है इस बीच वहां ईशान आ जाते हैं लेकिन पलक उन्हें देखती तक नहीं है। अब ईशान को एटीट्यूड दिखाने के चक्कर में पलक को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा- ये कितना एटीट्यूड दिखा रही है। दूसरे यूजर ने लिखा- यह रवैया ठीक नहीं है। एक और यूजर ने लिखा- पलक दिखावा करने वाली लगती है, बिना किसी मेहनत के स्टार रवैया अपनाती है। एक और यूजर ने कहा कि- इतना एटीट्यूड और जीरो मैनर्स...उसने ईशान को हैलो तक नहीं कहा।

एल्विश यादव ने शानदार काम किया : उर्वशी रौतेला

बालीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने कहा कि बॉलीवुड को उनके जैसे और हीरो की जरूरत है। उर्वशी ने कहा, एल्विश यादव ने हम तो दीवाने में वास्तव में शानदार काम किया है, जिससे हर कोई हैरान रह गया। मुझे लगता है कि बॉलीवुड को एल्विश जैसे हीरो की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, पूरी शूटिंग के दौरान, मेरा ध्यान केवल उन्हीं पर था, क्योंकि मेरा मानना है कि जब हीरो बेस्ट परफॉर्म करता है, तो ऑनस्क्रीन जोड़ी के रूप में हम बेस्ट दिखते हैं। दर्शक हमें अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करें। गाना का एक पोस्टर सामने आया है, जिसमें उनका अलग लुक नजर आ रहा है। उर्वशी वाइब्रेंट रेड अनारकली सूट में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, चेक्ड शर्ट, ब्लैक पैंट और लेदर जैकेट में एल्विश यादव कूल और कॉन्फिडेंट वाइब्स दे रहे हैं। यह गाना 14 सितंबर को प्ले डीएम ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाला है।

फिल्म यारियां 2 अगले माह रिलीज होगी

बालीवुड फिल्म यारियां 2 के निमार्ताओं ने अब सिमरूं तेरा नाम की रिलीज के साथ हमें भावनाओं की दुनिया की झलक दिखाई है। एक गाना जो आपके दिल को छू जायेगा और आपको भावुक कर देगा। सचेत टंडन द्वारा खूबसूरती से गाया गया यह गाना मनन भारद्वाज द्वारा लिखा और कंपोज किया गया हैं। प्यार में वल्नरबिलिटी और ऑकवर्डनेस को हाइलाइट करता है। सिमरूं तेरा नाम आपकी लव प्लेलिस्ट के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। जबकि गाने में दिव्या और यश के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है, यह गाना निश्चितरूप से आपको भावुक कर देगा। यारियां 2 में दिव्या खोसला कुमार, यश दासगुप्ता, मिजान जाफरी, अनस्वर राजन, वरीना हुसैन, प्रिया वारिर और पर्ल वी पुरी हैं। यारियां 2 टी-सीरीज फिल्म्स और राव और सप्रू फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म है। यह फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, दिव्या खोसला कुमार और आयुष माहेश्वरी द्वारा निर्मित इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू ने डायरेक्ट किया है। बता दें कि राधिका राव और विनय सप्रू द्वारा निर्देशित यारियां 2 में दिव्या खोसला कुमार, मिजान जाफरी और पर्ल वी पुरी मुख्य भूमिका में हैं, जो एक खूबसूरत चचेरे भाई के रिश्ते को सेलिब्रेट करता है। फिल्म यारियां 2 दिव्या खोसला कुमार उर्फ लाडली की लव लाइफ कहानी का केंद्र बिंदु है।

मनोरंजन से भरपूर रहेगी फुकरे 3

आगामी 28 सितंबर 2023 को बालीवुड फिल्म फुकरे 3 रिलीज होने वाली है। फुकरे फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लंबे इंतजार के बाद जारी कर दिया गया है। मेकर्स ने प्रशंसकों को इस फिल्म का प्रभावशाली ट्रेलर दिखाया, जिसमें फुकरा गैंग, भोली पंजाबन, पंडित जी और पूरी फिल्म टीम शामिल थी। फुकरे 3 के ट्रेलर रिलीज ने इस फेवरेट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की यादें ताजा कर दीं। फुकरा गैंग, हन्नी, चूचा, लाली, भोली पंजाबन और पंडित जी को फिर से स्क्रीन पर देखना वास्तव में शानदार है। फिल्म का ट्रेलर हंसी और मजेदार पलों से भरा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फिल्म सुपर एंटरटेनिंग होने वाली है। फुकरे 3 अपनी पिछली किस्तों से आगे निकलने का वादा करती है, और भी ज्यादा मजा और एंटरटेनमेंट भी देगी। इसके अलावा, इस फिल्म में सरप्राइज गिफ्ट हमें जोर जोर से हंसने पर मजबूर कर देगा, जिससे उत्साह और बढ़ जाता है। ये ट्रेलर बेहद आशाजनक लगता है और इस फेवरेट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की विरासत को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाता है। इस फिल्म को कॉमेडी शैली में एक प्रमुख चलन में तब्दील होते देखना वाकई दिलचस्प है। कह सकते है सीक्वल्स के इस दौर में अब फुकरे 3 के धूम मचाने का भी सही समय आ चुका है।

छुट्टियों का मजा ले रहे हैं वरुण धवन

आजकल बालीवुड अभिनेता वरुण धवन छुट्टियों का मजा ले रहे हैं। वरुण ने समुद्र तट पर धूप का आनंद लेते हुए अपनी फोटो पोस्ट की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में वरुण ने नीले रंग की शॉर्ट्स पहनी हुई है और समुद्र तट पर बैठकर धूप का आनंद ले रहे हैं। इसमें वह अपने एब्स दिखाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में शैगी और रेवॉन का इन द समरटाइम का संगीत दिया। वरुण ने पोस्ट को कैप्शन दिया, कैप्शन दे दो। सबसे अच्छा इसे बनाता है? इसे जैकलीन फर्नांडीज ने पसंद किया है। प्रशंसकों ने टिप्पणी करते हुए लिखा, यह कितना हॉट सोमवार है। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, सैंडमैन कैप्शन में लिखा, हर मासूम चेहरे का एक जंगली पक्ष होता है। जुलाई में सिने 1 स्टूडियोज और ए फॉर एप्पल स्टूडियोज ने वरुण की मुख्य भूमिका वाली सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म के लिए हाथ मिलाया था।

सूडोकु नवताल- 6554

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6553 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्दजाल - 7301

त	श	मु	प	रि	णि	ता	प	न	र	टें
था	क्रि	दी	ना	द	मु	सा	फि	र	कां	ल
स्तु	के	वा	हे	नि	रा	ना	न	व	टि	गे
बी	ट	र	न	शा	वा	जू	क	ले	ज	र
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	चा	गो	ब	हो
ब	दु	त	खौ	ग	स	ए	व	चा	वॉ	मु
द	प	श्म	न	फ	व	ह	अ	गो	प्ला	न्ना
क	र	क	न	क्श	ह	भा	र	चो	आ	भा
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	ई
रु	द्रा	क्ष	त	र	त	ता	ण	र	ह	ग
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	र	क	प	स्त	ये

शब्दजाल में संजय दत्त की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

लगे रहो मुन्ना भाई, तथास्तु, परिणिता, मुसाफिर, दीवार, रुद्राक्ष, कांटें, राजू चाचा, खौफ, दुश्मन

शब्दजाल - 7300 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	उ	न	र	क
गो	ड	म	द	र	वा	जी	म	इ	अ	ल
आ	प	दे	पू	ह	जी	व	रा	का	व	दि
ए	ची	तं	श	ट	ज	प	व	पा	ता	र
क	त	ई	ग	में	व	खें	जा	भा	र	इ
आ	मे	म	दे	दे	व	ता	न	ई	न	ति
द	जं	न्स	मे	प	क	ता	या	ज्वा	है	हा
मी	म	क	ए	स	र	प	र	ला	म	स
ले	बो	र्न	य	त	चि	व	री	मु	न	क्स
त	ह	म	पां	च	बा	त्र	रि	खी	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	श	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6254

2	3			6		4
	26	4	34	2	34	1
1		7		5		
7	35		36		28	2
		3		1		6
	31	5	35		33	
	4	2		7	1	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6253 का हल

4	3	2	5	6	1	7
5	29	7	37	1	31	3
1	3	4	7	5	2	6
3	27	6	41	7	33	2
6	1	3	7	2	5	4
2	29	5	27	4	30	1
7	4	1	2	3	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

वर्ल्ड कप के शुरुआती मैच से बाहर रह सकते हैं नसीम : कप्तान बाबर ने चिंता जाहिर की, बोले- अभी प्लान बी पर कुछ नहीं कह सकता

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह वनडे वर्ल्ड कप के कुछ मैच से बाहर हो सकते हैं। टीम के कप्तान बाबर आजम ने श्रीलंका के खिलाफ मैच के दैरान कहा, मैं इस पर बाद में बात करूंगा। अभी प्लान बी पर कुछ नहीं कह सकता हूं। लेकिन हां, हारिस रऊफ की चोट बुरी नहीं है। उन्हें बस थोड़ा सा साइड स्ट्रेन हुआ है, लेकिन वह वर्ल्ड कप से पहले ठीक ठीक हो जाएंगे। नसीम शाह शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं। मुझे रिकवरी के बारे में अभी नहीं पता। मैं बस अपनी राय रख रहा हूं। लेकिन, देखते हैं। बना दें, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक नसीम के कंधे की चोट से उबरने के लिए कोई ऑफिशल टाइमलाइन नहीं दी है।

अपने कोटे का पूरा ओवर नहीं फेंक सके थे नसीम – नसीम शाह को एशिया कप 2023 सुपर-4 में भारत के खिलाफ हुए मुकाबले के दौरान चोट लग गई थी। मैच में वो अपना ओवर भी पूरा नहीं कर सके थे, उन्होंने अपने कोटे के केवल 9.2 ओवर फेंके और बाद में बैटिंग के लिए भी नहीं आए। वहीं कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ भी चोट के कारण रऊफ और नसीम नहीं खेले थे। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले पाकिस्तान कोई और ऑफिशल वनडे मैच नहीं खेलेगा, हालांकि न्यूजीलैंड (29 सितंबर) और ऑस्ट्रेलिया (3 अक्टूबर) के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच हैं जिन्हें ऑफिशल वनडे का दर्जा नहीं दिया गया है।

28 सितंबर तक स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं टीमें – वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में होना है। सभी टीमें अपने स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स रह सकेंगी, टीमें 3 स्टैंड-बाय खिलाड़ियों के नाम भी दे सकती हैं। वर्ल्ड कप में भाग लेने वाले सभी देशों को 28 सितंबर तक अपने स्क्वॉड की फाइनल लिस्ट इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को देना है।

वर्ल्ड कप में खेले जाएंगे 48 मुकाबले – भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक लीग स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

मोरक्को के खिलाफ डेविस कप में अपना अंतिम मुकाबला खेलने उतरेंगे बोपन्ना

लखनऊ । डेविस कप टेनिस मुकाबले शनिवार से शुरु होंगे। इसमें भारतीय टीम विश्व ग्रुप दो में मोरक्को से खेलेगी। ये डेविस कप मुकाबला भारतीय टीम के लिए कठिन नहीं होगा पर यह अहम इसलिए है क्योंकि इस

मुकाबले के साथ ही अनुभवी रोहन बोपन्ना खेल को अलविदा कह देंगे। 21 साल बाद 43 साल के बोपन्ना का डेविस कप करियर समाप्त हो जाएगा। पिछले कुछ साल में एटीपी सर्किट पर बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने वाले एकल खिलाड़ियों की कमी और जीते जा सकने वाले मैचों में मिली हार से भारतीय डेविस कप टीम का प्रदर्शन काफी प्रभावित हुआ है। फरवरी में टीम विश्व ग्रुप दो में भी फिसल गई जो अब तक नहीं हुआ था। वहीं नया प्रारूप 2019 में लांच होने के बाद से यह पहली बार है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन कमजोर हुआ है। भारत पिछली बार मार्च में डेविस कप मुकाबले में डेनमार्क से 2-3 से हार गया था। इस सत्र में भारतीय टेनिस ने कोई विशेष पल नहीं देखे हालांकि पिछले सप्ताह बोपन्ना अमेरिकी ओपन पुरूष युगल के फाइनल में पहुंचे। वहीं युकी भांबरी ने एकल खेलना छोड़ दिया है जबकि रामकुमार रामनाथन शीर्ष 550 से भी बाहर हो गए हैं। इस सत्र में अलग-अलग टूर्नामेंटों में रामनाथन 17 बार पहले दौर से ही बाहर हो गए थे। यही वजह है कि कप्तान रोहित राजपाल ने उन्हें टीम में नहीं लिया हालांकि वह अभ्यास में मदद के लिए टीम का हिस्सा हैं। बोपन्ना 43 वर्ष की उम्र में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके स्ट्रोक्स में अभी भी तेजी है और वह जबर्दस्त विनर लगा रहे हैं। उनकी इच्छा को देखते हुए विदाई मैच उनके शहर बेंगलुरू में खेला जाता तो बेहतर रहता। लखनऊ में स्टेडियम की दर्शक क्षमता 1300 है लेकिन बेंगलुरू में 6500 दर्शक बैठ सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए अगले माह से नेकगार्ड पहनना अनिवार्य होगा

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए सभी अंतरराष्टीय और घरेलू खिलाड़ियों के लिए नेकगार्ड (गले की सुरक्षा के लिए उपकरण) पहनना अनिवार्य कर दिया है। यह नया नियम अगले माह से लागू होगा। इससे पहले साल 2023-24 की खेलने की नई शर्तो और नियमों के तहत ऑस्ट्रेलिया ने क्रिकेटरों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेज या मध्यम तेज गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान नेकगार्ड पहनना अनिवार्य कर दिया था। इसका कारण ये था कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 सितंबर को पहले एकदिवसीय के दौरान तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा का एक बाउंसर कैमरन ग्रीन के गले में लगा था। तब गेंद ग्रीन के हेलमेट से निकलकर नेकगार्ड पर टकराई जिससे उन्हें सिर में चोट लग गयी थी। सीए के इस फैसले से डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ियों को परेशानी होगी क्योंकि ये दोनो ही इसे नहीं पहनते। स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए नेकगार्ड जरुरी नहीं होता। इसके अलावा विकेटकीपरों और करीबी फील्डरों के लिए भी ये अनिवार्य नहीं है। सीए का कहना है कि खिलाड़ियों को चोट से बचाने ये नियम लगाया गया है।

टिहरी झील में वाटर स्पोर्ट्स कप का आगाज, चार दिनों तक चलेगी प्रतियोगिता

देहरादून । चार दिवसीय वाटर स्पोर्ट्स कप का आगाज यहां टिहरी झील में हो गया। वन मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक किशोर उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण ने वाटर स्पोर्ट्स कप उदघाटन किया। प्रतियोगिता में कयाकिंग एवं कैनोइंग खेलों में देश के कई के खिलाड़ी प्रतिभा का प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। टीएचडीसी इंडिया के सौजन्य अयोजित प्रतियोगिता में गोवा में होने वाले 37वें ओपन राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्कृष्ट वरिष्ठ वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि टिहरी झील में दूसरी बार ऐसे खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन खेलों से राष्टीय पटल पर न केवल टिहरी की पहचान बनेगी, बल्कि अंतरराष्टीय स्तर पर भी राष्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के माध्यम से राज्य के युवाओं में ऊर्जा का संचार होगा। राष्टीय स्तर के इस खेल का आयोजन करना उत्तराखंड राज्य एवं टीएचडीसी के लिए गौरव का विषय है।

एशियाड में कई खेलों पर रहेगी नजरें, चेस-क्रिकेट की वापसी, ई-स्पोर्ट्स-ब्रेकडांसिंग करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली।
एशियाई खेलों के शुरू होने में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। ये खेल पिछले साल आयोजित होने थे, लेकिन कोरोना के चलते इनका आयोजन इस साल चीन के होंगझोऊ शहर में 23 सितंबर से होगा। हालांकि, एशियाड में कई ऐसे खेल हैं जिस पर सभी की निगाहें रहेंगे। ई-स्पोर्ट्स और ब्रेकडांसिंग इन खेलों में पहली बार हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, शतरंज और क्रिकेट की वापसी हो रही है।

2018 में नुमाइशी के तौर पर शामिल हुआ ई- स्पोर्ट्स

2018 एशियाई खेलों में ई-स्पोर्ट्स को नुमाइशी खेल के तौर पर शामिल किया था। इसकी लोकप्रियता देखते हुए इसे होंगझोऊ में पदक स्पर्धा के रूप में शामिल करने का फैसला लिया गया। इसमें दर्शक वीडियो गेमर को एक-दूसरे से भिड़ते देखते हैं। इसमें सात वीडियो गेम डोटा 2, फीफा ऑनलाइन-4, लीग ऑफ लीजैंड्स, एरेना ऑफ वेलोर, ड्रीम थ्री किंगडम्स, पबजी मोबाइल और स्ट्रीट फाइटर फाइव खेले जाएंगे। भारत 15 सदस्यीय पुरुष टीम भेजेगा।

ब्रेकडांसिंग, खेल या नृत्य की शैली

पेरिस ओलंपिक में पदार्पण करने जा रहे ब्रेकडासिंग या ब्रेकिंग खेल को पहली बार एशियाड में शामिल किया है। आलोचकों में इस बात को लेकर बहस है कि यह खेल है या नृत्य की एक शैली, लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इसे खेल के रूप में मान्यता दी। भारत इस खेल में हिस्सा नहीं ले रहा है क्योंकि खेल मंत्रालय के मानदंडों पर खरा नहीं उतरने के कारण चार सदस्यीय टीम को मंजूरी नहीं दी।

13 साल बाद शतरंज लौटा

64 खानों का यह खेल 13 साल बाद एशियाई खेलों में लौट रहा है। भारत के लिए इसकी वापसी का यह सबसे बेहतर समय है क्योंकि आर प्रगनानंदा, डी गुकेश और अर्जुन जैसे युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दोहा एशियाई खेलों 2006 में शतरंज शामिल था।

2018 के बाद क्रिकेट शामिल

एशियाई खेलों में 2018 के बाद क्रिकेट की वापसी टी-20 प्रारूप में होगी। ग्वांग्झू में 2010 और इंचियोन में 2014 खेलों में क्रिकेट शामिल था, लेकिन भारत ने टीम नहीं भेजी थी। इस बार भारत महिला और पुरुष दोनों वर्गों में टीमें भेज रहा है और टीम इंडिया स्वर्ण पदक की दावेदार है।

त्रिसा और गायत्री प्री क्वार्टर में बाहर, तनीषा और अश्विनी पोनप्पा भी हारीं

कोलून । महिला युगल प्री क्वार्टर फाइनल में दोनों जोड़ियों के हारने के साथ ही हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की अप्रियानी राहायू और सिति फाडिया सिल्वा रानाधंती ने 36 मिनट में 21-8, 21-14 से हराया। इसके बाद गैरवरीय तनीषा क्रेस्टो और अश्विनी पोनप्पा को शीर्ष वरीय जापान के मायु मत्सुयामा और वाकाना नागाहार ने 38 मिनट में 21-18, 21- 7 से मात दी।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज शुरू होने जा रही

मुंबई ।
देश में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज शुरु होने जा रही है। इसके तरह नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में तीन मैचों की सीरीज 16 से 18 सितंबर तक खेली जाएगी। सीरीज में इस बार भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें शामिल होंगी। नो हॉन्किंग ट्वेंटी20 सीरीज लोकप्रिय सड़क सुरक्षा विश्व सीरीज का ही विस्तार है, जो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थित है।

इसके तहत इंडिया लीजेंड्स, श्रीलंका लीजेंड्स और बांग्लादेश लीजेंड्स सभी एक साथ खेलेंगी। इस दौरान वातावरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ कम से कम हॉर्न बजाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा जिससे ध्वनि प्रदूषण समाप्त किया जा सके।

नो हॉन्किंग ट्वेंटी-20 सीरीज के जरिये ये संदेश भी दिया जा रहा है कि कि इस देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, ज्यादा हॉर्न बजाने से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खतरों के बारे में हमें जागरूक होना हमारे लिए जरुरी है। साथ ही कहा कि मेरा मानना है कि इस सीरीज में ये लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा क्योंकि सभी लोग ध्वनि प्रदूषण से परेशान हैं। कि इसप्रकार ये क्रिकेट सीरीज जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षा और सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में शिक्षित करने का एक प्रयास है। सड़क सुरक्षा में शामिल सरकार और अन्य प्रशासनिक निकाय इस पहल के पूर्ण समर्थन में हैं। इस दौरान क्रिकेटर सड़क सुरक्षा के साथ ही ध्वनि प्रदूषण को लेकर भी लोगों को जानकारी देंगे।

डोपिंग के आरोप में हालेप निलंबित,टेनिस स्टार बोली फैसले के खिलाफ अपील करुंगी

लंदन ।
रोमानियाई महिला टेनिस स्टार सिमोना हालेप को डोपिंग के मामले में चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। हालेप को दो डोपिंग अपराधों के लिए ये सजा दी गयी है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के अनुसार 31 वर्षीय हालेप को साल 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित पदार्थ रॉक्सडस्टैट के लिए पॉजीटिव पाया गया था। इस कारण उन्हें पिछले साल अक्टूबर से अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया था। मई में दो बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन पर एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट (एबीपी) में अनियमितताओं संबंधित रिपोर्ट बनी थी जोकि जांच में सही पाई गई। हालेप अब 6 अक्टूबर 2026 तक पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगी।

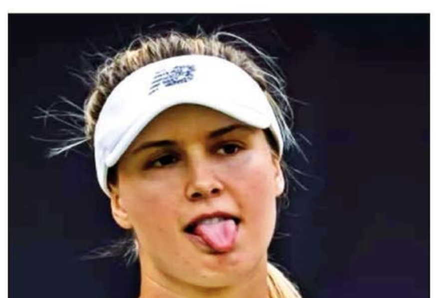

वहीं, आईटीआईए के इस फैसले पर हालेप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वह इसके खिलाफ खेल पंचाट में अपील करेंगी। उन्होंने कहा, टेनिस एंटी-डोपिंग कार्यक्रम के तहत एक न्यायाधिकरण ने मेरे मामले में एक अस्थाई निर्णय की घोषणा की। पिछला साल मेरे जीवन के लिए सबसे कठिन रहा। मेरी लड़ाई जारी है। मैंने अपना जीवन टेनिस के खूबसूरत खेल को समर्पित किया है। मैं हमारे खेल को नियंत्रित करने वाले नियमों को बहुत गंभीरता से लेती हूं और इस तथ्य पर गर्व करती हूं कि मैंने कभी भी जानबूझकर किसी भी प्रतिबंधित पदार्थ का उपयोग नहीं किया है।

एशियाई खेलों के लिए अपने चयन को लेकर उत्साहित हैं किशन

नई दिल्ली ।
एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में जगह हासिल करने वाले गोलकीपर कृष्ण बी पाठक बेहद उत्साहित हैं। भारतीय टीम को एशियाई खेलों में अपने पहले मुकाबले में 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ खेलना है। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट को लेकर गोलकीपर कृष्ण बी पाठक ने कहा कि यह निश्चित रूप से मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। अगर मैं अपनी यात्रा पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप हासिल करने और अपना दूसरा एशियाई खेल खेलने का अवसर मिलेगा। यह ऐसी उपलब्धि है जिसे मैं जीवन भर संभाल कर रखूंगा। साथ ही कहा कि एशियाई खेलों में वह किसी भी टीम को नजरअंदाज नहीं करेंगे। अपनी टीम की संभावना को लेकर उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अच्छा चल रहा है, सभी खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जमकर मेहनत कर रहे हैं। अभ्यास पिच पर हम हर दिन कसरत करते हैं। इसके अलावा, हमने विशेषज्ञ डेनिस के साथ 4-5 गोलकीपिंग सत्र किए हैं और आने वाले दिनों में कुछ और सत्र होंगे। हम फिर से

बुनियादी बातों पर ध्यान दे रहे हैं, पिछले टूर्नामेंटों में हमने जो गलतियाँ कीं और अन्य बातों के अलावा तत्काल फैसला लेने में सुधार कैसे किया जाए, इस पर भी हमारा ध्यान रहेगा। इस खिलाडी ने कहा कि 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 से पहले हमारे पास खेलों का अच्छा प्रदर्शन है। हमने कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेला है, इसलिए इससे हमें यह पहचानने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी कि हमारे मजबूत और कमजोर बिंदु क्या हैं। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छे प्रदर्शन से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ेगा। हम आगे जाकर गलतियों को दोहराना नहीं चाहते हैं।

राजकोट में 27 सितंबर को होगा भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच

17 सितंबर से शुरु होगी टिकटों की बिक्री, 1500 से 10,000 रुपए तक की प्राइस

राजकोट ।
आगामी 27 सितंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। इसके लिए सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से जोरदार तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वहीं, एससीए ने मैच के लिए टिकट की कीमतों का भी ऐलान कर दिया है। टिकटों की कीमतें 1500 से 10,000 रुपए तक तय की गई हैं।

टिकटों की बिक्री 17 सितंबर से पेटीएम ऐप के जरिए

मैच के टिकटों की कीमतें तीन हिस्सों ईस्ट स्टैंड, वेस्ट स्टैंड और साउथ पवेलियन के हिसाब से तय की गई हैं। इतना ही नहीं, इस मैच के लिए खास कॉरपोरेट बॉक्स भी बनाए गए हैं, जिसमें वीआईपी सुविधाओं के साथ डिनर की भी व्यवस्था रहेगी। टिकटों की बिक्री 17 सितंबर से पेटीएम ऐप के जरिए ऑनलाइन शुरू होगी।

कुछ ऐसी रहेंगी टिकटों के प्राइस – ईस्ट स्टैंड लेवल 1, 2 और 3 के टिकट की कीमत 1,500 रुपए, वेस्ट स्टैंड लेवल 1 की कीमत 2,000 रुपए, लेवल 2 व 3 की कीमत 2,500 रुपए वेस्ट स्टैंड कॉरपोरेट बॉक्स (15 सीटें) का प्राइस 10 हजार रुपए रखा गया है। इसके अलावा साउथ पवेलियन में लेवल-1 (डिनर के साथ) की कीमत 8,500 रुपए, लेवल-2 (ब्लॉक ए से डी) की कीमत 8,500 रुपए, लेवल-3 की कीमत 3,000 रुपए और कॉर्पोरेट बॉक्स (15 सीटें) की कीमत 10,000 रुपए तय की गई है। 2020 में इसी मैदान पर हुई थी भारत-ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत राजकोट के खंडेरी क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 10 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं। इसमें 2 टेस्ट, 5 टी-20 और 3 वनडे शामिल हैं। बीते 17 जनवरी-2020 को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खंडेरी स्टेडियम में वनडे मैच खेला गया था, जिसमें भारत ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को ऑलआउट कर शानदार जीत हासिल की थी। अब 27 सितंबर को एक बार फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भिड़ंत होगी।

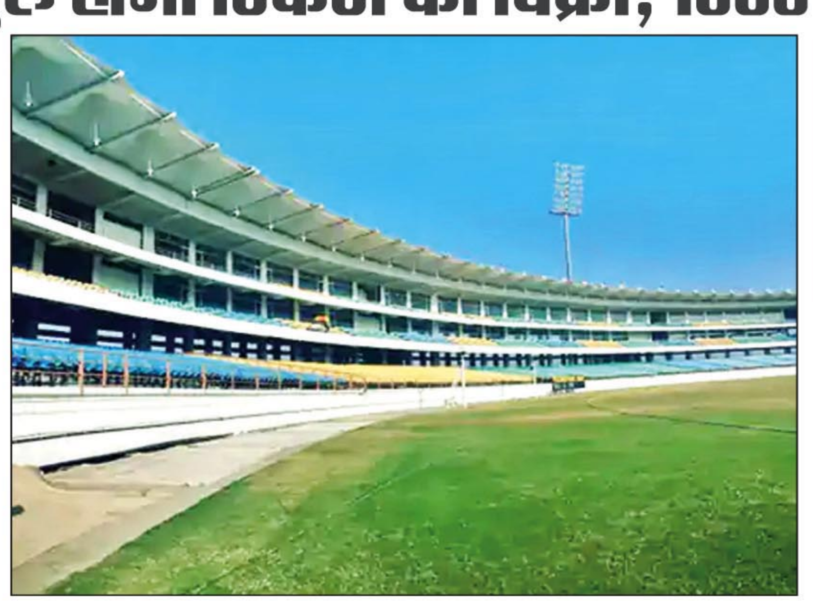

महिला पेशेवर गोल्फ टूर में नेहा त्रिपाठी ने बनाई दो शॉट की बढ़त, कुल स्कोर नौ अंडर 135

नई दिल्ली । नेहा त्रिपाठी ने दूसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 12वें चरण में दो शॉट की बढ़त बना ली। पहले दौर में 68 का कार्ड खेलने वाली नेहा का कुल स्कोर नौ अंडर 135 है। रिया यादव दूसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से कुल सात अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर चल रही हैं। अस्मिता सतीश (71 और 70) और गौरिका बिश्नोई (69-72) तीन अंडर 141 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। रिद्धिमा दिलावरी दो अंडर 142 के स्कोर से पांचवें स्थान पर चल रही हैं।

क्या बताता है

देखने का अंदाज...?

मनुष्य के शरीर का यूं तो प्रत्येक अंग ही उसके व्यक्तित्व की पहचान कराने वाला होता है

लेकिन इनमें आखों का भी एक अलग स्थान है। सच कहा जाय तो हमारे देखने का अंदाज भी हमारे बारे में बहुत कुछ कह देता है। विशेषकर स्वभाव,चरित्र और व्यक्तित्व की कसौटी हैं हमारी आंखें। हम किसी के बारे में यदि कुछ जानना चाहें तो बहुत कुछ सामने वाले की दृष्टि देखकर जान सकते हैं।

आंख मिलाना

जो व्यक्ति बातचीत के क्रम में आंखों में आंख मिलाकर यानी आंख के सामने दृष्टि डालकर स्थिर स्वभाव से बोलता या बातचीत करता है वह प्रबल आत्मविश्वासी,दृढ़,धैर्य व स्थिर स्वभाव वाला होता है। ऐसा व्यक्ति साहसी,सत्यनिष्ठ, निष्कपट व दृढ़ चरित्र वाला होता है। इसी कारण वह आंख से आंख मिलाकर निडर होकर बातचीत करता है। प्राय: ऐसे व्यक्तियों की गणना उत्तम व्यक्तियों में होती है।

चेहरे पर निगाहें

जिस व्यक्ति की दृष्टि बातचीत करते वक्त सामने वाले व्यक्ति के मुख मंडल पर विचरण करती रहती है वह व्यक्ति सामने वाले की मन स्थिति को चेहरा पढ़कर समझने की कोशिश करता है। इस श्रेणी के व्यक्ति सज्जन,स्नेही,उदार,दयावान तथा विनम्र स्वभाव के निष्कपट होते हैं।

सिर पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति से बातचीत के क्रम में अपनी निगाहें उसके सिर पर करते हुए ऊपर देखते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ऐसे व्यक्ति अपनी निगाहें नीची करके बातचीत करने में अपना अपमान समझते हैं इस प्रकार की दृष्टि वाले व्यक्ति अभिमानी,दम्भी,पाखंडी तथा मध्यम श्रेणी के होते हैं।

सीने पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति के वक्ष स्थल पर,सीने पर निगाहें केंद्रित करके बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति संकोचशील व शर्मीले स्वभाव के होते हैं। ऐसे व्यक्ति कभी आंख से आंख मिलाकर बातचीत नहीं कर सकते। ये प्रायः अच्छे चरित्र व स्वभाव वाले होते हैं।

नीचे निगाहें

जो बातचीत करते समय अपनी दृष्टि नीचे की ओर रखते हैं वे पापात्मा,अपराधी,गुनाहगार,नीच चरित्र वाले होते हैं। अगर इनकी बातचीत करते समय दृष्टि पैर पर केंद्रित है तो समझना चाहिए कि वे अपनी गलती के लिए मन ही मन क्षमा मांग रहे हैं। जिनकी दृष्टि देखते समय या बातचीत के समय अपने सामने वाले व्यक्ति के कटिप्रदेश पर केंद्रित होती है। वे व्यक्ति कलुषित भावना, पाशविक,यौन जिज्ञासु तथा भ्रष्ट चरित्र वाले होते हैं जिनकी गणना अधम व्यक्तियों में की जाती है।

इधर उधर नजरें

जो लोग बात करते वक्त अपनी दृष्टि इधर उधर घुमाते हैं या अपनी नजर झुकाकर बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति विश्वासघाती,भीरू,दुष्ट, छलकपट भरे हृदय वाले तथा निंदक होते है। बातचीत समाप्त होने के बाद आप जैसे ही जाने के लिए उद्यत होंगे तो ऐसा व्यक्ति फिर आपकी पीठ पर अपनी दृष्टि डालेगा ऐसे लोगों से सावधान रहना हितकर रहता है।

असफलता से न हों परेशान...

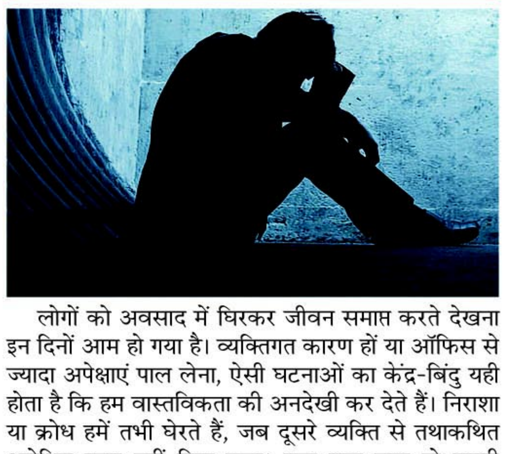

लोगों को अवसाद में घिरकर जीवन समाप्त करते देखना इन दिनों आम हो गया है। व्यक्तिगत कारण हों या ऑफिस से ज्यादा अपेक्षाएं पाल लेना, ऐसी घटनाओं का केंद्र-बिंदु यही होता है कि हम वास्तविकता की अनदेखी कर देते हैं। निराशा या क्रोध हमें तभी घेरते हैं, जब दूसरे व्यक्ति से तथाकथित अपेक्षित उत्तर नहीं मिल पाता। सच पूछा जाए तो हमारी खुशियां अपेक्षाओं की मोहताज हैं। बेटे का आशानुरूप रिजल्ट आया तो खुशियां दोगुनी, अन्यथा नहीं। समयानुकूल प्रमोशन मिला तो खुश, नहीं तो उदासी ही उदासी। असली और आंतरिक खुशी का एहसास करना हो तो अपनी अपेक्षाओं को नियंत्रण में रखना सीखें। तभी अपनी असफलताओं से दुःख नहीं, बल्कि सीख मिलेगी। वास्तव में हम अपना आकलन कर खुद को सीमाओं में बांध लेते हैं, पर दूसरों से हम हद से ज्यादा उम्मीद रखने लगते हैं। हालांकि दूसरा पहलू यह भी है कि उम्मीदें हमें कर्मपथ पर अग्रसर करती हैं। अपेक्षाएं मनोबल बढ़ाती हैं। विद्यार्थी अपने माता-पिता की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलने में ऊर्जा के साथ-साथ प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। कर्मचारी अपने मालिक की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलकर कंपनी की प्रगति में सहायक होते हैं। बस, इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए बहुत ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहिए। अपेक्षा किसी की योग्यता के विपरीत भी नहीं बनानी चाहिए। इसलिए जिससे उम्मीदें रखते हैं, उसकी योग्यता और कार्यक्षमता की पहचान कर लेनी चाहिए।

कैसे मिलेगा मोक्ष...?

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य और विज्ञान में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है कि जीव कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए।

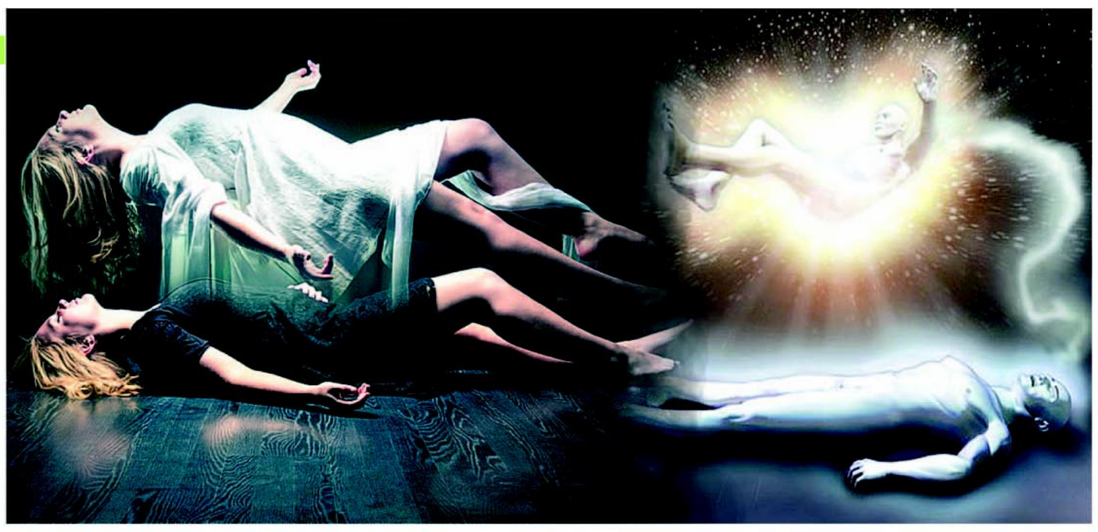

आत्मा के बारे में साधारणतया माना जाता है कि वह शरीर के हर हिस्से और रेशे रेशे में रहती है। यानी जहां भी संवेदना होता है, वहीं उसकी उपस्थिति महसूस की जाती है। इस मान्यता को यथार्थ और तथ्य की कसौटी पर कसें तो बाल और नाखून जैसे हिस्सों में उसका वास नहीं होना चाहिए। लेकिन शास्त्रों की मानें तो आत्मा मूलतः मस्तिष्क में निवास करती है। योग की भाषा में उस केंद्र को सहस्त्रार चक्र या ब्रह्मरंध्र कहते हैं। अब विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करने लगा है। विज्ञान के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा या चेतना शरीर के उस भाग से निकल कर बाहरी जगत में फैल जाती है। शास्त्र की भाषा में दूसरे लोकों की यात्रा पर निकल जाती है। मृत्यु का करीब से अनुभव करने वाले या मृत करार दिए गए किंतु फिर जी उठे लोगों के अनुभवों के आधार पर यह सिद्धांत काफी चर्चा में है। विज्ञान के अनुसार शरीर की तंत्रिका प्रणाली से व्याप्त क्वांटम जब अपनी जगह छोड़ने लगता है तो मृत्यु जैसा अनुभव होता है। इस सिद्धांत या निष्कर्ष का आधार यह है मस्तिष्क में क्वांटम कंप्यूटर के लिए चेतना एक प्रोग्राम की तरह काम करती है। यह चेतना मृत्यु के बाद भी ब्रह्मांड में परिव्याप्त रहती है। एरिजोना विश्वविद्यालय में एनेस्थिसियोलॉजी एवं मनोविज्ञान विभाग ने इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया है। प्रयोग और शोध अध्ययनों के अनुसार आत्मा का मूल स्थान मस्तिष्क की कोशिकाओं के अंदर बने ढांचों में होता है जिसे माइक्रोट्यूबुल्स कहते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सिद्धांत को आर्वेक्स्ट्रेड ऑब्जेक्टिव रिडक्शन (आर्च-ओर) का नाम दिया है। इस सिद्धांत के अनुसार हमारी आत्मा मस्तिष्क में न्यूरॉन के बीच होने वाले संबंध से कहीं व्यापक है।

इस तरह रहती है आत्मा

दरअसल, आत्मा निर्माण उन्हीं तंतुओं से हुआ जिससे ब्रह्मांड बना था। यह आत्मा काल के जन्म से ही व्याप्त थी। इस निष्कर्ष के बाद भारतीय दर्शन या योग अध्यात्म की इस मान्यता को काफी बल मिला है कि चेतना या आत्मा विश्व ब्रह्मांड का ही एक अभिन्न अंग है। शरीर में उसकी एक किरण या स्फुल्लिंग मात्र रहता है। मृत्यु जैसे पट परिवर्तन में माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन इसके अंदर के अनुभव नष्ट नहीं होते। आत्मा केवल शरीर छोड़ती है और ब्रह्मांड में विलीन हो जाती है। हृदय काम करना बंद हो जाता है, रक्त का प्रवाह रुक जाता है, माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन वहां मौजूद क्वांटम सूचनाएं नष्ट नहीं होतीं।वे व्यापक ब्रह्मांड में वितरित एवं विलीन हो जाती हैं। यदि रोगी ठीक नहीं हो पाता और उसकी मृत्यु हो जाती है तो क्वांटम सूचना शरीर के बाहर व्याप्त है। धर्म परंपरा इस अनुभव को स्मृति और संस्कार के साथ शरीर के बाहर रहने और उपयुक्त स्थितियों का इंतजार करना बताते हैं। दूसरे शब्दों में आत्मा पुनर्जन्म की तैयारी करने लगती है।

स्व कर्मानुसार गति

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है जीव कि कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और दूसरे जिसमें प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए। वेदादि शास्त्रों में उक्त दोनों गतियों को कई नामों से जाना गया है। श्रीमद् भगवद् गीता के अनुसार देव, मनुष्य आदि प्राणियों की मृत्यु के अनन्तर दो गतियां होती है। इस जंगम जगत के प्राणियों की अग्नि, ज्योति, दिन, शुक्ल पक्ष और उत्तरायण से उपलक्षित अपुनरावृत्ति-फलक प्रथम गति तथा धूम, रात्रि, कृष्णपक्ष और दक्षिणायन से उपलक्षित पुनरावृत्ति-फलक दूसरी गति अनादि काल से चली आ रही है। इसमें दूसरे मार्ग से प्रयाण करने वाला प्राणी कर्मानुसार पुनः पुनः जन्म मरण के वक्र चक्र में पड़कर आ-ब्रह्मलोक परिभ्रमण करता रहता है, लेकिन प्रथम मार्ग से प्रयाण करने वाला जीव सूर्यमंडल भेदन करके सर्वदा के लिए जन्म और मरण के बंधन से छूट जाता है, अर्थात् मोक्ष को प्राप्त हो जाता है।

मोक्ष को लेकर मतभेद

मोक्ष के अर्थ के लिए साधारण सी भाषा में प्रायः कह दिया जाता है कि छुट्टी मिल गई, मुक्ति हो गई, पीछा छूटा, झंझटो से दूर हुए, ब्रह्म में लीन हो गए, सांसारिक बंधनों से छुटकारा मिल गया, जन्म-जन्मान्तर के चक्कर से मुक्ति मिल गई आदि। दार्शनिक विचारकों में मोक्ष के विषय में मतभेद है, चार्वाक् के अनुसार देहनाश अर्थात् शरीर का अन्त ही मोक्ष है। शून्यवाद बौद्ध आत्मा के उच्छेद को मोक्ष मानते हैं। अन्य बौद्ध निर्मल ज्ञान की उत्पत्ति को मोक्ष कहते हैं। जैन दर्शन के अनुसार कर्म से उत्पन्न आवरण के नाश से जीव का निरन्तर ऊपर उठना ही मोक्ष है। वैशिषिक का मत है कि आत्मा के समस्त विशेष गुणों का अभाव होना ही मोक्ष है। नैयायिक कहते हैं कि 21 प्रकार के दुःखों यानी 6 ज्ञानेन्द्रिय, उनसे उत्पन्न 6 ज्ञान, उनमें 6 विषय, सुख-दुख और शरीर की आत्यन्तिक निवृत्ति मोक्ष है। मीमासंको के अनुसार विहित वैदिक कर्म के द्वारा स्वर्ग को प्राप्त करना ही मोक्ष है। सांख्य दर्शन का मत है कि प्रकृति जब पूर्णतया उपरत हो जाए तब पुरूष का अपने स्वरूप में स्थित होना मोक्ष है, योग दर्शनकार के अनुसार चित्शक्ति का निरूपाधिक रूप से अपने आप में स्थित होना मोक्ष है रामानुज सम्प्रदाय में ईश्वर के गुणों की प्राप्ति के साथ ईश्वर के स्वरूप का अनुभव होना मोक्ष है। माहवमत में दुःख से मिले पूर्ण सुख की प्राप्ति ही मोक्ष है। मोक्ष अवस्था में जीव को ईश्वर के तीन गुण यानी सृष्टि कर्तव्य, लक्ष्मीपतित्व और श्रीवत्स की प्राप्ति को छोड़कर सब कुछ प्राप्त होता है। पाशुमत दर्शन में परमेश्वर बन जाना, शैव, दर्शन में शिव हो जाना और प्रत्यमिज्ञा दर्शन में पूर्ण आत्मा की प्राप्ति को मोक्ष कहा गया है। रसेश्वर दर्शन में रस के सेवन से देह का स्थिर हो जाना और जीते जी मुक्त होना मोक्ष है। वैयाकरणों का कहना है कि मूलाधार चक्र में स्थित परा नामक ब्रह्मरूपणी वाक् का दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्तों में मूल दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्त में मूल ज्ञान के नष्ट हो जाने पर अपने स्वरूप की अनुभूति अर्थात् आत्म साक्षात्कार ही मोक्ष है।

मोक्ष प्राप्ति के साधन

वाणी का संयम: मौन अर्थात् इन्द्रियजीत होकर वाणी का संयम कर ले। वाणी का प्रयोग कभी सांसारिक कार्यों में न करें। ब्रह्मचर्य व्रत अर्थात् ब्रह्मचर्य का विधिवत् पालन करें। श्रुति कहती है कि केवल ब्रह्मचर्य व्रत से ही जीव की मुक्ति हो जाती है। शास्त्र श्रवण निरंतर करते रहें और श्रवण के बाद उसका सतत् मनन और निदिध्यासन चलता रहे तो भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अहं को मिटा दें: तप अर्थात् तपस्या से अहं मिटता है, तपस्या की उत्तरोत्तर वृद्धि से ब्राह्मी स्थिति को जीव प्राप्त होता है अर्थात् बह्म में लीन हो जाता है। अध्ययन अर्थात् बुद्धि का व्यायाम। निरन्तर शास्त्र अध्ययन और तद्नुसार उसका चिन्तन-मनन जीव को ब्रह्मावगामिनी बनाता है। भगवद् गीता के अनुसार भी बुद्धि के समीप ही तो ब्रह्म है।

स्वधर्म पालन: स्वधर्म पालन अर्थात् जिस वर्ण के हों, जिस मत के हों, जिस आश्रम आदि के हों, धर्म का पालन करते रहें- यह भी मोक्ष का मार्ग है। शास्त्रों की व्याख्या अर्थात् शास्त्रों की प्रबल युक्तियों द्वारा युक्तियुक्त व्याख्या करें। यह भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। व्याख्या करते समय बुद्धि अत्यन्त सूक्ष्म हो जाती है और ब्रह्म तो सूक्ष्माति सूक्ष्म है। स्थूल बुद्धि वाले तो स्थूल शरीर ही पा सकते हैं।

एकांतवास: एकांतवास अर्थात् संसारी कोलाहल और चकाचौंध से दूर। एकान्तवास का अर्थ अपने दायित्वों से भागकर पर्वत, जंगल, आश्रम आदि में भाग जाना कदापि नहीं है। जप अर्थात् निरंतर नाम मंत्र जप वाला भी मोक्ष को प्राप्त होता है। मंत्र जाप की महिमा का इससे बड़ा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जो शिव जी ने पार्वती जी से कहा- हे वरानने पार्वती मैं तीन बार प्रतिज्ञा करके कहता हूं कि केवल जप मात्र से ही इष्ट कार्य की सिद्धि हो जाती है। अब यह बात निर्भर करती है अपने-अपने बुद्धि और विवेक पर कि व्यक्ति को भौतिक सुखों की चाह है या इससे विमुख होकर पारलौकिक सुखों की।

समाधि से भी मुक्ति: समाधि भी मुक्ति का एक निमित्त बताया है। शास्त्रकारों के अनुसार आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और अन्ततः समाधि यह छह योग हैं। इनमें प्रथम तीन तो बाह्य साधना और अन्तिम तीन-धारणा, ध्यान और समाधि आंतरिक साधन कहलाते हैं। समाधि से मन एकाग्र होता है परंतु साथ में मन निर्मल होना परम आवश्यक है, नहीं तो पुनः जीव भौतिक वाद में पहुंच जाएगा। जब शरीर में मल न रहकर निर्मल बन जाए, मन में विक्षेप न होकर बिना विक्षेप के बन जाए और बुद्धि का आवरण हटकर निरावरण बन जाए तो समाधि से मोक्ष की अवस्था प्राप्त हो जाती है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

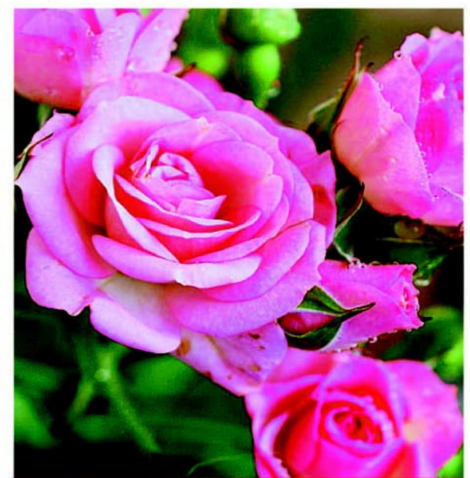

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

बुद्धि बंधन है, बुद्धि से मुक्त हों...

प्रेम आत्मा का भोजन है, प्रेम परमात्मा की ऊर्जा है जिससे प्रकृति का सारा सृजन होता है। आध्यात्म जगत में प्रेम से ज्यादा महत्त्वपूर्ण कोई शब्द नहीं है। यही वह रसायन है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ देता है। जब आप प्रेम में उतर जाते हो तो प्रेम का प्रत्युत्तर आपने आप आना शुरू हो जाता है। आप सद्गुरु की आंखों में प्रेम से झांकते हो तो सद्गुरु की प्रेम ऊर्जा आपको ऐसे लपेटने लगती है कि आप मंत्रमुग्ध होकर उसी के हो जाते हो। सद्गुरु को पकड़ो। पकड़ने का अर्थ है सबसे पहले वहां साष्टांग हो जाओ, झुक जाओ यानी अहंकार के विसर्जन का, प्रेम का, प्रीती का अभ्यास सद्गुरु के चरणों से शुरू करो। एक बात और है प्रेम करना नहीं होता, प्रेम तो स्वयं हो जाता है। लेकिन इस प्रेम के होने में बुद्धि सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। बुद्धि सोच विचार करती है। तर्क वितर्क करती है, वह खुले हृदय से अनुभव नहीं करने देती है। बुद्धि बंधन है, उसी से मुक्त होना है और उपलब्ध रहना है उन प्रेम के क्षणों में।

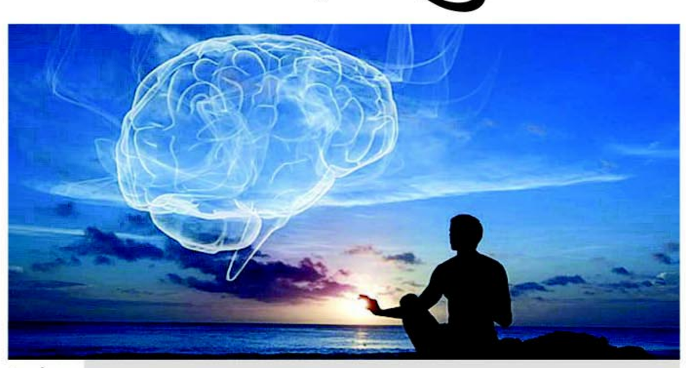

छिपाने के लिए कुछ नहीं

प्रेम की भूल-भुलैया का जरा अनुभव तो करो, लेकिन बुद्धि से नहीं, हृदय खोलकर प्रेम का दिया बनो। प्रेम का अर्थ होता है दूसरों को इतना अपना बना लेना कि कुछ छिपाने को बचे ही नहीं। आपको, जब आपको लगने लगे कि उससे छिपाने को कुछ भी नहीं रहा तब समझना कि आपको सच्चे अर्थों में प्रेम हो गया है। सद्गुरु ही एकमात्र व्यक्ति है जो निःस्वार्थ प्रेम करता है। उसे आपसे कुछ पाना नहीं है। उसे तो अपना सब कुछ आपके ऊपर लुटाना है। उसके प्रति प्रेम करने में कठिनाई का अनुभव नहीं होना चाहिए।

प्रेम साधना है

ऋषियों ने कहा है, प्रकृति से प्रेम करो। फिर धीरे-धीरे मनुष्य पर आओ। मनुष्य से आकर आप सीधे परमात्मा तक पहुंचोगे। ऋषियों ने पहाड़ों को पूजा, नदियों को पूजा, वृक्षों को पूजा, चांद-तारों को पूजा। किसलिए? उन्होंने संदेश दिया कि सारी पृथ्वी से प्रेम करो। विराट अस्तित्व ही परमात्मा है। सबके प्रति प्रेम से इतना भर जाओ कि आपकी लय, आपका संगीत, आपका छंद उस परमात्मा से जुड़ जाए जो-जो शरीर में है वह सब ब्रम्हांड में है। सारे धर्म इसी बात का विज्ञान हैं और कुछ नहीं। प्रेम की एक ही साधना है, एक ही संकल्पना है जिसके साध लेने पर आध्यात्म की सारी साधनाएं प्रकट हो जाएंगी।

प्रेम के तीन तल

प्रेम के तीन तल होते हैं। पहला तल शरीर का तल है जहां आप गिरते हो। वासना के वशीभूत होकर परस्पर प्रेम करना वास्तव में प्रेम है ही नहीं। वह तो स्वार्थ है, छलावा है। एक-दूसरे की आवश्यकता की पूर्ति मात्र है। दूसरा तल है मन का तल, जब बात शरीर से ऊपर उठकर मन तक आ जाती है। मन से चाहने लगते हो। तीसरा तल है आत्मा का तल। सूक्ष्मतम अस्तित्व आत्मा, जब वह प्रेम एक दूसरे की आत्मा से जुड़ जाता है यानी एक दूसरे की आत्मा में बस जाते हो तब आप दो नहीं रहते एक हो जाते हो। आत्मसात हो जाते हो परस्पर। ऐसा निःस्वार्थ प्रेम वासना रहित होता है। इसलिए ऐसा प्रेम करो। ऐसा प्रेम ही परमात्मा से आपका साक्षात्कार करा देगा।

नेगेटिव एनर्जी से बचें...

शास्त्रों, वास्तु और फेंगशुई के अनुसार हर दिशा का अपना महत्व है। उसी के अनुरूप उस जगह पर नकारात्मक अथवा सकारात्मक शक्तियों का वास होता है। वास्तु में सूर्य को ब्राह्म में ऊर्जा का स्त्रोत माना जाता है। इसी कारण पूर्व दिशा ऊर्जा का केंद्र रहती है पश्चिम में सूर्य अस्त होता है जहां उसकी ऊर्जा का ह्रास होता है और इसी दिशा पर शनिदेव वास करते हैं। शास्त्रों में दैवीय ऊर्जा का उद्गमन उत्तर पूर्व दिशा कही गई है। इसे ईशान कोण भी कहा जाता है। इसी दिशा से सारी दैवीय शक्तियां संचालित होती हैं। यही स्थान ईश्वर को भी समर्पित है इसके विपरीत दक्षिणी पश्चिम दिशा अर्थात साउथ वैस्ट दिशा पर दैत्यों और पिशाचों का काल वास होता है। जब किसी घर में पूर्व से सूर्य की किरणों को प्रवेश करने में बाधा उत्पन्न हो, उत्तर पश्चिम दिशा से वायु का संचालन बंद हो जाए, उत्तर पूर्व दिशा से जल का स्थान दूषित हो जाए, देव स्थान या घर का मंदिर दूषित हो जाए तो उन जगहों पर नकारात्मक शक्तियों का वास हो जाता है। जिस स्थान पर 43 दिन तक सूर्य की किरणों का संचालन न हो तथा वहां की दिवारों पर नमी के कारण सीलन हो तथा हवा के न संचालित होने से दुर्गुन्ध आती हो ऐसे स्थान पर नकारात्मक शक्तियां निवास करती हैं। जिस जमीन पर पूर्वजों का मरघट स्थान हो तथा उस जगह पर कोई व्यक्ति अपना आशियाना बना ले तो वहां नकारात्मक शक्तियां अपना वास बना लेती हैं। पीपल अथवा बरगद को काट कर घर बनाया गया हो। वहां भी पिशाच वास करते हैं। जो घर किसी कॉलोनी अथवा सड़क का आखरी घर हो और जिसके आगे जाकर रास्ता समाप्त हो जाता हो वहां पर भी नकारात्मक शक्तियों का वास होता है। जिस स्थान पर स्वच्छता नहीं होती वहां नकारात्मकता अपना प्रभाव दिखाती है। ऐसे स्थान पर कोई बस नहीं सकता। जिस घर-परिवार में लोग बीमार रहते हैं या स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से जूझते रहते हैं वहां भी नेगेटिव एनर्जी अपना साम्राज्य स्थापित कर लेती है। घर में पूरी तरह से रोशनी और पानी के न होने से घर-व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रात को नींद के आगोश में जाने से पहले अधिकतर लोगों को इत्र, डियो अथवा सुंगध को किसी न किसी रूप में अपने शरीर पर लगाना भाता है। पुराणों के अनुसार ऐसा करना नकारात्मक शक्तियों को बुलावा देना है। रात के समय नकरात्मकता सुंगधित काया की ओर विशेष रूप से आकर्षित होती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**